दैनिक
नव प्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ◈◈ 6 | अभिव्यक्ति 3 | राजधानी 7 | आंचलिक 12 | देश-विदेश

रांची, रविवार, 28 जुलाई 2024, श्रावण कृष्णपक्ष अष्टमी विक्रम संवत-2081 वर्ष-09 अंक-103 पृष्ठ-12, मूल्य - 3 रुपये रांची, रायपुर, बिलासपुर, भोपाल व जबलपुर से एक साथ प्रकाशित www.navpradesh.com

//-- सुविचार --//

सुनना सिख लो तो सहना सिख जाओगे, और सहना सीख लिया तो रहना सीख जाओगे!

सूर्योदय/सूर्यास्त

उदय : 05:17 प्रातः

अस्त : 06:33 संध्या

प्रदेश का तापमान (आज)

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	30.0	24.0
जमशेदपुर	33.0	27.0
हजारीबाग	32.0	24.0
डालटनगंज	34.0	27.0

संक्षिप्त खबरें

मोदी आज 11 बजे करेंगे मन की बात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार (28 जुलाई) को सुबह 11 बजे आकाशवाणी पर प्रसारित मासिक कार्यक्रम मन की बात को संबोधित करेंगे। मन की बात का यह 112वां संस्करण होगा। प्रधानमंत्री ने लगातार तीसरी बार लोकसभा चुनाव जीतने के बाद पिछले माह पुनः मन की बात को शुरू किया। कार्यक्रम का प्रसारण आकाशवाणी और दूरदर्शन के पूरे नेटवर्क, आकाशवाणी समाचार वेबसाइट और न्यूजऑनएयर मोबाइल ऐप पर किया जाएगा। इसे आकाशवाणी समाचार, डीडी न्यूज, पीएमओ और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के यूट्यूब चैनलों पर भी लाइव स्ट्रीम किया जाएगा। हिंदी प्रसारण के तुरंत बाद आकाशवाणी क्षेत्रीय भाषाओं में कार्यक्रम प्रसारित करेगा।

सायको में युवक की गला काटकर हत्या

खूंटी। जिले के सायको थानांतर्गत छोटा जिऊरी गांव स्थित फुटबॉल मैदान के समीप स्थित एक खेत से पुलिस ने शनिवार को एक युवक का शव बरामद किया। युवक की धारदार हथियार से गला काटकर हत्या की गई है। उसके सिर, छाती, पेट सहित अन्य हिस्सों पर धारदार हथियार से चोट के निशान हैं। शव की पहचान सायको के कुदा गांव निवासी भोंज मुंडा 26 वर्ष के रूप में हुई है। मृतक के स्वजनों ने कहा कि भोंज मुंडा शुक्रवार शाम हड़िया दारू पीने जिऊरी गांव गया था। रात तक जब वह वापस घर नहीं लौटा, तो स्वजनों ने उसकी खोजबीन की लेकिन रात में उसका कहीं कुछ पता नहीं चला। शनिवार सुबह जिऊरी गांव के फुटबॉल मैदान के पास खेत में एक युवक के शव पड़े होने की सूचना मिलने पर स्वजन वहां गए और शव की पहचान की। बाद में इसकी सूचना सायको थाना की पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल खूंटी भेजा। इस संबंध में स्वजनों के बयान पर अज्ञात अपराधियों के विरुद्ध सायको थाना में हत्या का मामला दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

केंद्र व राज्यों के सामूहिक प्रयासों से विकसित भारत @2047 का सपना साकार होगा : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज नीति आयोग की 9वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित की गई। इसमें 20 राज्यों और 6 केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों और उपराज्यपालों ने भाग लिया।

प्रधानमंत्री ने विकसित भारत @2047 के विजन को प्राप्त करने के लिए सभी राज्यों और केंद्र के सहयोग और सामूहिक प्रयास पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने पिछले दस वर्षों में स्थिर विकास हासिल किया है। भारतीय अर्थव्यवस्था, जो 2014 में दुनिया की 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी, 2024 तक 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। उन्होंने कहा कि अब सरकार और सभी नागरिकों का सामूहिक लक्ष्य दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि हमारे देश ने पिछले दस वर्षों में सामाजिक और आर्थिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करके पहले ही काफी प्रगति की है। मुख्य रूप से आयात-संचालित देश होने से, भारत अब दुनिया को कई उत्पाद निर्यात करता है। देश ने रक्षा, अंतरिक्ष, स्टार्ट-अप और खेल जैसे व्यापक क्षेत्रों में विश्व मंच पर अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने 140 करोड़ नागरिकों के आत्मविश्वास और उत्साह की सराहना की, जो हमारे देश की प्रगति के पीछे प्रेरक शक्ति है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह परिवर्तन का दशक है जो विभिन्न क्षेत्रों में बहुत सारे अवसर लेकर आया है। उन्होंने राज्यों को इन अवसरों का उपयोग करने और नीति निर्माण और क्रियान्वयन में नवीन दृष्टिकोणों के माध्यम से विकास के लिए अनुकूल नीतियां बनाने और शासन कार्यक्रम शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के विजन को विकसित राज्यों के माध्यम से साकार किया जा सकता है और विकसित भारत की आकांक्षा जमीनी स्तर यानी प्रत्येक जिले, ब्लॉक और गांव तक पहुंचनी चाहिए। इसके लिए, प्रत्येक राज्य और जिले को 2047 के लिए एक विजन बनाना चाहिए ताकि 2047 में विकसित भारत को साकार किया जा सके। प्रधानमंत्री ने नीति आयोग द्वारा संचालित आकांक्षी जिला कार्यक्रम की सराहना की और कहा कि इसकी सफलता की कुंजी मापनीय मापदंडों की निरंतर और ऑनलाइन निगरानी थी, जिससे विभिन्न सरकारी योजनाओं में अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए जिलों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा हुई। प्रधानमंत्री ने युवाओं को रोजगार के लिए तैयार करने के लिए कौशल और प्रशिक्षण पर जोर दिया क्योंकि दुनिया कुशल मानव संसाधन के लिए भारत की ओर देख रही है। उन्होंने राज्यों को निवेशक-अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने नीति आयोग को मापदंडों का एक 'निवेश-अनुकूल चार्टर' तैयार करने का निर्देश दिया, जिसमें निवेश आकर्षित करने के लिए लागू की जाने वाली नीतियां, कार्यक्रम और प्रक्रियाएं शामिल होंगी। निवेश आकर्षित करने के लिए उनके बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के लिए इन मापदंडों में उपलब्धि के आधार पर राज्यों की निगरानी की जा सकती है। उन्होंने निवेश आकर्षित करने के लिए केवल प्रोत्साहन के बजाय कानून और व्यवस्था, सुशासन और बुनियादी ढांचे के महत्व को भी रेखांकित किया। प्रधानमंत्री ने जल संसाधनों के प्रभावी उपयोग के लिए राज्य स्तर पर नदी ग्रिड बनाने को प्रोत्साहित किया।

विपक्षी सीएम ही नहीं, आयोग की बैठक से नीतीश ने भी बनाई दूरी

नौवीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक का कई विपक्षी मुख्यमंत्रियों ने बहिष्कार किया। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बैठक में शामिल हुईं, लेकिन बाद में विरोध जताते हुए इसे बीच में ही छोड़ दिया। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी बैठक में शामिल नहीं हुए। नीतीश कुमार की जगह बैठक में राज्य का प्रतिनिधित्व दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने किया। नीतीश कुमार के बैठक में शामिल न होने पर सवाल खड़े होने लगे। इस बीच जेडीयू ने इसकी वजह बता दी। जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) के प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा, 'यह पहली बार नहीं है, जब मुख्यमंत्री नीतीश आयोग की बैठक में हिस्सा नहीं ले रहे। मुख्यमंत्री पहले भी बैठक में शामिल नहीं हुए थे और बिहार का प्रतिनिधित्व तत्कालीन उपमुख्यमंत्री ने किया था। इस बार भी दोनों उपमुख्यमंत्री बैठक में शामिल होने गए हैं।' नीरज कुमार ने कहा कि इसके अलावा, बिहार से चार केंद्रीय मंत्री भी आयोग के सदस्य हैं और वे बैठक में मौजूद रहेंगे। इस पर कुछ भी कहने की जरूरत नहीं है।

बैठक से विरोध स्वरूप बाहर निकलीं ममता

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में शनिवार को राजधानी में नीति आयोग की बैठक में शामिल हुई पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बैठक बीच में ही छोड़कर बाहर निकल गईं। बनर्जी ने बाहर आकर मीडियाकर्मियों से कहा कि उन्होंने कार्यवाही के संचालन को लेकर अपना विरोध जताते हुए बैठक से निकलीं। बैठक का विपक्षी इंडिया समूह के घोषित बायकाट के बावजूद इसमें शामिल होने दिल्ली आयीं मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा कि बैठक में उन्हें बोलने का पूरा मौका नहीं दिया गया। ये कैसे चल सकता है? मैंने बैठक का बहिष्कार किया है। चंद्रबाबू नायडू को बोलने के लिए 20 मिनट दिए गए, असम, गोवा, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने 10-12 मिनट तक बात की। मुझे सिर्फ.पांच मिनट बाद बोलने पर ही रोक दिया गया। यह गलत है, विपक्ष की ओर से सिर्फ.मैं यहां प्रतिनिधित्व कर रही हूं और इस बैठक में इसलिए भाग ले रही हूं क्योंकि सहकारी संघवाद को मजबूत करने में मेरी अधिक रुचि है। मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा, नीति आयोग के पास कोई वित्तीय शक्तियां नहीं हैं, यह कैसे काम करेगा? इसे वित्तीय ताकत दें या योजना आयोग को वापस लाएं, मैंने अपना विरोध दर्ज कराया और मैं बाहर आ गई।

ममता का माइक्रोफोन बंद नहीं किया गया : केन्द्र सरकार

नीति आयोग की राजधानी में शनिवार को हुई बैठक में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का माइक्राफोन को बंद किए जाने के दावे को केंद्र सरकार के अधिकारियों ने भ्रामक बताया है। उनका कहना है कि बनर्जी को राज्य सरकार के अनुरोध पर उनके क्रम से पहले बोलने का मौका दिया गया और उनका समय पूरा होने की घंटी तक नहीं बजायी गयी। अधिकारियों का कहना है, वहां की घड़ी दर्शाती है कि ममता के बोलने का समय पूरा हो गया था। वर्णमाला के क्रम के अनुसार बनर्जी के बोलने की बारी दोपहर के भोजन के बाद आनी थी। उन्हें पश्चिम बंगाल सरकार के औपचारिक अनुरोध पर पहले बोलने का अवसर दिया गया और वह बैठक में सातवीं वक्ता थीं।

बैठक में ये राज्य नहीं हुए शामिल

नीति आयोग के सीईओ बी. वी. आर सुब्रह्मण्यम ने बैठक की जानकारी देते हुए बताया कि इस बैठक में 10 राज्य नहीं शामिल हुए थे, जबकि 26 राज्यों ने इसमें हिस्सा लिया था। जो राज्य नहीं शामिल हुए थे उनमें केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना, बिहार, दिल्ली, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, झारखंड और पुदुचेरी हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बैठक में शामिल हुईं।

शाह से मिले सौरभ रघुवर की बहू चर्चा में

नव प्रदेश संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा चुनाव में भाजपा जमशेदपुर पूर्वी सीट से पूर्व क्रिकेटर सौरभ तिवारी को उम्मीदवार बना सकती है। सौरभ तिवारी ने हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी और माना जा रहा है कि इस दौरान उन्होंने चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है। इस सीट से रघुवर दास कई बार विधायक भी रह चुके हैं और उनकी बहू के नाम भी चर्चा बीजेपी के संभावित उम्मीदवारों में हो रही है।

जमशेदपुर पूर्वी सीट पर इस समय पूर्व मंत्री सरयू राय का कब्जा है, जिन्होंने 2019 के चुनाव में तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास को हराया था। राय इस बार नीतीश कुमार के साथ मिलकर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। भाजपा राय को घेरने की रणनीति बना रही है और ऐसे में तिवारी को मैदान में उतारा जा सकता है। जानकार सूत्र बताते हैं कि अमित शाह से मुलाकात के दौरान सौरभ तिवारी ने जमशेदपुर पूर्वी सीट से चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर की है। जमशेदपुर पूर्वी पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास की परंपरागत सीट रही है। दास अभी ओडिशा के राज्यपाल हैं और सक्रिय राजनीति से दूर हैं। ऐसे में बीजेपी को इस सीट पर नए उम्मीदवार की तलाश है। यह भी चर्चा है कि रघुवर दास की बहू पूर्णिमा को भी बीजेपी उम्मीदवार बना सकती है। हालांकि पूर्णिमा को सक्रिय राजनीति में उतरने की अनुमति परिवार से मिलेगी या नहीं, इसे लेकर अभी संशय है। इससे पहले यह भी चर्च थी कि रघुवर दास के पुत्र ललित दास भी टाटा कंपनी की नौकरी छोड़ कर सक्रिय राजनीति में उतर सकते हैं।

लातेहार में नक्सलियों ने कोयला लदे दो वाहनों को जलाया

लातेहार। लातेहार जिले के हेरहंज थाना क्षेत्र अंतर्गत चाया जंगल के निकट सड़क पर शुक्रवार की देर रात टीएसपीसी के नक्सलियों ने कोयला ढुलाई करने वाले दो वाहनों को जला दिया। घटना को अंजाम देने के बाद नक्सलियों ने घटनास्थल पर पर्चा छोड़कर घटना की जिम्मेवारी लेते हुए बिना संगठन के आदेश के काम नहीं करने की धमकी भी दी है। इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस की टीम घटना स्थल पर पहुंचकर नक्सलियों के खिलाफ छापामारी अभियान आरंभ कर दी है।

जानकारी के अनुसार लातेहार के तुबेद कोलियरी से कोयला लेकर बालूमाथ रेलवे साइडिंग की ओर दो हाइवा शुक्रवार की देर रात जा रही थी। हेरहंज थाना क्षेत्र के चाया जंगल के पास सड़क पर बड़े-बड़े पत्थर लगाकर नक्सलियों ने सड़क जाम कर दिया था। जैसे ही कोयला लदी गाड़ियां वहां पहुंची तो नक्सलियों ने हथियार के बल पर दोनों चालकों को गाड़ी से नीचे उतारा और गाड़ी में आग लगा दी। उसके बाद नक्सलियों ने चालक को एक पर्चा दिया तथा दूसरा पर्चा सड़क पर फेंक दिया। नक्सलियों के द्वारा पर्चा में लिखा गया था कि बिना संगठन के आदेश के यदि आगे काम किया गया तो अंजाम बुरा होगा। नक्सलियों के जाने के बाद वाहन चालकों ने घटना की जानकारी वाहन मालिक को दी। इसके बाद वाहन मालिक के द्वारा पूरे मामले की सूचना पुलिस को दी गयी। सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची और नक्सलियों के पर्चा को जप्त कर लिया। पुलिस ने नक्सलियों की गिरफ्तारी के लिए आसपास के इलाके में छापामारी भी की।

इधर इस संबंध में लातेहार पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने बताया कि पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखकर मामले की छानबीन कर रही है। उन्होंने कहा कि जल्द ही घटना को अंजाम देने वाले दोषियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

ज्ञात हो कि लातेहार जिले के हेरहंज ओर आसपास के इलाके में 3 वर्ष पहले तक टीएसपीसी नक्सली सक्रिय रहते थे। परंतु वर्तमान एसपी अंजनी अंजन के द्वारा नक्सलियों के खिलाफ चलाए गए व्यापक अभियान के कारण टीएसपीसी नक्सली संगठन लातेहार जिले में प्रभावहीन हो गया। संभावना जताई जा रही है कि टीएसपीसी नक्सलियों के द्वारा अपने प्रभाव को कायम रखने के लिए इस प्रकार की घटना को अंजाम दिया गया होगा ,ताकि उन्हें कोयला व्यवसाय से लेवी मिल सके।

मुख्यमंत्री ने इंडि गठबंधन के साथ दिखाई एकजुटता

नीति आयोग की बैठक से दूर रहे हेमंत सोरेन

नव प्रदेश संवाददाता

रांची : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली में नीति आयोग की बैठक की अध्यक्षता कर रहे हैं। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य 'विकसित भारत 2047' है। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के कई दलों ने इस बैठक का बहिष्कार किया है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी इस बैठक में शामिल नहीं हुए हैं। बैठक का बहिष्कार करने वाले विपक्षी गठबंधन इंडिया के कई दलों का कहना है कि केंद्र सरकार राज्य सरकारों की बात नहीं सुनती है और न ही उन्हें महत्व देती है। इसलिए इस बैठक में शामिल होने का कोई मतलब नहीं है। पहले ऐसी चर्चा थी कि हेमंत सोरेन बैठक में शामिल हो सकते हैं, लेकिन बाद में उन्होंने बैठक में नहीं जाने का फैसला किया। 26 जुलाई को भी दिन भर इस बात की चर्चा होती रही कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन दिल्ली जा सकते हैं। इससे पहले 24 जुलाई को कैबिनेट की बैठक में शामिल होने के बाद पत्रकारों के सवाल के जवाब में भी हेमंत सोरेन ने इस बात का खंडन नहीं किया था कि वो नीति आयोग की बैठक में शामिल नहीं होंगे। शुक्रवार को देर शाम तक हेमंत सोरेन दिल्ली नहीं गए, जिसके बाद शनिवार 27 जुलाई की सुबह भी हेमंत सोरेन के दिल्ली जाने की चर्चा होती रही। वहीं सुबह 9:30 बजे से नीति आयोग की बैठक शेड्यूल थी, लेकिन हेमंत सोरेन अपने आवास पर थे, जिससे यह साफ हो गया कि वो बैठक में शामिल नहीं होंगे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इससे पहले ही 23 जुलाई को संसद में पेश होने वाले बजट के दिन ही नीति आयोग की बैठक में नहीं जाने का संकेत दे दिया था। मुख्यमंत्री ने 23 जुलाई को पत्रकारों से बातचीत में कहा था - 'संघीय ढांचे का उदाहरण देखिए, 23 जुलाई को बजट पेश हुआ और 27 तारीख को नीति आयोग की बैठक रखी गई है। तो फिर किसका साथ-किसका विकास'?

ओलंपिक खेलों के महाकुंभ में क्यूआर कोड से हो रही एंट्री, चाक-चौबंद है सुरक्षा व्यवस्था

40 देशों की पुलिस, सड़कों पर 40,000 बैरियर

पेरिस : खेलों के महाकुंभ ओलंपिक का आगाज हो चुका है। फ्रांस की राजधानी पेरिस में 33वें ओलंपिक खेलों की शुरुआत हुई। शुक्रवार देर रात पेरिस से होकर बहने वाली सीन नदी के किनारे पेरिस ओलंपिक का शानदार आगाज हुआ। हालांकि, इस आयोजन से कुछ घंटे पहले फ्रांस के रेलवे नेटवर्क पर हमला हो गया। फ्रांस की राष्ट्रीय रेल कंपनी एसएनसीएफ ने बताया कि उनकी हाई-स्पीड रेल लाइनों पर आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाएं हुईं। इसके चलते दर्शकों को खेल आयोजन वाली जगहों तक पहुंचने में कठिनाई का सामना करना पड़ा। उद्घाटन से पहले हिंसा के बाद सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इससे पहले सुरक्षा जांच के दौरान 3,900 से ज्यादा लोगों को ओलंपिक आयोजनों में भाग लेने से रोका गया था।

ओलंपिक में सुरक्षा

फ्रांस ने पिछले कुछ आयोजनों से हटकर इस ओलंपिक का आयोजन किया है। 2016 में रियो डी जेनेरियो या 2012 में लंदन ओलंपिक के दौरान शहर के केंद्र के बाहर एक साथ ओलंपिक पार्क बनाकर कई आयोजनों किए गए थे। इसके बजाय, पेरिस ने 20 लाख आबादी वाले शहर में ही अधिकांश आयोजन हो रहे हैं। वहीं अन्य आयोजन उपनगरों में भी हो रहे हैं। सार्वजनिक स्थानों पर अस्थायी खेल के मैदान बनाए गए हैं और सीन नदी के करीब उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। इस तरह के आयोजन ओलंपिक की सुरक्षा को और अधिक कठिन बनाते हैं। 26 जुलाई से 11 अगस्त तक होने वाले ओलंपिक खेलों में कई सुरक्षा चुनौतियां हैं। शहर में बार-बार घातक हमले हुए हैं। यूक्रेन और गाजा में युद्ध के कारण होने वाले प्रदर्शन भी चिंता के विषय हैं। इसके अलावा, ओलंपिक आयोजकों को साइबर हमले की चिंता है।

सुरक्षा के इंतजाम

जमीन से लेकर समुद्र और हवा में सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सुरक्षा बलों को तैयार किया गया है। 2022 से फ्रांसीसी सशस्त्र बल 2024 ओलंपिक खेलों की सुरक्षा के लिए तैयारी कर रहे थे। खिलाड़ियों और दर्शकों की सुरक्षा को देखते हुए फ्रांस की राजधानी में उच्च स्तर के इंतजाम किए गए हैं। 40 देशों से करीब 1900 पुलिस बल बुलाए गए हैं। 18 जुलाई को सुबह पांच बजे से ही पेरिस में आंतरिक सुरक्षा और आतंक रोधी घेरा की व्यवस्था लागू कर दी गई थी। पेरिस की सड़कों पर 40,000 से अधिक अवरोधक (बैरियर) लगाए गए हैं। बगैर क्यूआर कोड के सीन नदी तक प्रवेश वर्जित है। इसके लिए विशेष तौर पर सैकड़ों पुलिस और जेंडरमेरी नाम के गश्ती दल तैनात किए गए हैं। खेलों के लिए 45,000 पुलिस और सुरक्षाकर्मियों की एक टुकड़ी तैनात की गई है। वहीं इस टुकड़ी की सहायता के लिए 10,000 अतरिक्त सैनिकों की भी तैनाती की गई है। इन सैनिकों ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पेरिस में सबसे बड़ा सैन्य शिविर स्थापित किया है, जहां से सैनिक शहर के किसी भी ओलंपिक स्थल पर 30 मिनट के भीतर पहुंच सकते हैं। देश के सशस्त्र बल आंतरिक सुरक्षा बलों की सहायता कर रहे हैं। ऑपरेशन सेंटिनेल नाम की टुकड़ी को वैरेस-सुर-मार्ने में तैनात किया गया है, जहां रोइंग, कैनोइंग कयाकिंग जैसे वाटर गेम आयोजित किए जा रहे हैं। पेरिस और आसपास के शहरों में जमीन के बाद हवा में भी खास सुरक्षा है। राफेल लड़ाकू विमान, हवाई क्षेत्र की निगरानी करने वाली अहअउर निगरानी उड़ानें, रीपर निगरानी ड्रोन और शार्पशूटर ले जाने वाले हेलीकॉप्टर पेरिस के आसमान पर नजर रख रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सॉफ्टवेयर से लैस कैमरे तैनात किए गए हैं जो किसी भी सुरक्षा जोखिम का पता लगा सकते हैं। छोटे ड्रोन के खतरे का मुकाबला करने के लिए हवा में ही विशेष निगरानी की जा रही है।

हाथियों ने लगायी कर्मभूमि एक्सप्रेस की रफ्तार पर ब्रेक

नव प्रदेश संवाददाता

जमशेदपुर : झारखंड में रात के समय अक्सर हाथी घूमते हुए गांव तक पहुंच जाते हैं। हाथी किसानों की फसलों को और घरों को भी नुकसान पहुंचा देते हैं। अब हाथियों ने मुंबई से कामाख्या जा रही कर्मभूमि एक्सप्रेस की रफ्तार को रोक लगा दी। इसका वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में दो हाथी रेल पटरी पार कर रहे है। हाथी का पटरी पार करते देख ट्रेन के लोको पायलट ने ब्रेक लगा गाड़ी को रोक दिया। हाथी के रेललाइन लाइन के पार होने के बाद अपने ट्रेन को आगे बढ़ाया गया। यह घटना शुक्रवार रात की है।

दरअसल 26 जूलाई को लोकमान्य तिलक से चलकर कामख्या जा रही ट्रेन संख्या 22511 कर्मभूमि एक्सप्रेस के लोको पायलट एस के गौड़ और सहायक लोको पायलट सम्राट राय अपनी रफ्तार से ट्रेन को लेकर कामाख्या की ओर जा रहे थे। अचानक राजाभातखावा-अलीपुरद्वार जंक्शन के बीच उन्होंने दो हाथियों के जोड़े के साथ एक बच्चे को पटरी पार करते देखा। उन्होंने तुरंत ट्रेन को रोक दिया और हाथियों को पटरी से पार होने दिया। उसके बाद इन ट्रेन के लोको पायलटों ने अपनी ट्रेन को आगे की ओर बढ़ाया। अगर ट्रेन के लोको पायलट ने समय पर ब्रेक नहीं मारा होता तो ट्रेन हाथी से टकराने के बाद दुर्घटनाग्रस्त भी हो सकती थी। ट्रेन के लोको पायलट और सहायक पायलट के इस कदम की ट्रेन में सवार यात्रियों ने तारीफ की। यात्रियों ने कहा कि ये एसके गोड और सम्राट राय की सूझबूझ थी कि उन्होंने हाथियों के लिए ट्रेन रोक दी। ताकि हाथी पटनी को पार सकें।

देश की आंतरिक सुरक्षा के हर मोर्चे पर सीआरपीएफ की कार्यशैली और दक्षता काबिले तारीफ : आईजी

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ग्रुप केन्द्र सेम्बों परिसर में सीआरपीएफ का 86वां स्थापना दिवस और ग्रुप केन्द्र रांची का 13वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस दौरान झारखंड सेक्टर के आईजी साकेत कुमार सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। सिंह ने ग्रुप केन्द्र रांची के परिसर में स्थित शहीद स्मारक स्थल पर पुष्प चक अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

मौके पर आईजी ने कहा कि केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के 86 वर्ष के स्वर्णीम इतिहास में इस बल ने अपनी वीरता, कर्मठता, समर्पण, निष्ठा और देश सेवा से भारतवर्ष को अनेकों बार गौरवान्वित किया है। वर्ष 1959 के भारत चीन गतिरोध के समय हॉटस्प्रिंग की घटना हो या 1965 में भारत-पाक युद्ध के समय सरदार पोस्ट की वीर गाथा। संसद भवन पर किए गए हमले को नाकाम करने की घटना हो या रामजन्मभूमि पर हमले का प्रतिकार। दंगा नियंत्रण का क्षेत्र हो या आतंकवाद, नक्सलवाद से लोहा लेने क्या काम हो। देश के आंतरिक सुरक्षा के हरेक मोर्चे पर इस बल की कार्यशैली और दक्षता काबिले तारीफ है।

आईजी ने कहा कि राज्य में भी बल महत्वपूर्ण एवं निर्णायक भूमिका निभा रहा है। केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की तैनाती के बाद पिछले कुछ वर्षों से झारखंड में नक्सली घटनाओं में काफी कमी आई है। विगत एक वर्ष में राज्य में कई महत्वपूर्ण एवं जोखिम भरे अभियान चलाये गये, जिसमें आठ दुर्दांत नक्सली मार गिराये गये। इसके साथ 59 हथियार, 241 आईईडी, 1519 किलोग्राम विस्फोटक, 9692 डेटोनेटर बरामद करते हुए 38 नक्सलियों के कैम्प्स को उनके मांद में घुसकर ध्वस्त किया गया। इसके साथ 21 माओवादी आत्मसमपर्ण करने के लिए मजबूर हुए तथा 53 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान तीन बहादुर जवानों ने शहादत दी। साथ ही 9 अधिकारी और जवान गंभीर रूप से घायल हुए।

आईजी ने कहा कि सभी अधिकारियों और जवानों से यह अपेक्षा करता हूं कि, वे इन वीर अधिकारियो एवं जवानों से प्रेरणा लेते हुए आने वाले समय में अपने उत्कृष्ट कार्यों से बल के गौरव में वृद्धि करेंगे। उन्होनें अंत में कहा कि समूह केन्द्र, रांची एक नवनिर्मित समूह केन्द्र है और इस परिसर में इसकी स्थापना के बाद लगातार निर्माण की अवस्था से गुजर रहा है। मुझे विश्वास है कि जल्द ही इस कैप में पारिवारिक आवास और बुनियादी सुविर्धाए पूर्ण रूप से कियाशील हो जाएगी। यहां के सभी कार्मिक कैम्प परिसर में रहने लगेंगे तो इसकी सुंदरता में और चार चांद लग जायेंगे। इसके विस्तार के लिए भूमि अधिग्रहण की कार्रवाई भी प्रगति पर है और जल्द ही इसे पूर्ण कर लिया जाएगा।

स्थापना दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्रुप केन्द्र रांची के कार्मिकों ने लोक नृत्य, गायन एवं नाट्य कलाओं का प्रदर्शन कर सांस्कृतिक समारोह में अपनी छठा बिखेरी। साथ ही जवानों के बीच वॉलीवाल मैच और रस्साकस्सी मैच का भी आयोजन किया गया, जिसमें विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के अंत में रैफल ड्रॉ का आयोजन किया गया, जिसमें विजेताओं को पुरस्कार दिया गया।

झामुमो ने सांसद निशिकांत दूबे का फूंका पुतला

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने शनिवार को भाजपा के सांसद निशिकांत दूबे का रांची के अल्बर्ट एक्का चौक पर पुतला दहन किया।

मौके पर जिला अध्यक्ष मुस्ताक आलम ने कहा कि गोड्डा सांसद निशिकांत दूबे ने वर्तमान लोकसभा सत्र के दौरान बहुत ही भ्रामक और विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि संथाल परगना, बिहार और बंगाल को मिलकर केंद्र शासित प्रदेश बना दिया जाय। हम इसकी कड़ी शब्दों में निंदा करते हैं।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से केंद्रीय सदस्य समनूर मंसूरी, उपाध्यक्ष अश्विनी शर्मा, कलाम आजाद, सचिव डॉ हेमलाल कु मेहता, रामशरण विश्वकर्मा, आफताब आलम, अरुण वर्मा, चिंतामणी सांगा, कैथरीना तिर्की, जीत गुप्ता, महादेव मुंडा, जिला संयुक्त सचिव सुजीत उपाध्याय, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष नयनतारा उरांव, सचिव शांति तिर्की, महिला मोर्चा महानगर संगठन सचिव सुनीता तिर्की सहित कई नेता मौजूद थे।

सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार करें: झामुमो

रांची/नव प्रदेश । झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के चतरा, पलामू और लातेहार जिला के पंचायत स्तरीय कार्यकताओं की बैठक रांची के हरमू स्थित सोहराई भवन में शनिवार को हुई पार्टी के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने बैठक में आए कार्यकताओं के मन में राज्य की लोक कल्याणकारी योजनाओं के सम्बन्ध में उठ रहे जिज्ञासाओं को शांत किया और संगठन की मजबूती के लिए बूथ स्तर पर कार्यक्रम करने की बात कही। पांडेय ने बैठक में राज्य सरकार के जरिये चलाए जा रहे लोक कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार करने का निर्देश नेताओं को दिया। साथ ही सांगठनिक रूप से युद्ध स्तर पर कार्यक्रमों को आयोजित करने को कहा। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ राज्य के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य सुनिश्चित करें। बैठक में चतरा, पलामू और लातेहार जिला के जिला समिति के सभी पदाधिकारी, वर्ग संगठनों के अध्यक्ष एवं सचिव, नगर-महानगर समिति के पदाधिकारी, प्रखंड समिति के पदाधिकारी तथा पंचायत समिति के अध्यक्ष तथा सचिव शामिल हुए।

झारखंड विधानसभा चुनाव के मुद्दे पर पटना में जदयू की बैठक

11 सीटें चिह्नित, भाजपा को प्रस्ताव देने का निर्णय

नव प्रदेश संवाददाता

रांची/पटना : झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भी जनता दल यूनाईटेड की तैयारी शुरू हो गई है। झारखंड जदयू के दिग्गज खीरू महतो सहित जदयू के बिहार-झारखंड के 20 से ज्यादा नेताओं ने शनिवार को बिहार के मुख्यमंत्री और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार के पटना स्थित आवास पर बैठक की। इस बैठक में भारतीय जनता पार्टी के साथ ही झारखंड की विधानसभा सीटों को बांटने का प्राथमिक फैसला हुआ है। बैठक में जदयू की झारखंड राज्य इकाई ने अपनी ओर से 11 सीटों को चिह्नित कर दावा रखा। इन सीटों पर भाजपा के साथ बात करने में कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद संजय झा की अहम भूमिका होगी। झारखंड जदयू अध्यक्ष खीरू महतो ने बताया कि बैठक में झारखंड के दिग्गज नेता सरयू राय के मुद्दे पर भी बात हुई।

कुर्मियों को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल कराने की मांग

मुख्यमंत्री आवास पर हुई बैठक में जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा, मंत्री अशोक चौधरी, मंत्री श्रवण कुमार और राज्यसभा सांसद खीरू महतो समेत कई प्रमुख नेता शामिल हुए। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए राज्यसभा सांसद खीरू महतो ने कहा कि हम भाजपा के साथ गठबंधन में झारखंड विधानसभा चुनाव लड़ने की उम्मीद कर रहे हैं। पार्टी के सर्वोच्च नेता के साथ जिन मुद्दों पर चर्चा हुई उनमें कुर्मियों को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करना भी शामिल था। झारखंड में कुर्मी नेता कुछ समय से मांग उठा रहे थे और आज पश्चिम बंगाल के प्रतिनिधियों ने इसका समर्थन किया। अब हम आगे बढ़ेंगे। इस मुद्दे को संसद में और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के समक्ष उठाया जाएगा।

झारखंड के कुर्मी और कुशवाहा नेताओं के अनुरोध पर बुलाई थी बैठक वहीं जदयू के वरिष्ठ नेता और मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि पार्टी एनडीए के हिस्से के रूप में झारखंड विधानसभा चुनाव लड़ने का इरादा रखती है। सीट-बंटवारे का फॉमूर्ला तय होने के बाद के इस बारे में आगे की बात की जाएगीद्ध उन्होंने कहा कि आज की बैठक झारखंड के कुर्मी और कुशवाहा नेताओं के अनुरोध पर बुलाई गई थी।वह हमारे सीएम से मुलाकात की मांग कर रहे थे।

जमीन कारोबारी कमलेश को ईडी ने कोर्ट में किया पेश, भेजा गया जेल

रांची। ईडी ने गिरफ्तार जमीन कारोबारी कमलेश कुमार को शनिवार को कड़ी सुरक्षा के बीच पीएमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश राजीव रंजन की अदालत में पेश किया। अदालत ने कमलेश कुमार को आठ अगस्त तक के लिए न्यायिक हिरासत में बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार (जेल) भेज दिया। मामले में ईडी की ओर से रिमांड पर लेने के लिए आवेदन दिया गया है। रिमांड पर अदालत सोमवार को सुनवाई करेगी। जमीन घोटाला से जुडे मामले में ईडी ने बीते 21 जून को कमलेश के ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान ईडी ने फ्लैट से एक करोड़ कैश और राइफल की 100 गोलियां बरामद की थीं। इसके बाद ईडी के अधिकारियों के आग्रह पर रांची के कांके थाना में कमलेश के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज करायी गयी थी। ईडी ने कमलेश को पांच समन भेजकर पूछताछ के लिए ईडी कार्यालय बुलाया लेकिन वह ईडी के समक्ष पेश नहीं हुआ था। इसके बाद ईडी ने छठा समन जारी कर 26 जुलाई को दिन के 11 बजे रांची स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में हाजिर होने को कहा था। कमलेश कुमार शुक्रवार की दोपहर एयरपोर्ट रोड स्थित ईडी ऑफिस पहुंचा। ईडी ने उससे पूछताछ की लेकिन कमलेश ईडी के सवाल का स्पष्ट रूप से जवाब नहीं दे सका। इसके बाद ईडी ने कमलेश को देर रात गिरफ्तार कर लिया था।

राज्य सरकार वोट बैंक के लिए घुसपैठियों को दे रही बढ़ावा : लोबिन हेम्ब्रम

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। झामुमो के पूर्व विधायक लोबिन हेम्ब्रम ने विधानसभा की सदस्या खत्म किए जाने पर मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने कहा कि झारखंड में लोकतंत्र की हत्या हुई है। उनकी सदस्यता जानबूझकर स्पीकर के माध्यम से पार्टी के लोगों ने समाप्त करा दी है। इससे मैं विचलित होने वाला नहीं हूं। उन्होंने कहा कि संथाल परगना में घुसपैठ हुई है। राज्य सरकार वोट बैंक के लिए घुसपैठियों को बढ़ावा दे रही है।

हेम्ब्रम शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र शुरू होने से कुछ घंटे पहले उनकी सदस्यता समाप्त कर दी गई है। ऐसे में उनके द्वारा उठाए गए जनहित के सवालों का जवाब कौन देगा? साथ ही कहा कि झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। उन्हें पूरा विश्वास है कि चालू सदन में उन्हें सवाल उठाने का मौका मिलेगा।

राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि झारखंड लेबर सप्लाई स्टेट बन गया है। आदिवासी रोजगार के लिए पलायन कर रहे हैं। लोगों का सरकार पर से विश्वास उठ गया है। चुनाव लड़ने के बारे में उन्होंने कहा कि समय आने पर बताऊंगा। एक सवाल के जवाब में लोबिन हेम्ब्रम ने कहा कि वे चुनाव जरूर लड़ेंगे। किस पार्टी से चुनाव लड़ेंगे, इसका खुलासा समय आने पर करूंगा।

उल्लेखनीय है कि 25 जुलाई को बोरियो से झामुमो विधायक लोबिन हेंब्रम और मांडू से भाजपा विधायक जेपी पटेल संविधान की 10वीं अनुसूची के तहत दल-बदल के दोषी पाए गए थे। दोनों विधायकों को पार्टी लाइन के खिलाफ गतिविधि में दोषी करार दिया गया था। इस आलोक में झारखंड विधानसभा के स्पीकर रवींद्रनाथ महतो ने फैसला सुनाते हुए दोनों विधायकों की सदस्यता रद्द कर दी थी।

खेलगांव में सेना भर्ती रैली के पहले दिन 500 युवाओं ने दिखाया दमखम

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। अग्निवीर टेक्निकल और ऑफिस असिस्टेंट के लिए झारखंड के सभी शॉर्ट लिस्टेड उम्मीदवार और जूनियर कमीशन अधिकारी (धर्म शिक्षक) के लिए खेलागांव के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में सेना भर्ती रैली की शुरूआत शनिवार को हुई। सभी श्रेणियों में लगभग 500 युवाओं ने अपना दमखम दिखाया।

रात 12.30 बजे सभी उम्मीदवारों को खेलागांव परिसर में इंट्री दी गयी। इसके बाद सभी उम्मीदवारों के एडमिट कार्ड और अन्य जरूरी दस्तावेजों की जांच की गयी। सेना के प्रतिनिधियों ने सभी अभ्यर्थियों को भर्ती प्रक्रिया के बारे में बताया। इस प्रक्रिया के बाद अलग-अलग बैच बनाये गये। सभी बैच के उम्मीदवारों ने 1.6 किमी दौड़ में हिस्सा लिया। दौड़ में अभ्यर्थियों के प्रदर्शन के आधार पर उनकी शारीरिक क्षमता का मूल्यांकन किया गया। दौड़ में सफल अभ्यर्थियों को बीम, जिग-जैग बैलेंस और नौ फुट खड्डे को पार करना होता है। इस प्रक्रिया के बाद

अभ्यर्थियों के शारीरिक मापदंडों का मूल्यांकन और दस्तावेजों की गहनता से जांच की जाती है। मेडिकल टेस्ट में सफल उम्मीदवारों का अंतिम मेरिट लिस्ट के आधार पर सेना में चयन होता है।

अभ्यर्थियों ने भर्ती प्रक्रिया के लिए व्यवस्थाओं को सराहा

जिला प्रशासन के प्रयासों से बेहतरीन और उच्च स्तरीय ग्राउंड सेना रैली भर्ती के लिए मुहैया करवाया गया। ग्राउंड में बारिश से बचने के लिए सभी प्रकार की व्यवस्थाएं की गयी थी। रैली स्थल पर जिला प्रशासन के सहयोग से किये गये उचित प्रबंधों की उम्मीदवारों ने खूब सराहना की। अभ्यर्थियों ने रैली के रनिंग ट्रैक और तमाम सभी व्यवस्थाओं को भी सराहा। उम्मीदवारों ने भर्ती प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों और सैन्यकर्मियों के व्यवहार की भी सराहना की।

उपमहानिदेशक ब्रिगेडियर ने भर्ती स्थल का लिया जायजा

क्षेत्रीय भर्ती मुख्यालय, दानापुर के भर्ती उपमहानिदेशक ब्रिगेडियर मुकेश गुरुंग ने भर्ती रैली स्थल का जायजा लिया। उन्होंने सेना बहाली की संपूर्ण चयन प्रक्रिया और रैली स्थल पर अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए की गयी तमाम व्यवस्थाओं को देखा। उन्होंने सेना भर्ती रैली स्थल में तैनात सैन्य अधिकारियों और जवानों को सेना बहाली को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए जरूरी दिशा-निर्देश भी दिये। उल्लेखनीय है कि 28 जुलाई को अग्निवीर ट्रेड्समैन आठवीं और दसवीं श्रेणी के लिए झारखंड राज्य के सभी जिलों के शॉर्टलिस्टेड उम्मीदवार होंगे सेना बहाली में शामिल।

एक नजर

संजय सेठ ने धीरेंद्र शास्त्री से लिया आशीर्वाद

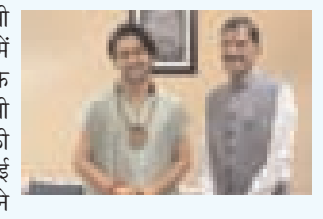

रांची/नव प्रदेश । रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने नई दिल्ली में शनिवार को बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री से मुलाकात की। यह उनकी औपचारिक मुलाकात बताई गई है। मुलाकात के दौरान सेठ ने उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

एनसीसी कैडेटों के नामांकन के लिए 29 से जमा होगा आवेदन

रांची/नव प्रदेश । झारखंड नौसेना एनसीसी इकाई के जरिये 11 अगस्त को एनसीसी कैडेटों के नामांकन के लिए परीक्षा का आयोजन संत जोन्स प्लस टू विद्यालय रांची में किया जाएगा। इसके लिए प्रतिभागी झारखंड नौसेना एनसीसी इकाई के कार्यालय से आवेदन प्राप्त कर सकते हैं। 29 जुलाई से नौ अगस्त तक आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि है।

चेक बाउंस के दोषी को चार माह की सजा और 70 हजार जुर्माना

रांची/नव प्रदेश । ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट दिव्या राघव की अदालत ने शनिवार को चेक बाउंस के दोषी अर्जुन प्रसाद यादव को चार महीने की सजा और 70 हजार का जुमार्ना लगाया। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि जुमार्ना की राशि उस पीड़ित को दी जायेगी, जिसे अर्जुन ने चेक दिया था, जो बाउंस हो गया। अर्जुन प्रसाद यादव ने अजय जैन को पैसों के भुगतान के लिए 50 हजार का चेक दिया था, जो बाउंस कर गया था। इसके बाद अजय जैन ने कोर्ट की शरण ली थी। अजय जैन ने सिविल कोर्ट में कंप्लेंट केस दर्ज करवाया था। अजय जैन की ओर से अधिवक्ता अनंत कुमार विज ने बहस की।

पूर्व मंत्री आलमगीर आलम की जमानत याचिका पर सुनवाई तीन को

रांची/नव प्रदेश । टेंडर कमीशन मामले में पूर्व मंत्री आलमगीर आलम की जमानत याचिका पर शनिवार को पीएमएलए के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में सुनवाई हुई। मामले में पूर्व मंत्री आलमगीर आलम की ओर से दिल्ली के दो अधिवक्ता जमानत पर बहस करने पहुंचे थे। साथ ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ईडी के जोजेफ हुसैन जुड़ गये थे। इसी दौरान रांची जिला बार एसोसिएशन के सचिव पहुंचे और कहा कि जब कंडोलेंस है तो सुनवाई कैसे हो रही है। इसके बाद मामले में सुनवाई की अगली तिथि तीन अगस्त निर्धारित की गई है। टेंडर कमीशन से प्राप्त बड़ी रकम का मनी लांड्रिंग करने के आरोप में पूर्व मंत्री आलमगीर आलम जेल में बंद हैं। आलमगीर आलम की गिरफ्तारी के 64 दिनों बाद चार्जशीट दाखिल हुई थी। इसके बाद उन्होंने जमानत की गुहार लगायी है। ईडी ने उनको 15 मई को गिरफ्तार किया था। तब से वह जेल में हैं। यह गिरफ्तारी उनके पीएस संजीव कुमार लाल एवं उसका नौकर जहांगीर आलम के यहां से मिले 32.30 करोड़ रुपये नकद बरामद होने के मामले में किया गया है। गिरफ्तारी के बाद ईडी ने पुलिस रिमांड पर लेकर लगातार 14 दिनों तक पूछताछ की थी। इस मामले में इडी ने चार जुलाई को चार्जशीट दाखिल की है। इसी मामले में ग्रामीण विकास विभाग के निलंबित चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम सहित अन्य आरोपित जेल में हैं।

डीजीपी से भाकपा, राजद और कांग्रेस के नेताओं ने की मुलाकात

रांची/नव प्रदेश । भाकपा के राज्य कार्यकारणी सदस्य सह जिला मंत्री अजय सिंह और राजद के राजेश यादव एवं कांग्रेस के योगेंद्र बेनी ने पुलिस मुख्यालय में झारखंड के नए डीजीपी अनुराग गुप्ता से शनिवार को मुलाकात की। तीनों नेताओं ने डीजीपी को गुलदस्ता भेंट कर डीजीपी बनने पर बधाई दी। साथ ही उनसे आग्रह किया की पूरे राज्य में कानून व्यवस्था मजबूत और अपराधियों पर नकेल कसे। झारखंड में आपराधिक घटनाओं में सबसे अधिक जमीन विवाद को लेकर है। भू-माफियाओं के कारण होती है। इसलिए जमीन दलालों और भू-माफियाओं को पुलिस संरक्षण न मिले। लोगों को थाने में पहुंचने पर सुरक्षा का अहसास हो। डीजीपी ने आश्वस्त किया की मेरे कार्यकाल में इस तरह की शिकायत नहीं मिलेगी।

लूट मामले में तीन दोषियों को पांच-पांच साल की सजा

रांची/नव प्रदेश । अपर न्यायायुक्त अमित शेखर की कोर्ट ने लालपुर में एसबीआई बैंक और जेवर दुकान में हुई लूटकांड मामले में तीन दोषियों को गौतम रविदास, संजय राम और राजू पांडे को अदालत ने शनिवार को 5-5 साल की सजा सुनाई है। साथ ही सभी पर 15-15 हजार का जुमार्ना भी लगाया है। जुमार्ना नहीं देने पर सभी को नौ माह की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। उल्लेखनीय है कि सभी आरोपितों की गिरफ्तारी रातु थाना के द्वारा की गई थी और मामले में प्राथमिकी भी रातु थाना में ही दर्ज की गई थी।

सीनियर योगासन प्रतियोगिता आयोजित

रांची/नव प्रदेश : रांची जिला योग संघ के तत्वावधान में दो दिवसीय रांची जिला योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप गुरु गोविंद सिंह स्कूल कमड़े में शुरू हुआ। प्रतियोगिता के पहले दिन सीनियर ग्रुप की प्रतियोगिता आयोजित की गई। गुरु गोविंद सिंह स्कूल की प्राचार्य श्रीमती शालिनी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। प्रतियोगिता का सीनियर आयु वर्गों में 100 से ऊपर प्रतिभागियों ने अपने-अपने वर्गों में योग का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दूसरे दिन जूनियर वर्ग की प्रतियोगिता प्रातः 9:00 बजे से शुरू होगी और टाइटल स्पर्धा अपराह्न 3:00 बजे तथा पुरस्कार वितरण समारोह अपराह्न 4:00 बजे आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता के पहले दिन डॉक्टर पी के मित्रा, सुशांत भट्ट, संजय कुमार झा, पंकज प्रसाद, रजनी बक्शी, आदित्य कुमार सिंह, सुशीत बनर्जी, श्रीमती रीमा वर्मा, रमेश कुमार, सिंधु कुमारी, निक्की रानी, वंदना कुमारी, कुमारी सृजन, शुभम कुमार, भवानी कुमार सहित रांची जिला योग संघ के रेफरी एवं सदस्य उपस्थित थे।

हेपेटाइटिस-बी और सी होती है क्रोनिक, बेहतर इलाज जरूरी: डॉ. संगीत सौरभ

नवप्रदेश संवाददाता

रांची : हेपेटाइटिस, लिवर को गंभीर रूप से प्रभावित करने वाली संक्रामक बीमारियों में से एक है। मानसून के दिनों में इसका खतरा और भी बढ़ जाता है। बारिश के मौसम में दूषित पानी और भोजन के सेवन के कारण बड़ी संख्या में हेपेटाइटिस संक्रमण के मामलों का निदान किया जाता रहा है। हेपेटाइटिस की समस्या लिवर में सूजन का कारण बनती है। संक्रमितों में लिवर डेमैज, लिवर फेलियर, सिरोसिस, लिवर कैंसर या मृत्यु का भी खतरा हो सकता है। हेपेटाइटिस के बारे में वैश्विक जागरूकता बढ़ाने और इस रोग से बचाव को लेकर लोगों को शिक्षित करने के उद्देश्य से हर साल 28 जुलाई को विश्व हेपेटाइटिस दिवस मनाया जाता है। मेदांता हॉस्पिटल, रांची के पेट एवं लिवर रोग विशेषज्ञ डॉ. संगीत सौरभ ने हेपेटाइटिस दिवस पे बताया।

मेदांता अब्दुर रज्जाक अंसारी मेमोरियल वीवर्स हॉस्पिटल, रांची के डॉक्टर संगीत सौरभ ने बताया हेपेटाइटिस-बी और सी का सही समय पर पहचान हो जाए तो मरीज की जान बचाई जा सकती है। यह क्रोनिक हेपेटाइटिस माने जाते हैं। अब बेहतर इलाज से मरीज लंबा जीवन जी सकता है। लेकिन अगर इलाज न मिले तो मरीज की जान भी जा सकती है। इसलिए हेपेटाइटिस को लेकर हमारे समाज में जागरूकता जरूरी है। यह बात शनिवार को मेदांता अब्दुर रज्जाक अंसारी मेमोरियल वीवर्स हॉस्पिटल, रांची के पेट एवं लिवर रोग विशेषज्ञ डॉ. संगीत सौरभ ने कही। वे विश्व हेपेटाइटिस दिवस की पूर्व संध्या पर मीडिया से अपनी बातें रख रहे थे।

इलाज में लापरवाही से हो सकता है लिवर सिरोसिस

मेदांता हॉस्पिटल, रांची के पेट एवं लिवर रोग विशेषज्ञ डॉ. संगीत सौरभ कहते हैं कि क्रोनिक हेपेटाइटिस मुख्यतः हेपेटाइटिस-बी और हेपेटाइटिस-सी होता है। यह वायरस की वजह से होता है। इसका समय पर इलाज नहीं होने से या लापरवाही बरतने से यह लिवर सिरोसिस का रूप ले सकता है। इससे मरीजो में लिवर कैंसर होने का भी खतरा होता है। हेपेटाइटिस-बी और सी के इलाज के लिए अब बेहतर दवाएं आ चुकी हैं जिससे इस बीमारी पर नियंत्रण पाया जा सकता है। इसलिए लक्षण दिखते ही अच्छे डॉक्टर से मिलकर जांच और इलाज करवाएं। हेपेटाइटिस-बी वायरस मुख्यतः संक्रमित खून और असुरक्षित यौन संबंध की वजह से होता है। यदि परिवार में किसी को हो जाए तो संक्रमण का खतरा बना रहता है। ऐसे में सावधानी बरतने की जरुरत होती है।

शुरूआती लक्षण सामान्य गैस्ट्रिक बीमारियों की तरह होते हैं

हेपेटाइटिस-बी संक्रमण के शुरूआती लक्षण सामान्य गैस्ट्रिक बीमारियों की तरह होते हैं, जिससे इसकी पहचान करना मुश्किल हो जाता है। इसके लक्षणों में भूख न लगना, पेट का फूलना एवं दर्द होना, वजन का कम होना आदि शामिल है। कुछ लोगों में बुखार जैसे लक्षण भी दिखते है। जब भी इस प्रकार की समस्या हो तो अच्छे डॉक्टर से संपर्क करनी चाहिए। जिससे समय से इसकी जांच और इलाज हो सके। समय रहते इसका इलाज हो जाने से मरीज सामान्य जीवन जी सकता है। उन्होंने कहा कि हेपेटाइटिस-बी की वैक्सीन मौजूद है इसलिए सभी लोगों को यह लगवानी चाहिए। खासकर ऐसे लोग जिनके घर में हेपेटाइटिस-बी संक्रमित व्यक्ति है उनके लिए इस वैक्सीन को लगवाना जरुरी है। यह हेपाटाइटिस-बी से बचाव में बहुत ही कारगर साबित होता है।

Jharkhand Education Project Council
J.S.C.A Stadium Road, Jagannathpur, Sector -3,
Dhurwa, Ranchi - 834004 Phone - 0651-2444502 Fax: 0651-2444506
E-mail: jepcranchi1@gmail.com

E-Tender for Selecting various agencies for the 1. Supply of sports item 2. Installation and management of Canopy / Tent (Including Event Management) 3. Videography and Photography (Including Video and Photo editing) 4. Hiring of Long vehicle (Bus), 5. Printing and installation (Flex , Banner , Hording , etc) under Khelo Jharkhand, Subroto cup, Nehru cup , State Level Tournaments& SGFI National empanelment through rate contract for 3 years.

BID No. SPE/51/25/2024/243

Jharkhand Education Project Council invites online bids through e-tender for Selecting various agencies for the 1. Supply of sports item 2. Installation and management of Canopy / Tent (Including Event Management) 3. Videography and Photography (Including Video and Photo editing) 4. Hiring of Long vehicle (Bus), 5. Printing and installation (Flex , Banner , Hording , etc) under Khelo Jharkhand, Subroto cup, Nehru cup , State Level Tournaments& SGFI National empanelment through rate contract for 3 years.

The complete tender documents can be seen on and downloaded from the websites http://jharkhandtenders.gov.in The cost of tender documents is Rs. 11,800.00 (Eleven thousand eight hundred only). The lists of dates with regard to this invitation for bids are given below:

Sl.no	Details	Start Date	Time	End Date	Time
1.	Online Availability of Bid document	26.07.2024	11:00 am	07.08.2024	6:00 pm
2.	Document Download	26.07.2024	11:00 am	07.08.2024	6:00 pm
3.	Pre Bid Meeting	30.07.2024	11:00 am		
4.	Online Bid Submission	26.07.2024	11:00 am	07.08.2024	6:00 pm
6.	Opening of technical Bid	08.08.2024	11:00 am		
7.	Opening of Financial Bid & Presentation	Announced after the evaluation of technical bid			
8.	Signing of bid Awarding	Announced after the evaluation of financial bid			

Sd/-
(Aditya Ranjan)
State Project Director JEPC, Ranchi

PR.NO.330934 Jharkhand Education Project Council(24-25) D

प्रमंडलीय आयुक्त ने रांची एवं हटिया विधानसभा मतदाता सूची का किया निरीक्षण

सभी पात्र थर्ड जेंडर व सेक्स वर्कर का निबंधन तैयार करने का निर्देश

सभी मतदाता के मतदाता सूची में नाम मिलान करने का निर्देश

विधानसभावार हर घर का सर्वेक्षण कार्य करने का निर्देश

नव प्रदेश संवाददाता

रांची: आयुक्त, दक्षिणी छोटानागपुर, प्रमण्डल, रांची अंजनी कुमार मिश्र ने रांची जिला अंतर्गत रांची विधानसभा एवं हटिया विधानसभा का भ्रमण सह निरीक्षण किया। इसमें दोनों विधानसभा क्षेत्रों के पदाधिकारी, सुपरवाईजर एवं बीएलओ सहित अन्य अधिकारियों को ससमय मतदाता सूची तैयार करने एवं सभी त्रुटियों को दूर करने का निर्देश दिया।

आयुक्त ने कहा कि वैसे मतदाता जिनका मतदाता सूची में पुराने पता एवं नए पता से दो विधानसभा में नाम अंकित है, वैसे मतदाता का नए पता वाला मतदाता पत्र को मान्यता देते हुए पुराने वाले मतदाता पत्र को निरस्त करने की कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

प्रमंडलीय आयुक्त ने अधिकारियों से कहा कि ये सुनिश्चित करें कि आपके विधानसभा में कितने दिव्यांग मतदाता हैं, उनका मत बैलेट पेपर से देने हेतु सूची बनाने का निर्देश दिया एवं निर्वाचन आयोग के दिशानिर्देश के तहत दिव्यांग को मतदान केन्द्र तक लाने की व्यवस्था करने का भी निर्देश आयुक्त द्वारा दिया गया।

आयुक्त ने कहा कि अक्टूबर-नवम्बर में संभावित झारखण्ड विधानसभा का चुनाव-2024 होना है, अतः ऐसे सभी मतदाता जिनकी उम्र अक्टूबर-नवम्बर में 18 वर्ष पूर्ण हो जाएगी उनका नाम मतदाता सूची में जुड़वाने हेतु जागरूक करने का निर्देश दिया गया। साथ ही 85 वर्ष से ज्यादा आयु के मतदाताओं का निबंधन हाउस टू हाउस विजिट संबंधी एवं सभी पात्र थर्ड जेंडर/सेक्स वर्कर का निबंधन करना एवं किसी का नाम किसी कारणवश छुट गया या कट गया उनको भी अपना नाम जुड़वाने हेतु जागरूक करने का निर्देश दिया।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त के सचिव जुल्फिकार अली, आयुक्त के आप्त सचिव अमरेंद्र कुमार, तनवीर अहमद सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

खूंटी में आयुक्त को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया

आयुक्त अंजनी कुमार मिश्र का शनिवार खूंटी निरीक्षण में खूंटी उपायुक्त द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया और जिले में चल रहे मतदाता जागरूकता की जानकारी दी। आयुक्त ने खूंटी जिला के बूथ संख्या 192,197 से 198 का निरीक्षण कर मतदाताओं की जानकारी ली, खूंटी निरीक्षण में राजकीय अनुसूचित जनजाति बालिका विद्यालय कुंडी , तोरपा प्रखंड का भी निरीक्षण कर पदाधिकारी एवं अधिकारियो को मतदाता सूची और मतदान को लेकर कई दिशा निर्देश दिए।

पी.एम. कुसुम योजना अंतर्गत सोलर पम्पसेट वितरण एवं अधिष्ठापन हेतु लाभुकों के चयन हेतु चयन समिति की बैठक आयोजित

सोलर वाटर पम्प सेट हेतु 2131 आवेदन की स्वीकृति

नव प्रदेश संवाददाता

रांची: उपायुक्त रांची, राहुल कुमार सिन्हा द्वारा शनिवार को कार्यालय कक्ष में पी.एम. कुसुम योजना अंतर्गत सोलर पम्पसेट वितरण एवं अधिष्ठापन हेतु लाभुकों के चयन हेतु चयन समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में प्रोजेक्ट डायरेक्टर आई.टी.डी.ए.सह कल्याण पदाधिकारी रांची, संजय कुमार भगत, जिला कृषि पदाधिकारी रांची, राम शंकर सिंह, विद्युत कार्यपालक अभियंता, विद्युत आपूर्ति प्रमंडल रांची, पूर्वी, पश्चिमी, कोकर, कार्यपालक अभियंता लघु सिंचाई प्रमंडल रांची एवं अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नवीन एवं नवीकरणीय उर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) नई दिल्ली, भारत सरकार एवं झारखंड अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (जेआरईडीए) राज्य सरकार द्वारा पी.एम. कुसुम योजना अन्तर्गत राँची जिले में सोलर वाटर पम्प सेट हेतु 2131 (ऑनलाइन आए आवेदन) की स्वीकृति उपायुक्त द्वारा दी गई।

कृषकों के चयन में लघु एवं सीमांत किसानों, जो आर्थिक दृष्टि से कमजोर हैं- वैसे लोगों का चयन करना है।

सोलर पम्प सेट के वितरण हेतु वैसे ही लाभुकों का चयन किया जाना है, जिनके खेत में ग्रिड कनेक्टीविटी की सुविधा नहीं हो। कृषकों के चयन में लघु एवं सीमांत किसानों जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं। माइक्रो एवं ड्रिप इरिगेशन (सिंचाई) से जुड़े किसानों एवं महिला किसानों को प्राथमिकता दी जाती है। उक्त योजना के तहत भी पूर्व की भाँति ही लाभुक अंशदान की राशि 2 एचपी (एसी एंड डीसी), 3 एचपी(एसी एंड डीसी) एवं 5 एचपी (एसी एंड डीसी) के लिए क्रमशः पांच हजार रुपए , सात हजार व दस हजार रूपये मात्र निर्धारित है तथा शेष राशि अनुदान स्वरूप राज्य सरकार द्वारा योजना राशि का 72 प्रतिशत एवं केन्द्र सरकार द्वारा बेंचमार्क राशि का 30 प्रतिशत जो कि योजना राशि का 25 प्रतिशत है, का वहन किया जाना है।

प्रखंडवार आंकड़ा

अनगडा	-	235
बेड़ो	-	412
बुंडू	-	25
बुढ़मू	-	288
चान्हो	-	88
इटकी	-	38
खेलारी	-	95
कांके	-	82
लापुंग	-	86
मांडर	-	179
नगड़ी	-	34
नामकुम	-	85
ओरमांझी	-	64
राहे	-	28
रातु	-	239
सिल्ली	-	105
सोनाहातू	-	42
तमाड़	-	6
कुल	-	**2131**

सदर अस्पताल परिसर में मरीज, असहाय व निर्धन लोगों के बीच भोजन का वितरण

नव प्रदेश संवाददाता

रांची: लायंस क्लब ऑफ रांची ग्लोबल के द्वारा शनिवार को सदर अस्पताल परिसर में मरीज व उनके परिजनों के साथ ही आसपास के असहाय और निर्धन लोगों के बीच भोजन का वितरण किया गया।

इस मौके पर सिविल सर्जन प्रभात कुमार ने शामिल होकर क्लब के प्रयासों की सराहना की। मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित समाजसेवी ओम प्रकाश अग्रवाल ने क्लब के पदाधिकारियों का उत्साहवर्द्धन करते हुए कहा कि नर ही नारायण की सेवा है। जरूरतमंद लोगों के बीच भोजन का वितरण करना सराहनीय प्रयास है। सभी लोगों को इस प्रयास का अनुसरण करना चाहिए। पूर्व जिलापाल कमल अग्रवाल ने क्लब की प्रशंसा करते हुए कहा कि क्लब लगातार सेवा का कार्य करती आ रही है। उन्होंने फूड फॉर हंगर के परमानेंट प्रोजेक्ट करने के लिए विशेष धन्यवाद दिया ।

मालूम हो कि सदर अस्पताल को नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड अवॉर्ड मिलने पर कार्यक्रम से पूर्व क्लब के पदाधिकारियों ने सीविल सर्जन प्रभात कुमार से मिलकर उन्हें बधाई भी दी और अस्पताल प्रबंधन द्वारा जरूरतमंदों को उपलब्ध कराई जा रही उपयुक्त चिकित्सा सेवाओं की प्रशंसा की। क्लब के प्रेसिडेंट अमित शर्मा और चार्टर प्रेसिडेंट शैलेश अग्रवाल ने संयुक्त रूप से अवगत कराया कि क्लब के इस प्रोजेक्ट के पहले चरण में लगभग 400 लोगों के बीच भोजन का वितरण किया गया है। हमारा यह प्रोग्राम प्रत्येक शनिवार को सदर अस्पताल परिसर में होगा। साथ ही उन्होंने व्यवस्था में सहयोग के लिए अस्पताल प्रबंधन और इस प्रोजेक्ट को सफल बनाने के लिए क्लब के सदस्यों और समाजसेवियों के प्रति आभार जताया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में सचिव मनोज मिश्रा, कोषाध्यक्ष संतोष अग्रवाल, पूर्व जिलापाल कमल जैन, जोनल चेयरमैन रतन अग्रवाल, पीआरओ अल्तमश आलम,पीयूष कुमार व अन्य सदस्य मौजूद थे।

दुष्कर्म के दोषी को चार साल सश्रम की सजा

रांची। अपर न्यायायुक्त अमित शेखर की कोर्ट ने शनिवार को रांची सिविल कोर्ट की सफाई कर्मचारी के साथ दुष्कर्म करने के दोषी संजय सिंह को चार साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई। साथ ही उस पर 10 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया। अदालत ने आदेश में कहा है कि जुमार्ना नहीं देने पर दोषी को छह माह की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। प्राथमिकी के अनुसार संजय सफाई कर्मचारी के साथ अक्सर छेड़छाड़ करता था। एक दिन मौका पाकर उसने उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। इस मामले में पीड़िता ने रांची के कोतवाली थाना में कांड संख्या 90/2020 दर्ज करायी थी।

गेल लि. एवं डाक विभाग के विभिन्न मामलों से संबंधित मामलों की समीक्षा बैठक आयोजित

नव प्रदेश संवाददाता

रांची: उपायुक्त रांची, राहुल कुमार सिन्हा द्वारा शनिवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में गेल लि. एवं डाक विभाग के विभिन्न मामलों से संबंधित मामलों की समीक्षा करते हुए सम्बंधित अधिकारियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये । बैठक में अपर समाहर्ता रांची, रामनारायण सिंह, महाप्रबंधक गेल लिमिटेड, वरिष्ठ डाक अधीक्षक डाकघर रांची मंडल रांची एवं सम्बंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

उपायुक्त रांची, राहुल कुमार सिन्हा द्वारा गेल लिमिटेड से जुड़े मामलों की समीक्षा कि गई। उपायुक्त ने महाप्रबंधक गेल लिमिटेड से विस्तृत जानकारी लेते हुए पूछा, जिसपर उनके द्वारा जानकारी दी गई कि रांची शहर में कई जगह ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य जोर-शोर से चल रहा है। जिस कारण खुदाई का कार्य भी हो रहा है। कई जगह गेल की गैस पाईप लाइन गुजरी है। गैस के रिसाव होने के कारण उन्हें खुदाई की जानकारी पूर्व से दे दी जाए ताकि गेल का पाईप क्षतिग्रस्त ना हो जिससे गैस रिसाव नहीं होगा। उपायुक्त द्वारा सम्बंधित अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा गया कि कोई भी कंपनी अगर खुदाई करती है, तो इसकी जानकारी जिला प्रशासन को देते हुए एनओसी जिला प्रसासन से अवश्य रूप से लें ।

उपायुक्त ने डाक विभाग से सम्बंधित मामले की समीक्षा करते हुए वरिष्ठ डाक अधीक्षक डाकघर, रांची मंडल से जानकारी प्राप्त की ,जिस पर उनके द्वारा बताया गया कि मुख्य डाकघर डोरंडा में ओवर ब्रिज निर्माण में कुछ जमीन मुख्य डाकघर डोरंडा की जा रही है। उपायुक्त द्वारा बताया गया कि उन्हें अन्यत्र जमीन दी जा रही है।

नये रूट मैप के आने से ना सिर्फ.ऑटो या ई रिक्शा चालकों बल्कि पब्लिक को भी होगी परेशानियां : आदित्य विक्रम

नव प्रदेश संवाददाता

रांची: झारखण्ड प्रदेश प्रोफेशनल्स कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सह प्रदेश प्रतिनिधि आदित्य विक्रम जयसवाल ने शनिवार को रातु रोड के पिसका मोड़ के समीप ओटीसी ग्राउंड जाकर वहां एकत्रित सैकडो ऑटो चालकों और ई-रिक्शा चालकों से मुलाकात कर नये रूट मैप के जरिए ऑटो चलने से होने वाली परेशानियों को समझा।

इस मुलाकात के दौरान ऑटो चालकों ने उन्हे बताया कि नये रूट मैप के जरिए ऑटो चलाने से काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा एवं अन्य कई परेशानियां भी होंगी। उन्होंने कुछ नए टेम्पो स्टैंड व पुराने परमिट सिस्टम को जारी रखने की मांग की है।

मौके पर आदित्य विक्रम जयसवाल ने ऑटो चालकों की परेशानियों को सुनने के बाद कहा कि मुख्यतः निगम द्वारा लागू होने जा रही रूट मैप रोड परमिट सिस्टम के खिलाफ वे काफी आक्रोशित हैं एवं उससे पीड़ित नजर आ रहे है। उन्होंने बताया कि उनकी दूसरी परेशानी यह थी कि बिना टेम्पो स्टैंड के निगम द्वारा नियुक्त ठेकेदारों द्वारा अवैध टोकन वसूली की जा रही है व नहीं देने पर टोकन लेने वाले मारपीट भी करते हैं। उनकी मांग थी कि जहां टेम्पो स्टैंड ना हो वहां टोकन ना काटा जाए इससे उनके आमदनी पर भी काफी असर हो रही है। पूर्व के तरह शहर में जैसे 20 किलोमीटर के दायरे में ऑटो या ई रिक्शा चलाने की अनुमति एवं परमिट दी गई थी, वो वापस लागू की जाए , जिससे पब्लिक को भी बार बार ऑटो बदलकर परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा और वे एक जगह से ऑटो बुक कर कही भी जा सकते हैं। मौके पर डॉ रीमा खलखो,अनिल सिंह, पप्पू सिंह, बानेश्वर मुंडा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

अपना कार्य अच्छे तरीके के करके भी देश की सेवा कर सकते हैं: चंदन झा

नव प्रदेश संवाददाता

रांची: केंद्रीय संचार ब्यूरो, प्रादेशिक कार्यालय रांची द्वारा कारगिल विजय दिवस की रजत जयंती के अवसर पर डोरंडा कॉलेज में लगाई गई दो दिवसीय चित्र प्रदर्शनी का समापन सह पुरस्कार वितरण शनिवार को हुआ।

इस समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित स्पेशल ब्रांच के पुलिस अधीक्षक चंदन झा ने कहा कि कारगिल की लड़ाई काफी मुश्किल क्षेत्र में लड़ी गई थी। आज का दिन उन सैनिकों और परिवारजनों के प्रति सम्मान व्यक्त करने का है। हम अपना कार्य अच्छे तरीके के करके भी देश की सेवा कर सकते हैं। सैनिकों और देश के प्रति सम्मान की भावना रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रदर्शनी का आयोजन विद्यार्थियों के लिए काफी लाभप्रद है।

इस मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए डोरंडा महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राजकुमार शर्मा ने कहा कि इस तरह की प्रदर्शनी से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व में विकास होता है। यहां झारखंड सहित देश पर मरने मिटने वालों की जीवनी दर्शायी गई है, इससे विद्यार्थियों को प्रेरित होने की आवश्यकता है। आप सभी अपने देश की रक्षा समाज को विकसित करके भी कर सकते हैं। आज का दौर मानसिक क्षमता को बढ़ाने का है, ज्ञान से ही मानव जाति का कल्याण किया जा सकता है।

गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्डधारी एवं संत जेवियर स्कूल के कंपयूटर शिक्षक संतोष कुमार ने कहा कि 25 साल पहले भारतीय सेना अदम्य साहस का परिचय देते हुए घुसपैठियों को खदेड़ दिया था, इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने से विद्यार्थियों में देशभक्ति की भावना का विकास होगा।

झारखंड केंद्रीय विश्विवद्यालय के परफॉर्मिंग आर्ट्स के शिक्षक प्रो. शाकिर तसनीम ने कहा कि हम सभी यहां अपने देश के इतिहास की एक महत्वपूर्ण घटना कारगिल विजय दिवस को याद करने के लिए इकट्ठा हुए हैं। 1999 के कारगिल युद्ध में भारतीय सशस्त्र बलों ने अपने साहस , बलिदान और पराक्रम का परिचय देते हुए देश की संप्रभुता की रक्षा की। यह युद्ध भारत के सैन्य इतिहास में एक मील का पत्थर साबित हुआ । साथ ही साथ यह युद्ध हमारे सैनिकों की अदम्य साहस और बहादुरी का प्रमाण भी था। समारोह को डोरंडा महाविद्यालय की इतिहास शिक्षक डॉ मंजू मिंज एवं जौहर एकेडमी की श्रीमती नाजिया ने भी संबोधित किया।

इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि एवं अन्य आमंत्रित अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्जवलन से की गई, इसके उपरांत सभी का शॉल, मोमेंटो, पौधा देकर सम्मान किया गया। इसके पश्चात केंद्रीय संचार ब्यूरो रांची के कार्यालय प्रमुख श्री शाहिद रहमान ने विषय प्रवेश कराते हुए सभी अतिथितयों का स्वागत किया। मंच संचालन डोरंडा महाविद्यालय की शिक्षिका डॉ सुप्रिया ने किया।

पुरस्कृत हुए विभिन्न प्रतियोगिताओं के प्रतिभागी

प्रदर्शनी स्थल पर रंगोली, पेंटिंग्स, भाषण आदि प्रतियोगिताओं का अयोजन किया गया जिसमें विभिन्न स्कूलों के प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। सभी प्रतियोगिताओं के प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ स्थान पर आए प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों के द्वारा पुरस्कृत किया गया। सभी पुरस्कृत प्रतिभागियों ने सेल्फी बूथ पर खुशी जाहिर करते हुए सेल्फी भी ली। पुरस्कार वितरण के पश्चात बीएड कॉलेज के विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया।

आधार और इंडिया पोस्ट का स्टॉल लगा

प्रदर्शनी स्थल के समीप आधार क्षेत्रीय कार्यालय के द्वारा आधार अपडेशन स्टॉल भी लगाया गया था। वहीं दूसरी ओर इंडिया पोस्ट द्वारा दुर्लभ डाक टिकटों से संबंधित मिनी प्रदर्शनी लगाई गई थी।

आयोजन के समन्वय में केंद्रीय संचार ब्यूरो रांची के शफीक आलम, खुर्शीद आलम, ओमप्रकाश राय, हरि उरांव, आकाश कुमार, सुश्री रेखा कुमारी ने सराहनीय भूमिका निभाई। इस मौके पर डोरंडा कॉलेज के सभी शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी भी मौजूद रहे।

एक नजर

अग्रवाल सभा का चुनाव आज

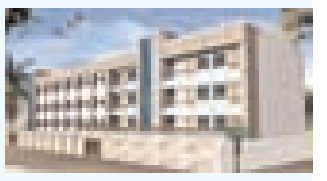

अग्रसेन भवन मे 31 कार्यकारिणी सदस्यों का होगा चुनाव

रांची/नवप्रदेश: अग्रवाल सभा रांची की वार्षिक आम सभा व नए सत्र- 2024- 26 के लिए कार्यकारिणी सदस्यों का चुनाव 28 जुलाई यानि आज महाराजा अग्रसेन भवन में होगा। चुनाव के निर्वाचन पदाधिकारी सुरेश चंद्र अग्रवाल एवं सह निर्वाचन पदाधिकारी अशोक कुमार नारसरिया ने बताया कि आज होने वाले अग्रवाल सभा के नए सत्र के चुनाव की तैयारीयां पूरी कर ली गई है। मतदान पूर्वाह्न 11 बजे से संध्या 4 बजे तक महाराजा अग्रसेन भवन में होगा। उन्होंने बताया कि सभी 38 प्रत्याशियों की अंतिम सूची क्रमांक संख्या के साथ जारी कर दी गई है। कुल 2455 मतदाता अग्रवाल सभा के नये सत्र- 2024-26 के लिए 31 कार्यकारिणी सदस्यों चयन करेंगे। मतदाताओं द्वारा 31 सदस्यों को मत देना अनिवार्य होगा। सभी मतदाताओं को 31 उम्मीदवार पर चिन्ह टीक मार्क लगाना अनिवार्य है। कम या अधिक टीक मार्क लगाने या कट छंट करने पर मतपत्र अवैध घोषित कर दिया जाएगा। मतदान स्थल पर रखे पेन से ही टीक मार्क करना अनिवार्य है। सभी मतदाताओं को भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त फोटो युक्त पहचान पत्र लाना अनिवार्य है। वहीं मतदान के पूर्व पूर्वाह्न 10 बजे वार्षिक आम- सभा होगा। उन्होंने सभी सदस्यों से आग्रह किया है कि अधिक से अधिक संख्या में आम सभा एवं मतदान में भाग ले। उक्त जानकारी अग्रवाल सभा के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी ने दी।

राज्य स्तरीय असंगठित व प्रवासी श्रमिको की बैठक

रांची/नवप्रदेश: भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी प्रदेश कार्यालय झारखण्ड में राज्य स्तरीय असंगठित एवम प्रवासी श्रमिको की बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष आर गीता के नेतृत्व में आयोजित की गई। इस बैठक में आर गीता ने कहीं कि आज मजदूर का हालात पहले से काफी दिक्कतों से गुजरना पड़ रहा है, पहले की सरकारे मजदूरो के हित में निर्णय लेती थी और बजट में भी प्रावधान रहता था लेकिन अब मजदूरों को अपने भाग्य पर छोड़ दिया गया है। इस बैठक में मुख्य रूप से राज्य में असंगठित श्रमिक के दशा एवं दिशा पर चर्चा करना चाहिए ,दूसरा श्रम संहिता और संगठित श्रमिकों पर उसका प्रभाव, तीसरा असंगठित श्रमिकों की मुख्य श्रम मांगे व चौथा भविष्य की कार्य योजना पर चर्चा करने के उद्देश्य से बैठक की गई है। इस बैठक में राज्य के सात जिलों जमशेदपुर, रांची, गिरिडीह, कोडरमा , हजारीबाग, गुमला, सिमडेगा जिलों के श्रमिकों के बीच काम करने वाले 35 भाइयों व बहनों की भागीदारी हुई । चर्चा के उपरांत सभी उपस्थित सभी प्रतिनिधियों के बीच 14 सूत्री मांगों पर चर्चा कर 8 अगस्त 2024 को राज्य स्तरीय कार्यक्रम लेने का निर्णय लिया गया । इसके लिए सर्व सम्मति से एक राज्य स्तरीय कोर समिति का गठन किया गया है,जिसमें दिनेश सोनी, अल्वेट, अंशु, सिंधु, नेहा, रामस्वरुप , सचिदा कोशालशायद, विकास शामिल हैं।

चैती दुर्गा मंदिर में भोग का वितरण

रांची/नवप्रदेश: श्री चैती दुर्गा मंदिर,भुताहा तालाब में प्रत्येक शनिवार की तरह इस शनिवार को भी भोग वितरण किया गया। जिसमें काफी संख्या में भक्तों ने भंडारे का महाप्रसाद ग्रहण किया। इस भोग वितरण कार्यक्रम में मुख्य रूप से महासमिति के अध्यक्ष शंकर दुबे,मुख्य संरक्षक किशोर साहू, रमेश सिंह, महामंत्री गोपाल पारीक, कोषाध्यक्ष संजय सिंह (लल्लू सिंह), पूर्व पार्षद आशा देवी, राहुल सिंह, नमन भारतीय, राहुल रजक, संजय तिवारी, करण सिंह, मोहित रजक, आयुष रजक (पवन), आकाश रजक, अर्जुन सिंह, रोहन सिंह, आशीष रजक,अभिषेक रजक(बाबू),प्रियांशु वर्मा, सौरभ रजक, शेखर रजक, आयुष वर्मा, यश वर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

सभी मतदान केन्द्रों पर आज एक विशेष कैम्प का आयोजन

रांची/नवप्रदेश: द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 के तहत 63-राँची विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के सभी मतदान केन्द्रों में बी.एल.ओ.के माध्यम से समेकित प्रारूप निर्वाचन नियमावली के प्रकाशन के उपरान्त शनिवार को सभी मतदान केन्द्रों में एक विशेष कैम्प का आयोजन किया गया। कैम्पों का पर्यवेक्षण सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी व सभी अतिरिक्त सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं प्रभारी पदाधिकारी, निर्वाचन शाखा द्वारा मतदान केन्द्र संख्या 31 से 39, 43 से 45, 78 से 88, 162 से 170, तथा 173, 197, 198, 200, एवं 250 से 254 तथा 313 से 334 तक के मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। आज यानि 28 जुलाई 2024 को विशेष अभियान दिवस निर्धारित है। सभी बीएलओ को निर्देशित किया गया है कि वे अनिवार्य रूप से अपने-अपने मतदान केन्द्र में पूर्वाह्न 10.00 बजे से अपराह्न 5.00 बजे तक उपस्थित रहकर सुयोग्य नागरिकों एवं मतदाताओं से प्राप्त प्रपत्र 6,7 एवं 8 का प्रतिवेदन कार्यालय में समर्पित करना सुनिश्चित करें। साथ ही साथ सभी बीएलओ मतदाताओं का सत्यापन करेंगे तथा उनसे अपील करेंगे कि वे अपने-अपने मतदान केन्द्र में आकर अपना नाम का सत्यापन मतदाता सूची देखकर या वोटर हेल्पलाईन के द्वारा करेंगे।

ईस्ट जॉन हॉकी चैंपियनशिप में झारखंड पुरुष टीम ने पश्चिम बंगाल को हराया

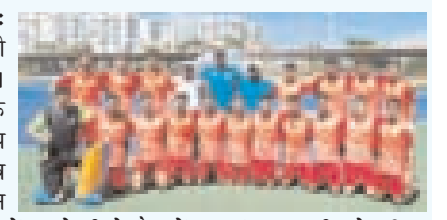

रांची/नवप्रदेश: असम के गुवाहाटी में 24 से 31 जुलाई तक आयोजित द्वितीय हॉकी इंडिया सब जूनियर ईस्ट जॉन हॉकी चैंपियनशिप में अपने तीसरे मैच में झारखंड पुरुष टीम ने पश्चिम बंगाल के ऊपर 9-0 से जीत हासिल की। झारखंड टीम के सिमोन डोडराय को उसके शानदार प्रदर्शन पर शनिवार के मैच में प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। झारखंड टीम की लगातार जीत पर हॉकी झारखंड और खेल विभाग के समस्त पदाधिकारियों ने बधाई तथा अगले मैच के लिए शुभकामनाएं दी है। हॉकी झारखंड के उपाध्यक्ष मनोज कोनबेगी ने यह जानकारी दी।

बीरगोड़ा नदी में बना डायवर्सन टूटने से दर्जनों गांव का संपर्क टूटा

नवप्रदेश संवाददाता

मांडर : बिसाहाखटंगा पचपदा मुख्य पथ पर बीरगोड़ा नदी में पुल निर्माण को लेकर बनाया गया डायवर्सन शनिवार की रात को बारिश में टूट गया. डायवर्सन के टूट जाने से पचपदा, तुतलो नवाटांड़, सरवा, डुमरी सहित दर्जनों गांव का संपर्क प्रखंड मुख्यालय से टूट गया है. अब इन गांव के ग्रामीणों को प्रखंड मुख्यालय तक आने के लिए 10 से 15 किलोमीटर की अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ेगी. डायवर्सन के बह जाने से शनिवार को सबसे अधिक नुकसान नवाटांड़ के हाई स्कूल व मिडिल स्कूल में पढ़ने वाले छात्र छात्राओं को हुआ. जो घर से स्कूल जाने के लिए निकले लेकिन डायवर्सन टूटा देख घर वापस लौट गये. छात्र छात्राओं के अभिभावकों का कहना है कि अगर शीघ्र ही इस डायवर्सन का निर्माण नहीं किया गया तो बच्चों को मंदरो, बखार, कैम्बो, महुआजाड़ी होते हुए 15 से 20 किलोमीटर की अतिरिक्त दूरी तय कर स्कूल जाना होगा जो कि सबके लिए संभव नहीं है. जानकारी के अनुसार बीरगोड़ा नदी में पहले से काफी मजबूत पक्का छलका पुल बना हुआ था. जिसे तोड़कर वहां पर करीब चार करोड़ की लागत से ग्रामीण विकास विभाग की ओर से उच्चस्तरीय पुल का निर्माण कराया जा रहा है. स्वर्णिम कंट्रक्शन द्वारा कराये जा रहे इस पुल का निर्माण अभी प्राथमिक प्रक्रिया में है. स्थानीय ग्रामीण बताते हैं छड़ व पत्थर की लालच में संवेदक के लोगों ने पुराने पुल को तोड़ दिया. जिसका खामियाजा ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है. पुराना पुल रहता तो डायवर्सन बनाने की जरूरत ही नहीं पड़ती. ग्रामीणों के अनुसार डायवर्सन भी काफी कमजोर बनाया गया था जो एक दिन की जोरदार बारिश में टूट गया.

डायवर्सन के टूट जाने को लेकर पुल के निर्माण कार्य से जुड़े कनीय अभियंता साहिल यादव ने कहा कि प्रावधान के अनुसार वहां पर कच्चा डायवर्सन का निर्माण किया गया था. जो भारी बारिश का वेग सह नहीं पाया और बह गया. उस सड़क में आवागमन बाधित न हो इसके लिए संवेदक से बात कर वहां पर नया डायवर्सन बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

श्रद्धालुओं में भगवान भोलेनाथ के प्रति श्रद्धा और भक्ति अद्भुत : चरकु साहु

नवप्रदेश संवाददाता

लापुंग : लापुंग प्रखंड मुख्यालय से शनिवार को देवघर बाबा धाम के लिए श्रद्धालुओं का दूसरा जत्था रवाना हुआ। समाजसेवी चरकु साहु ने बजरंगबली मंदिर थानावली मंदिर से श्रद्धालुओं को रवाना किया। इस मौके पर चरकु साहु ने कहा कि भगवान भोलेनाथ के भक्तों को केवल बाबा बैजनाथ धाम पहुंच जाने और बाबा के दर्शन मात्र से आत्मिक शांति मिलती है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं में भगवान भोलेनाथ के प्रति श्रद्धा और भक्ति अद्भुत है। लापुंग के जत्थे में समाजसेवी सोनू साहु, अमित साहु, रतन साहु, महेश साहु, भीम साहु, पंकज साहु , कुलदीप साहु सुशील साहु एवं सुधांशु साहु शामिल हैं। रवाना होने से पहले श्रद्धालुओं के जत्थे ने बजरंगबली मंदिर में माथा टेका और विधिवत पूजा अर्चना की। इस मौके पर हर हर महादेव, बोल बम, ताड़क बम, भोला बाबा पार करेगा जैसे जयघोष गुंजायमान हो उठा। इसके पूर्व कातिंगकेला गलगली बाबा धाम से श्रद्धालुओं का पहला जत्था रवाना हुआ था। खिलेश्वर सिंह खेरवार के नेतृत्व में पिछले दिनों जत्था रवाना हुआ था।

एक नजर

विज्ञान सह हस्तकला प्रदर्शनी का आयोजन

अनगड़ा/नव प्रदेश। संत मेरीस स्कूल गेतलसूद में शनिवार को विज्ञान सह हस्तकला प्रदर्शनी का आयोजन हुआ। इसमें विद्यार्थियों ने विज्ञान सह हस्तकला प्रदर्शनी लगाया। उद्घाटन प्रिंसिपल सिस्टर निर्मला व ग्रामप्रधान बालेश्वर बेदिया ने संयुक्त रूप से किया। विज्ञान प्रदर्शनी में सोलर सिस्टम, वायुमंडलीय परत, स्मार्ट एग्रीकल्चर व स्मार्ट सिटी, देशी कूलर, जल चक्र, वर्षा जल शुद्धिकरण व मानव ह्रदय का माडल प्रस्तुत किया। जबकी हस्तकला में बच्चों ने रूमाल, फोटो, फ्रेम, कुशन, वाल हेंगिग, गुड़िया व आकर्षण फूलों से भरा गमला की प्रदर्शनी लगाया। सिस्टर निर्मला ने कहा कि आज का युग विज्ञान का युग है वैज्ञानिक सोच, अभिरुचि व विज्ञान प्रदर्शनी का महत्वपूर्ण योगदान है इसमें छात्रों में प्रतिस्पर्धा की भावना के साथ वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास होता है। श्रेष्ठ माडल व हस्तकला को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर वंशीधर, सुनील गोस्वामी, अंजला किरण रूंडा, आलमा, अनिल, अमन, मरियालो, सिस्टर प्रमिला, मनोज बेदिया, हरिलाल बेदिया, लगनू बेदिया, सुनीता देवी, मालती देवी, सूरज बेदिया आदि शिक्षक व अभिभावक उपस्थित थे।

ट्रेन से गिरकर खूंटी का युवक गंभीर रूप से घायल

अनगड़ा/नव प्रदेश। चलती ट्रेन से गिरकर एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक की पहचान खूंटी जिला के मुरहू थाना के बियना निवासी अमित प्रधान के रूप में की गई है। दुर्घटना हेसलाबेड़ा से गंगाघाट रेलवे स्टेशन के बीच शनिवार को दिन के करीब 11 बजे हुआ। अमित जम्मू-तावी ट्रेन में सफर कर रहा था। वह टीटीई के कहने पर स्लीपर से जेनरल बोगी जा रहा था इसी दौरान असंतुलित होकर ट्रेन से गिर गया। गिरने के साथ ही वह बेहोश हो गया । काफी देर बाद होश आने पर वह किसी तरह लड़खड़ाते हुए बोंगईबेड़ा पंचायत सचिवालय पहुंचकर घटना की जानकारी वहां उपस्थित मुखिया हिरदू उरांव, अशोक उरांव, समाजसेवी प्रेमनाथ महतो, भुवन महतो, चौकीदार जगदीश महतो को दी। तत्काल 108 एंबुलेंस बुलाकर उसे इलाज के लिए रिम्स भेजा गया। अमित को काफी अंदरूनी चोटें लगी है। वह लगातार कराह रहा था। अपना नाम पता भी उसने काफी मुश्किल से बताया।

भाजपा नेता जैलेंद्र कुमार ने किया सहयोग

अनगड़ा/नव प्रदेश । भाजपा नेता जैलेंद्र कुमार ने शनिवार को सिकिदिरी के ढेलुवा खूंटा निवासी राधा मुंडा के श्राद्धकर्म के लिए खाद्य सामग्री व नगद राशि देकर सहयोग किया है। राधा मुंडा का विगत सप्ताह गंभीर बीमारी से निधन हो गया था। शनिवार को जैलेन्द्र उनके घर जाकर मृतक की पत्नी मैनी देवी व पुत्र बबलू मुंडा को चावल, दाल, तेल, आटा, आलू व अन्य खाद्य सामग्री और नगद राशि सौंपा। मौके पर भाजपा नेता सुजीत सोनी, मंडल महामंत्री सतपाल राउत, ब्रजकिशोर प्रसाद, शशि प्रभा देवी आदि उपस्थित थे।

निबंध में कुमारी जूली और पोस्टर मेकिंग में एमी मड़की बनी विजेता

अनगड़ा/नव प्रदेश। जेडी नेशनल बीएड कालेज अनगड़ा के एनएसएस इकाई के कार्यक्रम पदाधिकारी विनीता कोनगाड़ी के नेतृत्व में प्रतियोगिता आयोजित की गई। यह प्रतियोगिता कारगिल विजय दिवस के अवसर आयोजित किया गया। निबंध प्रतियोगिता व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्राचार्य ड़ॉ अमिताभ सिंह ने कहा कि हमारे देश के जांबाज सैनिकों के बल पर ही हमारे देश की अखंडता और प्रभुता सुरक्षित है और हमें वीर जवानों से प्रेरणा लेकर अपनी मातृभूमि की रक्षा तथा अपने कर्तव्यों की ओर आगे बढ़ना चाहिए। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार कुमारी जूली महतो, द्वितीय पुरस्कार निशा टोप्पो तथा तृतीय पुरस्कार सरस्वती सिंह मुंडा व बून बेंजिल ओड़या को दिया गया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार एमी मड़की, द्वितीय पुरस्कार प्रियंका खलखो और तृतीय पुरस्कार खुशी कुमारी गुप्ता को दिया गया। इस अवसर पर व्याख्याता प्रियंका जायसवाल, सुनीता कुमारी, राजकुमार महतो, डॉक्टर ठाकुर अरुणिमा सिंह, चुमकी राय, रसिकन कांडुलना, अमरजीत कुमार, हीरा लाल यादव, प्रीति प्रिया, इंद्रपाल, जागृति लकड़ा सहित सत्र 2023-25 बीएड प्रथम वर्ष के विद्यार्थी उपस्थित थे।

वज्रपात से दो मवेशी की मौत

बुढ़मू/नव प्रदेश। कांके प्रखंड के बगदा निवासी राथो देवी का एक काड़ा और एक भैस की मौत वज्रपात की चपेट में आने से हो गई। जानकारी के अनुसार दोनों मवेशी घर के बाहर थे इसी दौरान शुक्रवार की देर शाम भारी बारिश के साथ वज्रपात होने से मवेशी वज्रपात की चपेट में आ गये और मौके पर ही दोनों मवेशियों की मौत हो गई। सूचना पाकर मुखिया पूजा किस्पोटा, मदन महतो, नसीबलाल महतो मौके पर पहुंचे और पशुपालन विभाग को सूचित किया गया। शनिवार को भ्रमण चिकित्सा पदाधिकारी तनवीर आलम ने दोनों मवेशियों का पोस्टमार्टम किया। मौके पर मुखिया ने कहा कि पीड़िता किसान को जल्द ही सरकार से मुआवजा दिलाया जाएगा।

ऑक्सफोर्ड स्कूल के विद्यार्थियों ने निकाला कारगिल विजय जुलूस

बुढ़मू /नव प्रदेश: ऑक्सफोर्ड हाईस्कूल आरा के विद्यार्थियों ने शुक्रवार को कारगिल विजय जुलूस निकाला। विजय जुलूस विद्यालय परिसर से आरंभ होकर बुढ़मू बाजार टांड़, चौक होते हुए बुढ़मू थाना परिसर तक गई। इस दौरान कारगिल विजय से संबंधित स्लोगन लेकर चल रहे थे। विद्यार्थी पूरे उत्साह के साथ नारा लगा रहे थे। जुलूस के बाद विद्यालय परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय के निदेशक नरेंद्र कुमार ने कहा कि कारगिल युद्ध में हमारे जवान जमा देने वाली ठंड में पाकिस्तान को पस्त किया था और इस दौरान हमारे कई जवान शहीद हुए थे। 26 जुलाई को हमने कारगिल से पाकिस्तान को भगाया था इसलिए आज के दिन को कारगिल युद्ध में शहीद हुए जवानों के सम्मान में कारगिल दिवस के रूप में मनाया जाता है। आज के दिन टाइगर हिल, प्वाइंट 4875, प्वाइंट 5140 सहित सभी पहाड़ी चोटियों को पाकिस्तानी सेना के कब्जे से मुक्त कराया गया था। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय परिवार का सराहनीय योगदान रहा।

कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय सिल्ली की 108 छात्रों की हुई स्वास्थ्य जांच

सिल्ली/नव प्रदेश: कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय सिल्ली की 108 छात्राओं की स्वास्थ्य की जांच सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिल्ली के चिकित्सा दल के द्वारा की गई। साथ ही छात्राओं की एनिमिया की भी जांच की गई । इसके अलावा चिकित्सीय सलाह एवं परामर्श भी दिया गया । चिकित्सा दल में डॉ विवेक कुमार, डॉ मोनाना आनन्द , एएनएम मंजुड़ा कुमारी एवं नरगिस खातुन, लैब सहायिका पुनम कुमारी आदि शामिल थे । यह जानकारी स्वास्थ्य कर्मियों ने दी ।

डीएवी स्कूल सिल्ली के बच्चों ने 16 स्वर्ण पदक हासिल कर स्कूल का नाम रोशन किया

नवप्रदेश संवाददाता

सिल्ली : एस आर डीएवी पब्लिक स्कूल, पुंदाग एवं हेहल रांची में नेशनल स्पोर्ट्स (क्लस्टर लेवल - 5) का आयोजन किया गया। इसमें वुशु वर्ग -14 , कराटे वर्ग -14 , शतरंज वर्ग -14 , रोप स्किपिंग जैसे प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें डी ए वी महात्मा आनन्द स्वामी पब्लिक स्कूल सिल्ली के बहुत सारे बच्चों ने हिस्सा लिया। वुशु वर्ग -14 प्रतियोगिता में छात्रा आर्य रानी, आरव कुमार साहू तथा आदित्य कुमार ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया । पूजा महतो, रितेश कुमार महतो तथा शुभम चौधरी ने रजत पदक प्राप्त किया। मल्लिका साईं आशूं कुमार साहू, आदित्य देव तथा स्नेहा महतो ने कांस्य पदक जीता । कराटे वर्ग -14 प्रतियोगिता में अहाना मंडल, आयुष्मान शर्मा, मोहम्मद जीशान रजा तथा रुद्र प्रताप महतो ने स्वर्ण पदक जीता। पलक श्रुति, श्रेया चंद, अनुष्का कुमारी, अर्णव मंडल तथा लकी सिंह ने रजत पदक जीता। शगुन सिंह तथा सुजीत कुमार महतो ने कांस्य पदक जीता। रोप स्किपिंग (रस्सी कूद) प्रतियोगिता में पीयूष कुमार महतो , तुषार सिंह मुरा , प्रेम कुमार महतो , देव मुखर्जी, अनुष्का कुमारी, काव्य कुसुम, पूर्वा मुखर्जी तथा प्रियांशी कर ने स्वर्ण पदक जीता । चेस वर्ग -14 प्रतियोगिता में वेदाशं, देवब्रतो, सचिन आदित्य तथा प्रशांत ने कांस्य पदक जीता । प्रतियोगिता में विद्यालय की प्राचार्या बी. शरण , खेल शिक्षक विजय कुमार, शिक्षिका अंसारी शबनम , शिक्षक चितरंजन महतो तथा शशांक शेखर भी उपस्थित थे। यह स्कूल की बहुत ही बड़ी उपलब्धि है । जिसमें बच्चों ने 16 स्वर्ण पदक हासिल कर स्कूल का नाम रोशन किया। स्कूल की प्राचार्या ने सभी बच्चों को अच्छे प्रदर्शन के लिए धन्यवाद एवं बधाइयां दी।

दूसरी झारखंड स्टेट रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप का हुआ शुभारंभ

रांची : दूसरी झारखंड स्टेट रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप का शुक्रवार को शुभारंभ हुआ. प्रतियोगिता का आयोजन रांची के गुरुनानक हायर सेकेंडरी स्कूल में किया जा रहा है. तीन दिवसीय इस चैंपियनशिप का उद्घाटन मुख्य अतिथि जेएससीए के अध्यक्ष संजय सहाय ने किया. वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में स्कूल के प्रेसिडेंट कुलतार सिंह, झारखंड स्टेट टेबल टेनिस एसोसिएशन के मुख्य संरक्षक जय कुमार सिन्हा, अध्यक्ष जितेंद्र सिंह, सचिव समरजीत सिंह मौजूद रहे. इस चैंपियनशिप में झारखंड के 12 जिलों के लगभग 200 प्रतिभागी विभिन्न श्रेणियों में ट्रॉफी उठाने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे. जेएसटीटीए के समर जीत सिंह ने मेहमानों का स्वागत किया. कार्यक्रम के दौरान प्रिंसिपल डॉ. कैप्टन सुमित कौर, स्कूल की वाइस प्रिंसिपल सोनिया कौर, एस. हरमीत सिंह, रांची टेबल टेनिस एसोसिएशन के सचिव सुदीप्ता मुखर्जी समेत विद्यालय के सचिव एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे.

पूर्व राष्ट्रपति डा. एपीजे अब्दुल कलाम की पूण्यतिथि पर नेत्र जांच शिविर का आयोजन

नव प्रदेश संवाददाता

रातू। किसी भी मिशन की सफलता के लिए रचनात्मक नेतृत्व आवश्यक हैं। यह बात बिल्कुल सत्य है। आज हिन्दुस्तान को ऐसे ही वैज्ञानिक की जरूरत है जो बिना किसी स्वार्थ के देशसेवा के लिए रात दिन एक किए रहते थे। हमारे पूर्व राष्ट्रपति डा. एपीजे अब्दुल कलाम ऐसे ही हीरा थे। आज पुरा हिन्दुस्तान युवा पीढ़ी को नई दिशा देने वाले मिसाइल-मैन के नाम से प्रसिद्ध वैज्ञानिक एवं पूर्व राष्ट्रपति भारतरत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की नौवी पूण्यतिथि मना रहा है। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा रांची जिला ग्रामीण के अध्यक्ष इमरान खान के नेतृत्व में शनिवार को सन साइन नर्सिंग होम

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा रातू द्वारा आयोजित कार्यक्रम में तीन सौ मरीजो की जांच

अगडु रातू में मुफ्त नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। नेत्र जांच को लेकर बच्चे,युवा,बुजुर्ग सहित महिलाओ ने भी अपने नेत्र जांच कराकर आवश्यक परामर्श लिए। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष इमरान खान ने कहा भारत रत्न डा. एपीजे अब्दुल कलाम के सिद्धांत, विचार एवं प्रेरणादायी कार्य आनी वाली युवा पीढ़ियों का सदैव मार्गदर्शन करती रहेंगी। इस मौके पर जिला मंत्री नौशाद अंसारी,डाक्टर जावेद,आबिद अंसारी, इरफान अंसारी, परवेज अंसारी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मतदाता अभियान दिवस का आयोजन

रातू। प्रखण्ड के सभी मतदान केंद्रो में शनिवार से दो दिवसीय विशेष मतदाता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बीएलओ ने एक जुलाई 2024 को 18 वर्ष पुरा करने वाले का नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए फार्म भरा। सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी -सह- अंचलाधिकारी रवि कुमार ने क्षेत्र के मतदान केंद्र का निरीक्षण कर कहा कि मतदाता जिनके नाम में त्रुटि, फोटो में त्रुटि के अलावे किसी भी प्रकार की त्रुटियों के समाधान के लिए आवेदक अपना आधार कार्ड और एक फोटो अपने साथ शिविर में लेकर जरूर आएं ताकि उसका समाधान हो सके। वहीं लापरवाही बरतने वाले बीएलओ पर कार्यवाही करने का निर्देश दिया।

खिलाडियों एवं खेल प्रेमियों को प्रोत्साहन करना मेरी प्राथमिकता: डॉ. परमेश्वर भगत

नवप्रदेश संवाददाता

मांडर : शनिवार को पूर्व डीडीसी सह समाजसेवी डॉ परमेश्वर भगत ने मांडर प्रखंड के ग्राम रेगे में दो टीमों के खिलाड़ियों के बीच फुटबॉल एवं जर्सी का वितरण किया। डॉ. परमेश्वर भगत ने खिलाड़ियों को कहा की स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवासी होता है और शरीर को स्वस्थ रखने के लिए खेल कूद जरूरी है। आगे इन्होंने कहा की खेल प्रेमियों को आगे बढ़ाने के लिए उचित व्यवस्था करना और उन्हें प्रोत्साहन करना मेरी प्रथमिकता है। मौके पर बबलू उरांव, अनिल उरांव, अजय उरांव, सोहैल अंसारी, फिरोज अंसारी, उस्मान अंसारी, रंजित उरांव, रोहित उरांव, रमेश उरांव, आकाश उरांव, सजाद अंसारी, हसीब अंसारी, हसन अंसारी, इमरान अंसारी, साहिल अंसारी, हासिम अंसारी, प्रकाश उरांव, अमर उरांव, महावीर उरांव, राम उरांव एवं सुधांशु उरांव मौजूद रहे।

आमिर हुसैन सभी छात्रों के लिए प्रेरणा हैं : प्राचार्या

आर्यन्स ग्रुप ऑफ कॉलेज चंडीगढ़ के ब्रांड एंबेसडर पैरा क्रिकेटर ने गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल का किया दौरा

नवप्रदेश संवाददाता

रातू। पैरा क्रिकेटर व आर्यन्स ग्रुप ऑफ कॉलेजेज के ब्रांड एंबेसडर आमिर हुसैन लोन शनिवार को गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक रांची पहुंचे। स्कूल के छात्रो से मिलते हुए आमिर ने आर्यन्स ग्रुप ऑफ कॉलेजेज के चेयरमैन डॉ. अंशू कटारिया को धन्यवाद दिया।आमिर ने फैकल्टी और छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि खुद पर अपनी क्षमताओं और अपने सपनों पर विश्वास रखें। तब जाकर आपको सफलता मिलेगी। कभी भी नकारात्मक विचार अपने आप ना हावी होने दे तब आप आगे बढ़ते रहेंगें। बच्चों के अनुरोध पर आमिर ने बैटिंग भी कर के दिखाया। प्राचार्या शालिनी विजय ने अतिथियों का स्वागत शॉल दे कर किया। छात्रों के लिए बेहतर सत्र आयोजित करने के लिए प्राचार्या ने डॉ. अंशु कटारिया को धन्यवाद दिया। प्राचार्या शालिनी विजय ने छात्रों को आमिर के जीवन से प्रेरणा लेने को कहा उन्होने कहा कि हौसलो से ही मंजिल मिलती है। सीनियर काउंसलर डॉ एसएस सिंह ने कहा कि ईश्वर पर विश्वास के साथ ही अपनी मेहनत पर भरोसा करना बच्चों को सीखना चाहिए। डॉ. अंशू कटारिया ने कहा कि आमिर न केवल भारत में बल्कि विदेशों में भी लाखों लोगों को प्रेरित कर रहे हैं। हाथ न होने के बावजूद उन्होंने क्रिकेट के प्रति अपने जुनून को कम नहीं होने दिया। इसके लिए सचिन तेंदुलकर और अडानी ग्रुप ने उन्हें सम्मानित भी किया है। उनकी कड़ी मेहनत को देखते हुए आर्यन्स ग्रुप ने निर्णय लिया और उन्हें आर्यन्स का ब्रांड एंबेसडर घोषित किया। मौके पर स्कूल प्रबंधक सहित विद्यार्थी उपस्थित थे।

संत माईकल स्कूल मुरी में ग्रीन डे मनाया गया

नवप्रदेश संवाददाता

सिल्ली: संत माईकल स्कूल मुरी में ग्रीन डे अपार हर्ष और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर वर्ग नर्सरी से वर्ग द्वितीय के छात्रों ने बढ़ चढ़कर कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में बच्चे हरे रंग के परिधान में आए। बच्चे आम, पेड़, अंगूर, हरा मकई, भिंडी, मिर्च, पालक, कद्दू, पपीता, अमरूद आदि परिधान में आए। हरा रंग जो समृद्धि और उर्वरता का प्रतिनिधत्व करता है। इसी विचार के साथ बच्चे जिस परिधान में आए थे उसके बारे में बताए। इस कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका सपना दत्ता ने किया। उन्होंने बच्चों को हरियाली के फायदे के बारे में जागरूक किया। साथ ही साथ बच्चों को हरा फल एवं सब्जियां खाने के फायदे के बारे में भी बताए । इस कार्यक्रम में स्कूल के निर्देशक राकेश कुमार ने कहा कि प्रकृति के बिना मानव जीवन संभव नहीं है। ऐसे में बेहद जरूरी है कि हम पेड़ पौधों, जंगलों, नदियों, भूमि, पहाड़ सबसे महत्व को समझकर उसकी रक्षा करें । स्कूल के प्रबंधक डॉ. रूपेश कुमार ने बच्चों से कहा कि हमें ज्यादा से ज्यादा हरी सब्जी का प्रयोग करना चाहिए। हरा सब्जी खाने से हम तंदुरुस्त रहते हैं । आंखों की रौशनी बढ़ती है। इस मौके पर उन्होंने बच्चों को उनकी सुंदर प्रस्तुति के लिए उन्हें बधाई भी दिए एवम् उनका हौसला बढ़ाया। इस मौके पर विद्यालय के प्राचार्य एवं सभी शिक्षक शिक्षिकाएं रीना साहु, दीपिका कुमारी, श्वेता सिंह, श्वेता सिंह पांडेय, शोभा शर्मा,सिमरन अफसाना, प्रतिमा कुमारी, प्रशांत गौराई आदि उपस्थित थे।

बर्ड फ्लु को लेकर रातू में कोई एहतियात नही

आयुष ठाकुर

- चौक चौराहो के अलावे बाजारो में खुलेआम बिक रहे
- सुरक्षा को लेकर कोई एहतियात नही
- प्रखंड पशुपालन अधिकारी क्षेत्र में रहते ही नही

रातू। राजधानी रांची में बर्ड फलु का प्रकोप काफी तेजी से बढ रहा है। जिसे लेकर राजधानी में काफी एहतियात बरता जा रहा है। लेकिन रातू तथा आसपास के क्षेत्र में इसे लेकर कोई एहतियात नही बरता जा रहा है। चौक चौराहो के अलावे बाजारो में खुलेआम बिक रही है मुर्गा। प्रखंड में कोई भी मुर्गी का ढंग से जांच की कोई व्यवस्था नही है ना ही सैंपलिंग क्लेक्शन किया जा रहा है। पशुपालन अधिकारी या चिकित्सक क्षेत्र में कही नही दिखते। क्षेत्र में नही रहने के कारण जांच भी नही होती है। जबकि होटलो, रेस्तरां में खुब बिक रही है मुर्गा।

मुर्गा बेचने वालो को प्रशिक्षण तक नही

खुलेआम मुर्गा बेचने वालो को कोई प्रशिक्षण की व्यवस्था तक नही।ये लोग खुले में मुर्गा काटकर उसका वेस्टेज कही पर भी फेक देते है। जिसके कारण क्षेत्र में बर्ड फलु का आशंका बढती नजर आ रही है। मुर्गा काटने वालो को बीमारी से बचने के लिए कोई प्रशिक्षण तक नही दी जाती। ये लोग मुर्गा काटते समय भी ना मास्क पहनते है और ना ही हाथ में दस्ताने का प्रयोग करते। जिसके कारण भी बीमारी बढने की आशंका बढ रही है। क्षेत्र में मुर्गा काटने को लेकर जितना भी मापदंड है उसका कोई पालन नही किया जाता।

इस संबंध में पशु पालन अधिकारी से बात करने का प्रयास किया गया तो उनसे संपर्क नही हो पाया। स्थानीय लोगो ने बताया कि पशुपालन अधिकारी अपने कार्यालय आते ही नही। जब कभी मन किया तो आधा घंटा कभी आए और फिर अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर निकल गए। जबकि नियमतः दिन में अपने कार्यालय और दुसरी बेला में इन्हे क्षेत्र में भ्रमण करने का निर्देश है।

विद्यालयों में स्वच्छता एवं छात्र-छात्राओं के समग्र विकास को लेकर विभाग बेहद गंभीर : लीलावती

नवप्रदेश संवाददाता

लापुंग : लापुंग प्रखंड संसाधन केंद्र में संकुल साधन सेवियों एवं प्रखंड साधन सेवियों की साप्ताहिक संयुक्त बैठक प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी लीलावती तिर्की की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस मौके पर लीलावती तिर्की ने कहा कि स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग विद्यालयों में बेहतर शैक्षणिक वातावरण, स्वच्छता, एवं छात्र-छात्राओं के समग्र विकास को लेकर बेहद गंभीर है। विभागीय निर्देश के आलोक में अब स्कूलों से बेहतर रिजल्ट की जरूरत है। बैठक के दौरान बीआरपी रेशम शाहदेव ने कहा कि विद्यालय में पठन-पाठन की व्यवस्था में आमूल चूल परिवर्तन के लिए हम सभी को मिलकर काम करने की जरूरत है। समय-समय पर शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाता है। गुणवत्ता युक्त शिक्षा, बच्चों के व्यवहार में साकारात्मक परिवर्तन तथा विद्यालय परिसर में प्राइवेट स्कूल से भी बेहतर वातावरण का निर्माण सरकारी स्कूल में करने की जरूरत है। इस मौके पर विद्यालय प्रबंधन समिति का ग्रेडिंग , पीटीएम बैठक, प्रोजेक्ट रेल परीक्षा सहित विभिन्न कार्यक्रमों का लिंक अनिवार्य रूप से भरे जाने के लिए स्कूलों को निर्देश देने की बात कही गई। लीलावती तिर्की ने कहा कि शत प्रतिशत लिंक भरना सुनिश्चित कराने की जिम्मेवारी सभी संकुल साधनसेवियों की है। विभाग के द्वारा निर्देशित सभी कार्यक्रमों को सफल बनाना खासकर प्रोजेक्ट इंपैक्ट, प्रयास कार्यक्रम तथा प्रोजेक्ट रेल कार्यक्रम को सफल बनाना अति आवश्यक है। इस मौके पर संकुल साधन सेवियों को कई निर्देश दिए गए। इस मौके पर संकुल साधन सेवी मनोज कुमार साहु, चंद्रमोहन ठाकुर, सुनील कुमार गुप्ता, मंटू कुमार साहु, अजीत कुमार सिंह, लाल मिथिलेश कुमार सिंह, फ्रांसिस पन्ना सहित कई लोग मौके पर मौजूद थे।

नीतीश ने लिया सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ा फैसला

16 अगस्त से लीव के लिए देना होगा ऑनलाइन एप्लीकेशन

नवप्रदेश संवाददता

पटना। नीतीश सरकार बिहार के सरकारी कर्मियों को तनाव मुक्त माहौल में काम करने के लिए प्रेरित कर रही है। नीतीश सरकार ने इसके लिए एक विशेष निर्णय लिया है। अब सरकारी विभाग के कर्मचारियों को छुट्टी के लिए चप्पल नहीं घिसना होगा। नीतीश सरकार ने पैसला किया है कि अब छुट्टी के लिए कागज पर आवेदन नहीं करना होगा। 16 अगस्त से लीव के लिए ऑनलाइन एप्लीकेशन देना होगा। अटेंडेंस तो ऑनलाइन बन ही रहा है. वेतन भी ऑनलाइन उपस्थिति के आदार पर हीं मिलेगा। सरकार लापरवाह कर्मचारियों पर नकेल कसना चाहती है। इस बाबत सामान्य प्रशासन के प्रधान सचिव बी. राजेंद्र ने सभी डीएम, पुलिस मुख्यालय और विभागों के हेड को प्रमुखों को आदेश जारी कर दिया है। आदेश में कहा गया है कि सरकारी कर्मियों का अटेंडेंस ऑनलाइन दर्ज कराया जाए, साथ हीं सभी रिकॉर्ड ऑनलाइन रखने का आदेश दिया गया है। इससे माना जा रहा है कि इससे पारदशिता आएगी। बिहार सामान्य प्रशासन के प्रधान सचिव बी. राजेंद्र ने आदेश में सभी सरकारी विभागों को निर्देश दिया है कि वे अपने कर्मचारियों का सारा डेटा मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली पोर्टल पर अपलोड कर दें. 16 अगस्त 2024 से कर्मचारियों को मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली पोर्टल पर ही छुट्टी के लिए आवेदन करना होगा। 1 सितंबर 2024 से मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली पोर्टल पर स्वीकृत छुट्टी के आधार पर ही कर्मचारियों को सैलरी दी जाएगी। बता दें बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन सोसाइटी ने साल 2023 में मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली योजना का दूसरा चरण शुरू किया था. इसके तहत ये आदेश जारी किया गया है। सरकार का मानना है कि इससे काम में पार्दशिता आएगी और लापरवाह कर्मचारियों पर नकेल कसेगा।

छात्र नेता पर हुए निलंबन को अविलंब वापस ले विश्वविद्यालय प्रशासन अन्यथा होगा बड़ा आंदोलन : पुन्नू सिंह

नवप्रदेश/पटना। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में हुई फर्जी नियुक्ति और भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने पर छात्र नेता आकाश सिंह राठौर को विश्वविद्यालय से अगले आदेश तक निलंबित कर दिया है, अपने निलंबन के बाद छात्र नेता आकाश सिंह राठौड़ ने शहर के एक निजी होटल में प्रेस वार्ता कर अपने ऊपर हुए कारवाई को पक्षपातपूर्ण, एकतरफा और द्वेषपूर्ण बताया, इस दौरान छात्र नेता आकाश सिंह राठौड़ ने कहा कि विश्वविद्यालय में भ्रष्टाचार और अवैध नियुक्तियों को लेकर 2018 से ही माननीय सांसद पप्पू यादव जी और डॉ अरुण कुमार जी समेत कई लोगो ने आवाज उठायी और उसका परिणाम हुआ कि शिक्षा मंत्रालय ने पहले कुलपति प्रो अरविंद अग्रवाल को हटा दिया लेकिन प्रो अग्रवाल के कार्यकाल के दौरान हुई फर्जी नियुक्तियों जिनमे गलत प्रमाण-पत्र, गलत अनुभव प्रमाण-पत्र समेत कई वितीय मामले भी थे। छात्र नेता श्री सिंह ने कहा कि 2019 में भी प्रो और एसोशिएट प्रोफेसर के रूप में नियुक्त कई लोगो जिनमे कई लोग शामिल हैं उनकी नियुक्तियों में यूजीसी नियमों के साथ खिलवाड़ किया गया। उसी तरीके से 2019 में हुए कैश प्रमोशन में कई लोगों को गलत तरीके से प्रमोशन दिया गया।

पांच दिनों के भीतर एक ही थाने के दो दारोगा का रिश्वत लेते वीडियो वायरल, एसपी ने किया सस्पेंड

कुमार भास्कर नवप्रदेश/बेगूसराय। बेगूसराय में पांच दिनों के अंदर एक ही थाने के दूसरे सब इंस्पेक्टर का भी रिश्वत लेने का वीडियो वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद जिले के एसपी ने आरोपी पुलिसकर्मी को सस्पेंड कर दिया है। इतना ही नहीं एसपी मनीष ने आरोपी दारोगा अजय कुमार सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी है। दरअसल बेगूसराय के बलिया थाने में कार्यरत दारोगा अजय कुमार सिंह ने राम भज्जू यादव नाम के व्यक्ति से कैरेक्टर सर्टिफिकेट बनाने के नाम पर 2000 की रिश्वत की मांग की थी। इसके बाद रिश्वत का पैसा कमरे के अंदर रैक पर रखने का वीडियो वायरल हुआ था।

बार एसोसिएशन बिक्रमगंज का चुनाव संपन्न, अध्यक्ष बने गोपाल कृष्ण भारद्वाज तो महासचिव रवि रंजन

नवप्रदेश/बिक्रमगंज। बार एसोसिएशन का चुनाव शुक्रवार को संपन्न हुआ। जिसमें अध्यक्ष पद पर गोपाल कृष्ण भारद्वाज, महासचिव पद पर रवि रंजन कुमार सिंह एवं कोषाध्यक्ष पद के लिए राजेश कुमार सिंह विजई हुए। निवार्ची पदाधिकारी रामनरेश सिंह ने बताया कि अध्यक्ष पद के लिए गोपाल कृष्ण भारद्वाज को 132 एवं सत्येंद्र सिंह को 113 मत प्राप्त हुए। महासचिव पद के लिए रवि रंजन कुमार सिंह को 104 एवं उनके निकटतम प्रतिद्वंदी सुधीर कुमार सिंह को 58 मत प्राप्त हुए। महासचिव पद के लिए कल 9 प्रत्याशी नामांकन किया था। कोषाध्यक्ष पद के लिए राजेश कुमार सिंह को 125 एवं अभय पांडे विद्यासागर को 120 मत प्राप्त हुए। इस तरह सर्वाधिक मत प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों को विजई घोषित किया गया। वही उपाध्यक्ष पद पर सुशील कुमार सिंह एवं दिनेश कुमार सिंह निर्विरोध, महासचिव पद पर प्रकाश कुमार एवं अजय कुमार सिंह निर्विरोध, संयुक्त सचिव पद पर कामता प्रसाद एवं अजय कुमार सिंह निर्विरोध, अंकेक्षण पद पर कुमार बृजेश निर्विरोध तथा कार्यकारी सदस्य के रूप में मनजीत कुमार सिंह एवं विजय कुमार आजाद निर्विरोध निर्वाचित घोषित हुए। विजई उम्मीदवारों के समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई और एक दूसरे को मिठाई खिलाकर अबीर गुलाल लगाते हुए खुशी का इजहार किया।

छात्रों को स्वच्छता से फायदे की दी गई जानकारी

नवप्रदेश संवाददाता

सासाराम। नगर निगम सासाराम एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा संयुक्त रूप से सासाराम स्थित शेरशाह सूरी इंटर कॉलेज मे सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान के तहत बच्चों को जल जनित एवं वेक्टर जनित बिमारियों के बारे मे विस्तार से बताया गया। इस अभियान के तहत नगर निगम द्वारा पुरे नगर निगम क्षेत्र मे विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है, एवं लोगों को जागरूक किया जा रहा है। नगर निगम के लोगों ने छात्रों को सफाई अभियम में सहयोग करने के लिए प्रेरित किया। वही स्वास्थ्य विभाग द्वारा डेंगू, फाइलेरिया एवं अन्य वेक्टर जनित बिमारियों के बारे मे बताया गया। बच्चों को बताया गया कि स्वच्छता नहीं अपनाने से किन किन बीमारियों का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही साथ यह भी बताया गया कि स्वच्छता अपना कर कैसे बीमारियों को दूर भगा सकते हैं। साथ ही साथ खुद को स्वच्छ रखने के साथ साथ अपने घर और समाज को स्वच्छ रखने की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम मे स्वच्छता पदाधिकारी कुमार अनुगम, स्वास्थ्य विभाग के वीडीसीओ गौरव कुमार, रौशन सिंह मानसी भारती, पीसीआई के जिला समन्वयक आशीष रावत, सरोज कुमार दुबे, स्कूल के प्रधानाचार्य सुरेश कुमार के साथ साथ स्कूल के अध्यापक तथा नगर निगम एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मी मौजूद रहें।

जनता दरबार में कुल चार मामलों की हुई सुनवाई, दो का निपटारा

नवप्रदेश संवाददाता

बेलदौर। बेलदौर शुक्रवार को पंचायत सरकार भवन पीरनगरा में सरपंच गजेंद्र राम की अध्यक्षता में पंचायत क्षेत्र के चार पीड़ित व्यक्तियों के मामला की सुनवाई हुई। जिसमें दो मामले की निपटारा मौके पर ही कर दिया गया वहीं दो व्यक्तियों को अगले शुक्रवार को आने के लिए कहा गया है।जानकारी के मुताबिक पंचायत सरकार भवन में शुक्रवार को सरपंच के द्वारा जनता दरबार लगाया जाता है। इसी आलोक में शुक्रवार को भी सरपंच के जनता दरबार में आवेदन अलग-अलग पीड़ित परिवार के द्वारा दिया गया। वही उपस्थित सरपंच गजेन्द्र राम ने कहा सलेन्दर राय वनाम सुभाष राय के बीच जमीनी विवाद को लेकर आवेदन दिया गया था जिसकी सुनवाई के बाद शुक्रवार को फिर आने के लिए कहा गया है।वही दुसरी और रंजीत यादव एंव नागो यादव का भी बच्चे का विवाद था जिसको भी सुलझा लिया गया। वही सिकेनदर यादव एंव बेचन सादा एंव संजय यादव और नीतीश यादव के बीच जमीन विवाद नही सुलझाया तो उन्हे भी अगले शुक्रवार को आने के लिए कहा गया है। वही मौके पर सरपंच गजेन्द्र राम, मुखिया मंजू देवी, उप सरपंच रमेश यादव, संगम कुमार, गाजो पहलवान, रजनी यादव, सचिव पुरुषोत्तम कुमार, दिनेश सादा पूर्व मुखिया, जयचंद यादव, देवनारायण यादव, जयजयराम भगत के साथ वकील साहव भी, मौजूद थे।

तीन दिवसीय संवेदीकरण कार्यशाला का समापन

नवप्रदेश संवाददाता

डेहरी। डेहरी प्रखंड के जमुहार स्थित नारायण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के मेडिकल एजुकेशन यूनिट के तत्वावधान में तीन दिवसीय संवेदीकरण कार्यशाला का शनिवार को समापन हो गया। तीन दिनों तक चलने वाले इस कार्यशाला में कुल 230 स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा के छात्रों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के संयोजक एवं एन एम सी एच के चिकित्सा अधीक्षक डॉ पुनीत कुमार सिंह ने बताया कि इस कार्यशला में छात्रों ने लॉग बुक संधारण एवं अपने विषय संबंधी जानकारी को अन्य विभागों के साथ सामंजन की प्रक्रिया से अवगत होने संबंधी प्रशिक्षण प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि स्नातकोत्तर छात्र शिक्षण हेतु स्किल डेवलपमेंट के भी गुरु सीखे ताकि शिक्षा पूर्ण होने के बाद वे मेडिकल कॉलेज में सीनियर रेजिडेंट के रूप में एमबीबीएस छात्रों को प्रशिक्षित कर सकें। उन्होंने बताया कि चिकित्सा के क्षेत्र में एथिकल ज्ञान एवं शोध तथा अच्छी पढ़ाई करने का अभ्यास भी इस कार्यशाला के दौरान उन्हें प्राप्त हुआ। संस्थान द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार तीन दिवसीय कार्यशाला में फिजियोलॉजी के विभाग अध्यक्ष डॉक्टर अशोक कुमार देव, नेत्र रोग विभाग के सह प्राध्यापक डा अमरेश कुमार, कम्युनिटी मेडिसिन के सह प्राध्यापक डॉ राहुल चंद्र, एनाटॉमी के विभाग अध्यक्ष डॉक्टर शंभू प्रसाद एवं नारायण मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर हीरालाल महतो ने स्नातकोत्तर छात्रों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सहायक कुल सचिव अजय कुमार सिंह, मेडिकल एजुकेशन यूनिट के कार्यक्रम प्रभारी मनीष कुमार, कार्यलय अधीक्षक प्रमोद कुमार सिंह, नारायण मेडिकल कॉलेज के अमित कुमार, प्रवीण कुमार, पुश्कल कुमर, रविंद्र कुमार आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मिनी फीडर व एक नंबर फीडर से 5 घंटे बाधित रहेगी बिजली आपूर्ति

नवप्रदेश संवाददाता

सासाराम। विद्युत पावर सबस्टेशन बेदा के मिनी फीडर एवं 1 नंबर फीडर से रविवार को बिजली बाधित रहेगी। इसकी जानकारी सहायक विद्युत अभियंता संदीप कुमार गुप्ता द्वारा दी गई। उन्होंने बताया कि रविवार सुबह 10:00 बजे से दोपहर 3:00 तक मिनी फीडर को जरूरत के अनुसार एवं एक नंबर फीडर में पूरी तरह से विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। क्षेत्र में फीडर के समानांतर एक अन्य फीडर का निर्माण हेतु पोल खड़े करने व तार नवीनीकरण के लिए करीब 5 घंटे तक बिजली गुल रहेगी। उन्होंने बताया कि मिनी फीडर एवं 1 नंबर फीडर से जुड़े इलाकों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। विद्युत विभाग के जेईई आनंद कुमार ने लोगों से अपील की है कि 9:00 बजे से पहले अपने जरूरी काम निपटा लें।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जिद्दी व अड़ियल हैं : शक्ति यादव

नवप्रदेश संवाददाता

पटना। बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने विधान पार्षद कारी मोहम्मद सोहैब, डॉ0 अजय कुमार सिंह, रिंकु कुमार, अशोक कुमार पाण्डेय, प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद, अरूण कुमार यादव एवं प्रमोद कुमार सिन्हा के द्वारा संयुक्त रूप से संवाददाता सम्मेलन का आयोजन किया गया। अपने संबोधन में शक्ति सिंह यादव ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री के अड़ियल रवैया, जिद्दीपन और अड़ियल रूख के कारण अकारण ही विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक डॉ सुनील कुमार सिंह की सदस्यता समाप्त कर दी गई। उन्होंने कहा कि इसे काला दिन के रूप में हमेशा याद रखा जाएगा। श्री यादव ने कहा कि एक शासक की जिद्दी रवैया और उनके अड़ियल रूख को खुश करने के लिए दो व्यक्ति ने अपने आप को लाभान्वित करने के एवज में ये पटकथा बहुत पहले ही लिख दी थी और कहीं न कहीं मुख्यमंत्री ने इन दोनों को उसका पुरस्कार लोकसभा के टिकट तथा दूसरे को उप सभापति बनाकर किया। इस तरह की पटकथा बहुत पहले ही लिख दी गई थी और उसी के तहत सुनिल सिंह जी की सदस्यता समाप्त की गई और दूसरे विधान परिषद सदस्य कारी मोहम्मद सोहैब को दो दिन के लिए सदन से निलंबित करने का प्रस्ताव लिया गया। श्री यादव। ने कहा कि इस मामले में ज्यादा से ज्यादा सजा ये होना चाहिए था कि पीठासीन पदाधिकारी इस मामले की भत्र्सना करवाकर मामले पर चर्चा करवा लेते, लेकिन इन्हें सफाई रखने तक का मौका नहीं दिया गया, जबकि सुनिल सिंह ने आचार समिति के सभापति से लिखित में मांगा था कि उनका दोष क्या है और उन्हें किस मामले में दंडित किया जा रहा है लेकिन उसका कोई भी साक्ष्य, तथ्य या सबूत नहीं दिया गया। जबकि मुख्यमंत्री ने स्वयं बार-बार कहा था कि सुनिल सिंह को बर्बाद कर देंगे। नेता सदन के द्वारा इस तरह की भाषा पर आचार समिति ने कोई मामला दर्ज नहीं किया जबकि लोकतंत्र में विपक्ष का काम होता है सरकार के गलत कार्यों पर सरकार को आईना दिखाना और सुनिल सिंह लगातार जनता के मुद्दे, किसानों के सवाल, बिहार में बढ़ते भ्रष्टाचार तथा सरकार के क्रियाकलाप का चर्चा करते थे लेकिन उस पर कभी भी सरकार ने सुनने का काम नहीं किया। जबकि विपक्ष के आवाज को दबाने के लिए और एक व्यक्ति के जिद्द और उन्हें खुश रखने के लिए इस तरह की कार्रवाई की गई। चुनाव में व्यस्त रहने के बाद भी सुनिल ने आचार समिति के सामने उपस्थित होकर अपना पक्ष रखा लेकिन उनकी बातों को अनसूना कर दिया गया। सदन में जब इस मामले पर चर्चा हो रही थी तब भी सुनील जी को अपना पक्ष रखने का मौका नहीं दिया गया जबकि लोकतंत्र में सबको पक्ष रखने का मौका मिलता है। सुनिल सिंह ने बार-बार सुबुत और साक्ष्य की माँग की और साथ ही वह विडियों माँगा जिसके आधार पर नोटिस किया। लेकिन उसके बाद भी उनपर कार्रवाई कि गई जबकि सुनिल सिंह को बर्बाद करने की धमकी देने वाले मुख्यमंत्री के मामले पर आचार समिति ने चुप्पी साध ली। इस तरह का कृत्य लोकतंत्र को कमजोर करता है। श्री यादव ने कहा कि सबको पता है कि लगातार मुख्यमंत्री ने सदन के अन्दर अपमानजनक भाषा पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के लिए इस्तेमाल किया उस पर भी सभी खामोश रहे। लालू और राबड़ी देवी के संबंध में किस तरह के अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया जाता है सदन के अन्दर उस पर भी आचार समिति खामोश क्यो है। विधान सभा और विधान परिषद में मुख्यमंत्री ने बार-बार महिलाओं के संबंध में अश्लील और मयार्दाहीन भाषा का इस्तेमाल किया तथा दलित समाज से आने वाली महिला विधायक को किस तरह से अपमानित करने के लिए मयार्दाहीन भाषा इस्तेमाल की गई उस पर सत्ता पक्ष और आचार समिति खामोश क्यो है। लोकतंत्र को सत्ता के जोर पर और एक व्यक्ति के जिद्द को पूरा करने के लिए सदस्यता समाप्त करने की प्रक्रिया अपनायी गई जो कहीं से उचित नहीं है।

एक नजर

नाली निर्माण को लेकर ग्रामीणों ने ईओ कार्यालय में किया हंगामा

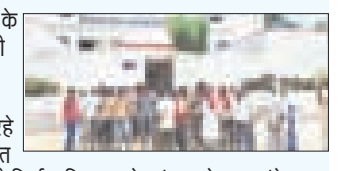

नवप्रदेश/काराकाट। नगर पंचायत के वार्ड संख्या-10 में नाली निर्माण की मांग को लेकर नगर पंचायत काराकाट के ईओ कार्यालय पर जमकर हंगामा हुआ। हंगामा कर रहे नगरवासियों का कहना था कि अनंत तिवारी के घर से मस्जिद तक नाली निर्माण किया जाये। हंगामा के चार घंटे इंतजार के बाद भी कार्यालय नहीं पहुंचे ईओ पर वार्डवासी काफी भड़क गये। अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों से जल्द नाली निर्माण करने की मांग कर रहे थे। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने धमकी देते हुये कहा कि अगर जल्द समस्या का समाधान नहीं होता तो वृहद आंदोलन व धरना प्रदर्शन होगा। वार्ड संख्या-10 के वार्डवासी नाली निर्माण के लिए आवेदन देने पहुंचे थे लेकिन चार घंटे इंतजार के बाद भी नगर ईओ कार्यालय में नहीं पहुंचे जिससे गुस्साये लोगो ने कार्यालय के बाहर जोरदार हंगामा व प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे लोगो ने ईओ व जनप्रतिनिधियों के विरुद्ध जमकर नारेबाजी किया। लोगो ने कहा कि जहां नगर के लोग नली निर्माण नहीं होने से परेशान है वही नगर पंचायत के सभी कार्यालयों में दो दो एयर कंडीशन लगा कर अधिकारी मौज काट रहे है। लोगों ने ईओ को लागातार कॉल किया लेकिन ईओ कॉल नहीं उठाये जिससे लोगों में और गुस्सा भड़क उठा और लोग ईओ मुदार्बाद व ईओ हाय-हाय के नारे लगाते हुए घंटों बवाल काटा और कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। ईओ से नहीं मिलने के पर लोगों ने कहा कि सोमवार को जिलाधिकारी से मिलकर नगर पंचायत के अधिकारियों व कर्मियों के विरुद्ध शिकायत पत्र देंगे।

स्वास्थ्य कर्मियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर किया विरोध प्रदर्शन

नवप्रदेश/संझौली/सूर्यपुरा। प्रखंड मुख्यालय स्थित पीएचसी पर शनिवार को जीएनएम एएनएम और सीएचओ ने एनएचएस तथा एफआरएस कार्यक्रम को पूर्णता बंद कर कार्य का बहिष्कार किया। वही विरोध प्रदर्शन करते हुए अनिश्चितकालीन हड़ताल पर डटे रहे। सीएचओ श्वेता कुमारी ने बताया कि हमारी मुख्य मांगे है। एफआर एस वापस लो, समान काम समान वेतन लागू करने, एनएचएम को राज्य कर्मी का दर्जा दिया जाए। मौके पर श्वेता कुमारी, रंजू कुमारी, अंजू कुमारी, पूजा कुमारी, शोभा कुमारी, अंजनी कुमारी, रंजना कुमारी, वैजयंती कुमारी व कई अन्य कर्मी मौजूद थे। वहीं दूसरी तरफ पीएचसी सूर्यपुरा के जीएनएम अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि सभी स्वास्थ्य कर्मियों ने अपनी विभिन्न मांगो को अपनी अपनी हाथों में बैनर पोस्टर लेकर विरोध प्रदर्शन किया। तथा हड़ताल पर डटे रहने की बात कही।

एंटी करप्शन इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो के एक दिवसीय जागरूकता सह सम्मान समारोह

नवप्रदेश/डेहरी। वापी गुजरात में सम्पन्न हुई। जिसमें गुजरात टीम से राष्ट्रीय संयुक्त निदेशक महिला संरक्षण सुनीता तिवारी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में बेहतर कार्य के लिए कई पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में बिहार से संयुक्त निदेशक अभिजीत कुमार और राष्ट्रीय प्रमुख सचिव मनीष कुमार शरण को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित उमेश चंद्र तिवारी, शिव गिरी, अरुणा बेन देसाई और 50 अलग अलग जगह से लोगों की उपस्थिति हुई। कार्यक्रम में मनीष कुमार शरण राष्ट्रीय मुख्य सचिव को विशेष अधिकारी की सम्मान से सम्मानित किया गया।

जमुहार में खुला वाहनों का ऑटोमेटिक फिटनेस जांच केंद्र

नवप्रदेश/डेहरी। प्रखंड क्षेत्र के जमुहार नारायण मेडिकल कॉलेज के बगल में राज्य का छठा और जिले का पहला ऑटोमेटिक फिटनेस केंद्र खुल गया। जो पूरे शाहाबाद क्षेत्र मे एकलौता है।कमर्शियल वाहनों की फिटनेस जांच करने के लिए अब घंटो इंतजार करना नहीं पड़ेगा तथा डीटीओ कार्यालय के चक्कर भी नहीं लगाने पड़ेंगे। स्कैनर से एक बार गाड़ी गुजरेगी और 15 मिनट के अंदर प्रमाण पत्र मिल जाएगा। जिसका उद्घाटन शनिवार को जिला परिवहन पदाधिकारी बाबूराम व पूर्व विधायक सत्यनारायण यादव ने फीता काटकर किया। उद्घाटन के पश्चात डीटीओ ने कहा कि अब ऑटो, बस, ट्रैवलर, जीप टैक्सी सहित अन्य कमर्शियल और गुड्स वाहनों की फिटनेस यहां पर जांच की जाएगी। रोहतास जिले में करीब दो लाख वाहनों का परिचालन किया जा रहा है। कहा की वाहनों की फिटनेस जांच ऑटोमेटिक पद्धति से होने से सड़क दुर्घटनाओं में काफी कमी आएगी। केंद्र पर वाहनों को सभी तकनीकी पद्धति के पहलुओं को परखते हुए फिटनेस टेस्ट होगा। वाहन की बॉडी से लेकर सेफ्टी मेजर्स का भी ऑटोमेटेकली जांच की जाएगी। संचालक सह निर्देशक जावेद आलम एवं रामगोपाल सिंह ने बताया कि नए और पुराने वाहनों को फिटनेस प्रमाण पत्र जारी करने के लिए अधिकृत केंद्र के रूप में यह सेंटर कार्य करेगा। जिससे वाहन मालिक मोटर वाहन सुरक्षा नियमों का पालन आसानी से कर सकेंगे। मौके पर, एम वी आई नंदलाल कुमार, गुड्डू कुमार, तिलौथू सर्विस सेंटर के निसार अहमद, पूर्व मुखिया रामबचन सिंह विवेक कुमार हरेंद्र सिंह चंद्रभान यादव निर्मल सिंह प्रमोद सिंह पूर्व पार्षद तपेश्वर सिंह सुरेश पांडे समेत कई गण मान्य लोग उपस्थित थे।

थाना परिसर में जनता दरबार का आयोजन

नवप्रदेश/सूर्यपुरा। थाना परिसर में शनिवार को भूमि विवाद के निपटारे को लेकर जनता दरबार का आयोजन सीओ गोल्डी कुमारी एवं प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष कंचन राज के नेतृत्व में हुआ। जिसमें छह मामले को ऑन द स्पॉट निष्पादन किया गया। राजस्व कर्मचारी अमर कुमार ने बताया कि बलिहार एक, नारायनपुर, बलिहार, शिवोबहार तथा अगरेड़ कला से एक एक भूमि विवाद के मामले का निष्पादन किया गया। जबकि बलिहार के ही रास्ते की निकासी को लेकर दो मामलों में दोंनो पक्षों के साथ आपसी सहमति से सुलह समझौता कर निपटारा किया गया। वहीं अन्य चार को अगली तारीख की नोटिश भेजा गया। मौके पर एसआई विमलेश कुमार के साथ ही कई अन्य कर्मी उपस्थित थे।

लूट की घटना का सफल उद्भेदन, एक अपराधकर्मी गिरफ्तार

नवप्रदेश/बेतिया। योगापट्टी थानान्तर्गत सोना माई स्थान तीन मुहानी के पास योगापट्टी ई-रिक्सा चालक जयप्रकाश महतो को दो अज्ञात अपराधकर्मी द्वारा मारपीट कर एवं चाकू मारकर ई-रिक्सा को लूट लिया गया। इस संबंध में योगापट्टी थाना में काण्ड सं० दर्ज किया गया था। उक्त कांड के त्वरित उद्भेदन हेतू अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-2 बेतिया के नेतृत्व में एक एस०आई०टी० टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा तकनीकी अनुसंधान, मानवीय इनपुट के आधार पर उक्त कांड में संलिप्त 01 (एक) अपराधकर्मी को लूट की ई-रिक्सा के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार एक अप्राथमिकी अभियुक्तों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया। गिरफ्तार अपराधकर्मी राजाबाबू कुमार राम, उर्फ ननकी, उम्र करीब 22 वर्ष, पिता प्रमेश्वर राम, साकिन फतेहपुर चौक, थाना योगापट्टी निवासी है। वही पुलिस अधीक्षक बेतिया ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर उक्त जानकारी देते हुए बताया की शेष बचे अपराधकर्मी की गिरफ्तारी हेतु लगातार छापेमारी की जा रही है। छापामारी दल में पु०नि० सह थानाध्यक्ष कंचन भाष्कर थाना योगापट्टी, पु०अ०नि० मनोज कुमार, पु०अ०नि० रामजी प्रसाद सिंह, परि० पु०अ०नि० रानी कुमारी, परि० पु०अ०नि० राघवेन्द्र प्रताप सहित थाना रिजर्व गार्ड, योगापट्टी थाना बेतिया शामिल थे।

निगम कार्यालय के घारी पर तैनात सफाई मजदूरों को अब रोस्टर तैयार कर के काम बांटने का आदेश

नवप्रदेश/बेतिया। नगर निगम की महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने कहा कि अगले माह से ही संपूर्ण नगर निगम के विभिन्न वार्डों के कमर्शियल क्षेत्र में दिन के बाद रात में भी दूसरे शिफ्ट की सफाई होगी। उन्होंने कहा कि विभिन्न वार्डों के कमर्शियल क्षेत्र में साफ सफाई व्यवस्था में मानक गुणवत्ता नहीं होने को लेकर यह आदेश जारी किया गया है। वे शुक्रवार को पूरे दिन के साथ देर शाम तक चले सफाई मजदूरों का भौतिक सत्यापन जांच के मौके पर बोल रहीं थी। देर शाम तक चले सत्यापन कार्य के मौके पर सिकारिया ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र की सफाई व्यवस्था में और सुधार आवश्यक है। इसके लिए उन्होंने नगर निगम कार्यालय के घारी पर तैनात करीब पौने दो सौ महिला पुरुष सफाई मजदूरों के लिए ड्यूटी रोस्टर तैयार कर के नए सिरे से साफ सफाई का कार्य बांटने का आदेश जारी किया। इसके साथ ही सिकारिया ने कहा कि वार्ड जमादार के अतिरिक्त सफाई निरीक्षक और जोनल प्रवेक्षक भी साफ सफाई की नियमित निगरानी और जांच करते रहने के निर्देश दिए गए हैं।

संपादकीय

हेमंत सोरेन का मास्टर स्ट्रोक

झारखंड विधानसभा चुनाव की घोषणा से ठीक पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राजनीतिक ब्रह्मास्त्र का प्रयोग कर विपक्ष को चारो खाने चित्त कर दिया है। हेमंत सोरेन ने झारखंड मुख्यमंत्री मईंया सम्मान योजना शुरू की है, जिसे मास्टर स्ट्रोक माना जा रहा है। इस योजना से 48 लाख महिलाओं को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। इन 48 लाख महिलाओं के खाते में प्रति माह 15 तारीख तक 1000 रुपये मिलेंगे। महिला सशक्तीकरण की दिशा में उठाये गये इस कदम के राजनीतिक इम्पैक्ट से इंकार नहीं किया जा सकता। झारखंड मुख्यमंत्री मईंयां सम्मान योजना (जेएमएमएसवाई) हेमंत सरकार का महिला आत्मसम्मान को बढ़ावा देने के लिए एक कारगर कदम है, जिसमें 21 से 50 वर्ष की महिलाओं को रोजमर्रा की जरूरत को ध्यान में रखते हुए 1000 रुपये प्रतिमाह की आर्थिक सहायता प्रदान की जायेगी। योजना के तहत प्रत्येक माह की 15 तारीख तक सरकार बहनों के एकल लिंक्ड बैंक खाते में राशि क्रेडिट करेगी। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इसी तरह की योजना की घोषणा की थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि इंडि गठबंधन की सरकार बनते ही महिलाओं के खाते में खटाखट-खटाखट राशि जायेगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस योजना को लागू कर दिया है। पूर्व से भी हेमंत सोरेन महिला सशक्तीकरण की दिशा में कई योजनाएं लागू कर चुके हैं। इनमें एक सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना है, जिसमें 8वीं कक्षा से 12वीं कक्षा तक तथा 18-19 वर्ष की बेटियों को आर्थिक सहायता दी जाती है। योजना के तहत कुल 40 हजार रुपये तक की आर्थिक सहायता मिलती है। दूसरी योजना में राज्य की सखी मण्डल की महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन और उनके द्वारा निर्मित उत्पाद को बाजार बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पलाश ब्रांड को शुरू किया गया। पलाश ब्रांड से सखी मण्डल की करीब दो लाख महिलाएं जुड़ी हैं। हड़िया-शराब की बिक्री करने वाली महिलाओं को आजीविका उपलब्ध कराने के उदेश्य से फूलो झानो आशीर्वाद अभियान योजना चलायी जा रही है, जिससे ऐसी महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन के लिए 50 हजार रु. तक की सहायता राशि प्रदान की जाती है। योजना से 32 हजार से अधिक महिलाओं को लाभ हुआ है। सखी मंडल से जुड़ी महिला समूह को बैंक क्रेडिट लिंकेज से सहायता प्रदान की गयी है, ताकि वे अपने लिए स्वरोजगार का मार्ग प्रशस्त कर सकें। 2021 से पूर्व तक 640 करोड़ रुपए समूहों को बैंक क्रेडिट लिंकेज के जरिए दिया था, वहीं विगत साढ़े चार वर्ष में 1 लाख 40 हजार समूहों को लगभग 8,250 करोड़ रुपए की राशि बैंक क्रेडिट लिंकेज की गयी है। इस तरह हेमंत सोरेन सरकार ने राज्य की सभी महिलाओं को किसी न किसी योजना से जोड़ कर उन्हें आर्थिक रूप से समृद्ध करने की कोशिश में हैं। चुनाव की घोषणा से ठीक पहले शुरू की गयी झारखंड मुख्यमंत्री मईंया सम्मान योजना का राज्य में बड़ा इंपैक्ट पड़ा है। झामुमो-कांग्रेस-राजद गठबंधन को यह उम्मीद है कि इस योजना के कारण महिलाएं सीधे वर्तमान हेमंत सरकार से जुड़ेंगी। चुनाव से पहले इस योजना की एक या दो किस्त महिलाओं के खाते पहुंचे, इस उदेश्य के साथ योजना का कार्यान्वयन शुरू कर दिया गया है।

सामयिकी

28 जुलाई को उन्नाव के क्रांतिकारियों का युद्ध

गौरव अवस्थी

वर्ष 1857 का प्रथम स्वाधीनता संग्राम सभी को याद ही है। इस संग्राम में उन्नाव के रणबांकुरों ने अंग्रेजी फौजों से जम कर युद्ध किया था। उन्नाव की वीर भूमि पर सेनानियों ने कई बार फिरंगियों को पीछे धकेला। इसी का नतीजा था कि कानपुर में नाना राव पेशवा सरकार का पतन करके आगे बढ़ाने वाले जनरल हैवलॉक को दो बार कदम पीछे हटाने पड़े । कानपुर और बिठूर जीतने के बाद हैवलॉक जनरल नील को कानपुर की जिम्मेदारी देकर क्रांतिकारियों की कैद से अंग्रेज सैनिकों और उनके परिजनों को छुड़ाने के लिए गंगा पार करके लखनऊ की ओर बढ़ा। 28 जुलाई को गंगापार करके वह मगरवारा पहुंचा। मगरवारा के घर-घर में क्रांति की ज्वाला धड़क रही थी। फिरंगियों को धूल चटाने के लिए हर घर में छिद्र बनाए गए थे ताकि बंदूक और टॉप से लैस फिरंगियों को आगे बढ़ने से रोका जाए। विफल होने के बाद जनरल हैवलॉक 29 जुलाई को उन्नाव की ओर बढ़ा लेकिन क्रांतिकारियों ने घेरा डाल दिया। क्रांतिकारियों ने अंग्रेजी सेनाओं का डटकर सामना किया। क्रांतिकारी सेना की कई देसी तोपें दलदल में फंस गईं। उन्नाव के उस युद्ध में क्रांतिकारियों की 15 तोपें टूट कर बेकार हो गईं। हैवलॉक ने इन तोपों को हथिया लिया। उस समर में 300 क्रांतिकारी शहीद हुए। उन्नाव के युद्ध में क्रांतिकारियों को विफल करने के बाद हैवलॉक बशीरतगंज की तरफ बढ़ा। बशीरतगंज तब ऊंची दीवारों से गिरा एक शहर था। यहां क्रांतिकारी और अंग्रेजी सेनाओं के बीच तीन बार भीषण युद्ध हुए। फिरंगी सेनाओं को दो बार क्रांतिकारियों ने खदेड़ दिया। बशीरतगंज के प्रथम युद्ध में जनरल हैवलॉक की 1/6 सेना नष्ट हो गई थी। उसकी सेना के 88 लोग मारे गए। उसने कानपुर में जनरल नील से सैनिक सहायता मांगी लेकिन खुद क्रांतिकारियों से घिरा होने के कारण उसने असमर्थता जता दी। इसके चलते हैवलॉक अपने कदम पीछे हटाकर फिर मगरवारा पहुंच गया। सैनिक सहायता मिलने के बाद चार अगस्त को हैवलॉक फिर लखनऊ की ओर आगे बढ़ा और बशीरतगंज में क्रांतिकारियों से दूसरा युद्ध हुआ। इस युद्ध में क्रांतिकारियों के साथ अनेक तालुकदार और जमींदार की सेनाएं भी शामिल हुईं थीं। दूसरे युद्ध में 25 अंग्रेज अफसर मारे गए और करीब ढाई सौ क्रांतिकारी शहीद हुए। बशीरतगंज के इस द्वितीय युद्ध के बारे में हैवलॉक ने खुद लिखा-' लखनऊ मार्ग का प्रत्येक गांव हमारे विरुद्ध था आम लोग भी ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ उठ खड़े हुए थे।' बशीरतगंज से 12 मील की दूरी पर फतेहपुर 84 में अपने सैनिकों के साथ नाना साहब पेशवा के जमे होने और ग्वालियर की सेनाओं के कालपी तक पहुंच जाने की खबरों की वजह से हैवलॉक लखनऊ बढ़ने के बजाय फिर मगरवारा वापस लौटने को मजबूर हुआ। तीसरी बार जनरल हैवलॉक 11 अगस्त को गंगा पार करके लखनऊ की ओर चला। इस बार क्रांतिकारियों ने बसेरतगंज के पहले बुढ़िया की चौकी गांव के पास ही अंग्रेजी सेनन से मोर्चा लिया। इस युद्ध में भी हैवलॉक को काफी क्षति पहुंची 32 अंग्रेज सैनिक मारे गए और करीब 300 क्रांतिकारी शहीद हुए। बशीरतगंज के इस युद्ध में लौंडिया खेड़ा के राव रामबक्स सिंह, रसूलाबाद के मंसब अली और बांगरमऊ (तरफसराय) के जस्सा सिंह जनवार की सेनाओं के साथ जनसाधारण ने भी भाग लिया। युद्ध में सफल होने के बावजूद हैवलॉक क्रांतिकारी अवरोध के चलते लखनऊ की ओर बढ़ नहीं पा रहा था। इस पर कानपुर बिठूर पर काबिज उसकी सेना के द्वितीय अधिकारी जनरल नील ने पत्र लिखकर अपनी नाराजगी भी जाहिर की थी। क्रांतिकारियों के अवरोध के भीषण अवरोध के चलते ही हैवलॉक को लखनऊ पहुंचने में 2 महीने का वक्त लग गया था। मगरवारा में 21 सितंबर को हुए दूसरे युद्ध में भी ब्रिटिश फौजों को भीषण युद्ध का सामना करना पड़ा था। अगर उन्नाव में युद्ध घनघोर न होता तो ब्रिटिश हुकूमत लखनऊ पर 8 महीने पहले ही काबिज हो सकती थी। जनरल हैवलॉक कानपुर में नाना साहब की सरकार के पतन के बाद जब पहली बार गंगा पार करके मगरवारा में डेरा डाले था तब मगरवारा के घर-घर से फिरंगियों पर हमले हुए थे फिरंगियों से निपटने के लिए घर-घर में छेद बनाए गए थे इसका विवरण खुद हैवलाक ने अपने संस्मरण में लिखा है। उन्नाव के इन रणबांकुरों पर आज हम सभी को नाज तो है लेकिन हम अपने इन बहादुर पूर्वजों के स्वर्णिम इतिहास से ही अपरिचित हैं।

आधुनिकता में विदेशी जीवनमूल्यों का प्रवाह

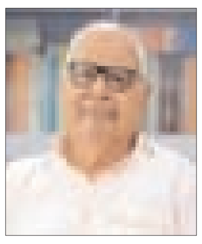

हृदयनारायण दीक्षित

प्राचीनता का विवेचन जरूरी है। प्राचीनता की गतिशीलता में ही हम आधुनिक होते हैं। गति के साथ अनुकूलन करना और अनुकूलन व अनुसरण में ही प्रगतिशील होते जाना काल का आह्वान है। वर्तमान समाज व्यवस्था व जीवन शैली संतोषजनक नहीं है। इसका मुख्य कारण प्राचीनता से अलगाव है। आयातित आधुनिकता ने हमारी स्वाभाविक संस्थाएं भी तोड़ी हैं।

आधुनिकता प्रायः आकर्षण होती है। नई होती है और ताजी प्रतीत होती है। लेकिन वास्तविक आधुनिकता विचारणीय है। आधुनिकता नकली भी होती है। दरअसल आधुनिकता स्वयं में कोई निरपेक्ष आदर्श या व्यवहार नहीं है। इसका सीधा अर्थ ही प्राचीनता का अनुवर्ती है। आधुनिकता प्राचीनता के बाद ही आती है। इसलिए हरेक आधुनिकता की एक सुनिश्चित प्राचीनता होती है। इसी तरह प्राचीनता की भी और प्राचीनता होती है। आधुनिकता को और आधुनिक कहने के लिए उत्तर आधुनिकता शब्द का चलन बढ़ा भी है। सच बात तो यही है कि प्राचीनता और आधुनिकता के विभाजन ही कृत्रिम हैं। काल अखण्ड सत्ता है। काल में न कुछ प्राचीन है और न ही आधुनिक। हम मनुष्य ही काल संगति में प्राचीनता या नवीनता के विवेचन करते हैं। प्राचीनता ही अपने अद्यतन विस्तार में नवीनता और आधुनिकता है। हम आधुनिक मनुष्य अपने पूर्वजों का ही विस्तार हैं। वे भी अपनी विषम परिस्थितियों में अपने पूर्वजों से प्राप्त जीवन मूल्यों को झाड़ पोछकर अपने समय की आधुनिकता गढ़ रहे थे। ऐसा कार्य सतत प्रवाही रहता है।

गतिशील समाज वर्तमान से संतुष्ट नहीं रहते। वे उसे और सुंदर बनाने के स्वप्न देखते हैं। कर्म भी करते हैं। वे राजव्यवस्था से भी संतुष्ट नहीं होते। जनतंत्री देशों में चुनाव होते हैं। राजव्यवस्था के कर्ताधर्ता एक निश्चित अवधि बाद चुनाव में जाते हैं। समाज उन्हें बदल देता है या फिर से उन्हें ही काम करने का जनादेश देता है। लेकिन समाज व्यवस्था के बदलने का कोई चुनाव नहीं होता। सामाजिक असंतोष को दूर करने का समयबद्ध उपाय नहीं है। सत्य की प्रतिष्ठा शाश्वत जीवन मूल्य है। असहमति के आदर से समाज की गतिशीलता बढ़ती है। सभी संस्कृतियों में प्राचीन के साथ संवाद की परंपरा है। लेकिन कथित प्रगतिवादी प्राचीन को कालवाह्य बताते हैं। लेकिन सारा पुराना कालवाह्य कूड़ा करकट नहीं होता। वह पूरा का पूरा बदली परिस्थितियों में उपयोगी भी नहीं होता। पुराने के गर्भ से ही नया निकलता है। नवजात में पुराने के अंश भी होते हैं। सत्य, शिव और सुंदर के लिए कर्म चला करते हैं। इन्हीं तीनों की त्रयी विवेचन का मूल आधार बनती है।

आधुनिकता का आग्रह स्वाभाविक है। लेकिन स्वाभाविक आधुनिकता भी प्राचीनता के गर्भ से ही आती है। हमें जीवन मूल्यों का आयात नहीं करना चाहिए। यों आधुनिकता कोई जीवन मूल्य नहीं है और प्राचीनता भी नहीं। दोनों समय और परिस्थिति का ही बोध कराते हैं।

विज्ञान और दर्शन के विकास ने देखने और सोचने की नई दृष्टि दी है। इससे प्राचीनता को सुंदर नूतन परिधान मिले हैं। ऋग्वेद प्राचीनतम ज्ञान कोष है। हम ऋग्वेद के समाज को प्राचीन कहते हैं। ऐसा उचित भी है। ऋग्वेद में उसके भी पहले के समाज का वर्णन है। ऋग्वेद जैसा मनोरम दर्शन और काव्य अचानक नहीं उगा। निश्चित ही उसके पहले भी दर्शन और विज्ञान के तमाम सूत्र थे। वैदिक पूर्वजों ने अपने पूर्वजों से प्राप्त परंपरा का विकास किया। ऋग्वेद की कविता वैदिक काल की आधुनिकता का दर्शन-दिग्दर्शन है। यही बात उपनिषद् और महाकाव्य काल पर भी लागू होती है। महाभारत में धर्म, सत्य और लोकव्यवहार की मान्यताएं बदल गई हैं। इसीलिए उसी समय गीता दर्शन का उदय हुआ। अर्जुन ने उस समय विद्यमान तमाम प्रश्नों और चुनौतियों को मौलिक प्रश्न बनाया। श्रीकृष्ण ने उनके उत्तर दिये। महाभारत काल के लोग गीता दर्शन के उदय को आधुनिक काल कहते थे। श्रीमद् भागवत उसी समय की आधुनिकता का भाव प्रवण चित्रण हैं। इसमें प्रेमरस, भावरस और भक्ति रस का प्रीतिपूर्ण प्रवाह है। लेकिन महाभारत काल की आधुनिकता में भी वैदिक परंपरा की निरंतरता है। सांस्कृतिक निरंतरता पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। असली बात सांस्कृतिक निरंतरता है।

वैदिक काल की निरंतरता का विकास हड़प्पा सभ्यता है। इसे स्वतंत्र सभ्यता बताने वाले गलती पर हैं। कोई भी सभ्यता या संस्कृति शून्य से नहीं उगती। हड़प्पा की सभ्यता नगरीय सभ्यता है। नगरीय जीवन खाद्यान्न सहित तमाम मूलभूत आवश्यकताओं के लिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर निर्भर होते हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था या खेती किसानी के विकास का भी इतिहास है। कौटिल्य का 'अर्थशास्त्र' ईसा के लगभग 325 वर्ष पूर्व की सूचना देता है। इस अर्थशास्त्र में भी वैदिक दर्शन की परंपरा है। 'अर्थशास्त्र' के रचनाकाल का समाज भी अपने समय आधुनिक ही था। अब वह स्वाभाविक ही प्राचीनकाल का भाग है। आधुनिक भारत का समाज प्राचीन भारत के पूर्वजों के सचेत या अचेत परिश्रम का परिणाम है। आधुनिकता में प्राचीनता की चेतना होनी चाहिए लेकिन अंग्रेजी राज के दीर्घकाल में प्राचीनता को अंधविश्वास और पिछड़ापन बताया गया। पूर्वज आर्यों को भी विदेशी पढ़ाया गया। एक अस्वाभाविक आधुनिकता का विकास किया गया। बावजूद इसके कि अनेक यूरोपीय विद्वान भी भारतीय दर्शन और संस्कृति के पक्षधर थे, लेकिन अंग्रेजी सत्ता संस्कृतिहीन समाज बना रही थी। उन्होंने स्वयं को आधुनिक बताया और भारतीय सभ्यता को पिछड़ा।

आधुनिकता भारतीय प्राचीनता की ही पुत्री है। प्राचीनता मां है और आधुनिकता पुत्री। माता पूज्य है और पुत्री आदरणीय। दोनो स्वतंत्र सत्ता नहीं हैं। आधुनिकता को यथासंभव मां के सद्गुणों का अवलम्बन करना चाहिए और देशकाल परिस्थिति के अनुसार स्वयं का पुनर्सृजन व विकास भी करना चाहिए। प्राचीनता पिछड़ापन नहीं है। प्राचीनता का विवेचन जरूरी है। प्राचीनता की गतिशीलता में ही हम आधुनिक होते हैं। गति के साथ अनुकूलन करना और अनुकूलन व अनुसरण में ही प्रगतिशील होते जाना काल का आह्वान है। वर्तमान समाज व्यवस्था व जीवन शैली संतोषजनक नहीं है। इसका मुख्य कारण प्राचीनता से अलगाव है। आयातित आधुनिकता ने हमारी स्वाभाविक संस्थाएं भी तोड़ी हैं। परिवार, प्रीति और आत्मीयता के बंधन टूट रहे हैं। असंतोष विषाद बन रहा है और विषाद अवसाद। इसलिए लोकमत निर्माण में लगे सभी विद्वानों, पत्रकारों, साहित्यकारों, सामाजिक कार्यकर्ता और मूल्यनिष्ठ राजनेताओं को ध्येयनिष्ठ, स्वाभाविक आधुनिकता के सृजन में जुटना चाहिए।

भारतीय प्राचीनता और परंपरा से ही आधुनिकता का विस्तार होता तो हम अपने जीवन मूल्यों और संस्कृति के प्रति आग्रही भाव में आधुनिक होते लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हमारी आधुनिकता 'वास्तविक' नहीं है। यह उधार की है। विदेशी है। यह विदेशी सत्ता के प्रभाव में विकसित हुई है। भारत की स्वाभाविक आधुनिकता के विकास के लिए विवेकानंद, दयानंद, गांधी, डॉ. हेडगेवार और डॉ. आम्बेडकर, पं. दीनदयाल उपाध्याय आदि सामाजिक कार्यकर्ताओं ने तमाम प्रयास किए। लोकमत का परिष्कार और संस्कार भी हुआ। इसके तमाम सकारात्मक लाभ भी हुए। विश्व सम्पर्क से भारत की समझ भी बढ़ी। भारतीय सम्पर्क से विश्व का भी ज्ञानवर्द्धन भी हुआ, लेकिन भारत में लोकमत के संस्कार का काम संतोषजनक नहीं है। हम भारत के लोग बहुधा दुनिया के अन्य देशों की जीवनशैली की प्रशंसा करते हैं। विदेशी सभ्यता को अपनी सभ्यता से श्रेष्ठ बताने वाले भी हैं यहां। संप्रति भारतीय आधुनिकता भारतीय नहीं जान पड़ती। यह प्राचीनता का स्वाभाविक विस्तार नहीं है। इस आधुनिकता में विदेशी जीवनमूल्यों का प्रवाह है। यह भारत के स्वयं को आत्महीन बना रही है। इसलिए मूल परंपरा से संवाद जरूरी है।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

हिमाचल प्रदेश में आपदा प्रबंधन और न्यूनीकरण

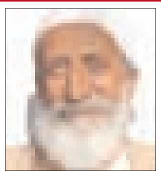

कुलभूषण उपमन्यु

इस व्यवसाय से जुड़े कुछ संवेदनशील लोग उत्तरदायी पर्यटन की अवधारणा के विकास और लागू करने की बात कर रहे हैं। इससे पर्यावरण की सुरक्षा के साथ-साथ पर्यटन व्यवसाय का टिकाऊपन भी सुनिश्चित हो सकेगा। मंडी और कुल्लू जिलों में कुछ समूह इस दिशा में कार्यरत हैं।

समग्र हिमालय की तरह हिमाचल प्रदेश भी जलवायु परिवर्तन के इस दौर में लगातार आपदाओं की चपेट में आता जा रहा है। गत वर्ष की तबाही को अभी तक प्रदेश भूल नहीं पाया है। आपदा प्रभावितों के जख्मों पर अभी तक भी पूरी तरह से मरहम नहीं लगाया जा सका है। प्रदेश की कमजोर आर्थिकी और केंद्रीय सहायता के इंतजार में बहुत काम लटका पड़ा है। खासकर जिनके मकानों के नीचे की जमीन भी क्षतिग्रस्त हो गई है, उन्हें वन संरक्षण अधिनियम के चलते वैकल्पिक जमीन देना भी असंभव बना हुआ है। हिमाचल प्रदेश का 67 प्रतिशत भूभाग वन भूमि है, जिसका भूमि उपयोग बदलना टेढ़ी खीर बना हुआ है। गत वर्ष दो हजार घर पूरी तरह से तबाह हो गए थे और नौ हजार आंशिक रूप से तबाह हुए। 400 से अधिक मूल्यवान जीवनकाल का ग्रास बन गए थे। बाढ़ और भू-स्खलन का यह दौर चाहे जलवायु परिवर्तन के चलते भयंकर स्थिति में पहुंच गया हो या अवैज्ञानिक निर्माण कार्यों के कारण, दोनों ही मामलों में ये आपदाएं मानव निर्मित ज्यादा हैं और प्राकृतिक कम।

हालांकि, हम इन्हें प्राकृतिक आपदाएं कह कर अपनी गलतियों को छुपाने की कोशिश करते रहते हैं। बाढ़ और भू-स्खलन प्राकृतिक तौर पर भी आते रहते हैं, किंतु मानव निर्मित कारणों से ये घटनाएं भयानक बन जाती हैं। जलवायु परिवर्तन भी तो मानव निर्मित आपदा ही है। पिछले डेढ़-दो सौ वर्षों की औद्योगिक क्रांति के बाद के वर्षों में वायुमंडल में हरित प्रभाव पैदा करने वाली कार्बन डाई ऑक्साइड और मीथेन जैसी गैसों के उत्सर्जन के कारण ही तो वैश्विक तापमान में वृद्धि हुई है, जो जलवायु परिवर्तन द्वारा अतिवृष्टि, अनावृष्टि और ग्लेशियरों के पिघलने का कारण बन रही है।

ग्लेशियर पिघलने के कारण हिमालय क्षेत्र में ग्लेशियर के भाग टूट कर और कुछ मलबा मिश्रण घाटियों में

फंस कर कृत्रिम झीलों का निर्माण करता है। ये झीलें अचानक टूट जाती हैं और नीचे भयानक बाढ़ की विभीषिका का मंजर पेश होता है। 90 के दशक में पारछू नदी के उद्गम के नीचे बनी झील के टूटने से सतलुज नदी में आई भयानक बाढ़ ने बड़ी तबाही मचाई थी। पिछले साल हुई तबाही में कई जगह बादल फटने की घटनाएं भी कारण बनीं। जब 100 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में एक घंटे में 10 सेंटीमीटर या इससे अधिक बारिश हो जाए, तो उसे बादल फटना कहा जाता है। ये बादल फटने की घटनाएं भी वैश्विक तापमान वृद्धि के कारण ही बढ़ी हैं।

अब जलवायु परिवर्तन एक सच्चाई बन चुका है। इसलिए हमें हिमालय में निर्माण कार्य इस खतरे को ध्यान में रख कर ही उचित सावधानी से करने चाहिए, क्योंकि हिमालय पर दोहरा खतरा है। एक तो जलवायु परिवर्तन के कारण अतिवृष्टि और ग्लेशियर पिघलने के कारण आने वाली बाढ़ों का खतरा बढ़ जाता है। दूसरे, हिमालय एक कम उम्र का पहाड़ है, जो अभी तक भी बन रहा है। इस कारण कमजोर और भुरभुरा है। भारी बारिश की मार न सह सकने के कारण भू-स्खलन का शिकार हो जाता है। ऐसे नाजुक भू-स्थल को जब अंधाधुंध तोड़फोड़ का शिकार बनाया जाता है, तो भू-स्खलन की तबाही आ जाती है। जब ये भू-स्खलन का मलबा नदी नालों में पंहुचता है, तो उनका तल ऊपर उठ जाता है, जिससे पानी और बाढ़ का बहाव अप्रत्याशित रूप से ऊपर तक तबाही मचा देता है। इस दृष्टि से जल विद्युत के लिए बांध, सुरंगें, चौड़ी सडकें बनाने के लिए निकला मलबा ढलानों पर फेंके जाने से तबाही को बढ़ाने का कार्य करता है। इन निर्माण कार्यों के लिए भारी मात्रा में वृक्ष कटान भी होता है, जो कमजोर भू-स्थल को और कमजोर कर देता है। खनन कार्य भी इसी तरह तबाही का कारण बनता है। ये सभी कार्य एक ओर तो प्रकृति विध्वंस का कारण बनते हैं और दूसरी ओर सरकारी और इन निर्माण और खनन से जुड़े लोगों के लिए आय का साधन होते हैं। विकास के लिए इनका होना जरूरी माना जाता है। इस तरह जो स्थानीय जनता इस तबाही से त्रस्त होती है, वह इनका विरोध करती है और जो इससे लाभान्वित होते हैं, वे इसके पक्ष में खड़े होते हैं, जिससे समाज में आपसी टकराव भी हो जाते हैं। जैसे टिहरी बांध निर्माण के समय बांध विरोधी और बांध समर्थक दो हिस्सों में उस प्रभावित क्षेत्र की जनता बंट गई थी, जो विस्थापित हो जाते हैं, उनकी त्रसदी तो अनंत होती है और कुछ पीढ़ियों तक विस्थापन का दंश उनको झेलना पड़ता है। इस द्वंद्व में हिमालय क्षेत्र फंसा हुआ है। एक तरफ गड्ढा और एक तरफ खाई वाली स्थिति है, जिससे निकलना देश और हिमालय के स्थानीय हित के लिए जरूरी है। हिमालय देश के लिए पानी, शुद्ध हवा, उपजाऊ मिटटी दे कर जिंदा रहने के लिए सबसे जरूरी हवा, पानी और भोजन की सुरक्षा की व्यवस्था करता है। हिमालय की इन पर्यावरणीय सेवाओं को बनाए रखकर ही देश और हिमालय क्षेत्र के भविष्य को सुरक्षित किया जा सकता है। इसलिए हिमालय के पर्यावरणीय तंत्र को सुरक्षित रखना और विकास के कार्यों में आपसी विरोधाभास समाप्त करना ही मुक्ति का मार्ग है। हमारी निर्माण गतिविधियों को वैकल्पिक तकनीकों द्वारा पर्वत विशिष्ट मॉडल के रूप में विकसित करना होगा। सड़क निर्माण से लेकर जल विद्युत तक। उदाहरण के लिए सड़क निर्माण कट एंड फिल तकनीक से करके डंपिंग से होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है। हालांकि, पर्यटन भी ऐसे क्षेत्र के रूप में उभर रहा है, जो स्थानीय आजीविका के लिए जरूरी आधार बनता जा रहा है, किंतु इसके कारण भी पहाड़ी ढलानों पर बढ़ते बोझ और कचरा प्रदूषण के चलते इसका भी नियमन किया जाना चाहिए।

इस व्यवसाय से जुड़े कुछ संवेदनशील लोग उत्तरदायी पर्यटन की अवधारणा के विकास और लागू करने की बात कर रहे हैं। इससे पर्यावरण की सुरक्षा के साथ-साथ पर्यटन व्यवसाय का टिकाऊपन भी सुनिश्चित हो सकेगा। मंडी और कुल्लू जिलों में कुछ समूह इस दिशा में कार्यरत हैं। इन सावधानियों के साथ विकास को देखना आपदाओं को कम करने में मददगार होगा। फिर भी कुछ आपदाओं की संभावना तो बनी ही रहेगी, जिसके लिए आपदा प्रबंधन व्यवस्था को चाक-चौबंद करना होगा। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के रूप में अच्छा कार्य हो रहा है, किंतु तत्काल राहत के लिए स्थानीय समुदायों, स्वयंसेवी संस्थाओं, महिला मंडलों, युवा मंडलों, पंचायतों को जागरूक करना और प्रशिक्षित करना होगा, ताकि जब तक प्रशिक्षित संगठन आपदा ग्रस्त स्थान पर पहुंचे तब तक तात्कालिक सहायता उपलब्ध हो सके।

(लेखक, जल-जंगल-जमीन के मुद्दों के जानकार हैं।)

बालु महेंद्र : सिनेमा को नवजीवन देने वाला शख्सियत

डॉ. विजय शर्मा

बालु महेंद्र ने अपनी सिनेमाटोग्राफर से तमिल फिल्म को एक नई दिशा दी और ऊंचाई पर ले गए। बालु का पूरा नामबालनाथन बालु महेंद्रन था और उनका जन्म 20 मई 1939 को श्रीलंका में हुआ था। पर उनका कार्यक्षेत्र भारत, खासकर तमिलनाडु रहा।

एक समय तकरीबन सभी हिन्दी सिने-प्रेमियों ने फिल्म सदमा देखी और सराही थी। फिल्म में उस समय की हिट जोड़ी कमलहसन और श्रीदेवी मुख्य भूमिकाओं में थीं। असल में यह तमिल फिल्म मून्ड्राई पिरई (1982) थी और स्वयं निर्देशक के जीवन पर आधारित थी।

सिनेमाटोग्राफर राधु करमाकार प्रश्न करते हैं, क्या एक अच्छे कैमरामैन का विकास एक अच्छे निर्देशक के रूप में हो सकता है? आगे वे लिखते हैं, सिद्धांततः इस पर यकीन न करने का कोई कारण नहीं है। आखिरकार कैमरामैन का मुख्य काम निर्देशक के विचार को समझ कर उसे परदे पर रूपायित करना है, चाहे यह फिल्म के रूप में हो अथवा अभिनेताओं के अभिनय के माध्यम से हो।...

इसके दो अच्छे उदाहरण हॉलीवुड की दुनिया के रुडोल्फ मैट और जेम्स वांग हॉवे हैं। हमारे देश में इसका एक उदाहरण बालु महेंद्र हैं। बालु महेंद्र भी फिल्म-निर्देशक बनने के पहले सिनेमाटोग्राफर थे और कुछ समय बाद वे सिने-निर्देशक बने। यह अक्सर होता है, बेहतरीन फोटोग्राफार जल्द निर्देशन का काम संभाल लेते हैं और दोनों क्षेत्र में खूब बढ़िया काम करते हैं। भरतीय सिने-संसार में भी इसके कई उदाहरण मिलते हैं।

बालु महेंद्र ने अपनी सिनेमाटोग्राफर से तमिल फिल्म को एक नई दिशा दी और ऊंचाई पर ले गए। बालु का पूरा नाम बालनाथन बालु महेंद्रन था और उनका जन्म 20 मई 1939 को श्रीलंका में हुआ था। पर उनका कार्यक्षेत्र भारत, खासकर तमिलनाडु रहा। उन्होंने तमिल एवं मलयालम दोनों भाषा में फिल्म बनाई। इन फिल्मों की बदौलत उन्हें पांच नेशनल एवं तीन फिल्मफेयर पुरस्कार प्राप्त हुए। उनकी मृत्यु चेन्नई में 13 फरवरी 2014 को हृदयाघात से हुई।

सिनेमाटोग्राफी, लेखन, निर्देशन सभी में उस्ताद

बालु महेंद्र ने अपनी अधिकतर फिल्मों की सिनेमाटोग्राफी, लेखन, निर्देशन तथा एडिटिंग स्वयं की। कहा जाता है, वे चेन्नई फिल्म उद्योग के पहली लहर के सिने-व्यक्तित्व थे और उन्होंने तमिल सिनेमा को नवजीवन प्रदान किया। बालु ने एफटीआईआई पुणे से सिनेमाटोग्राफी में ग्रेजुएशन किया और वे वहां के स्वर्ण पदक विजेता थे। उन्होंने अपने पेशेगत जीवन की शुरूआत मलयालम फिल्म नेलु से बतौर कैमरामैन 1974 में की। अपनी पहली फिल्म के लिए उन्हें केरल सरकार का सर्वोत्तम सिनेमाटोग्राफी का पुरस्कार प्राप्त हुआ। दक्षिण भारत में रंगीन फिल्म के लिए कैमरा शैली का अन्वेषण करने वाले वे अग्रणी थे। उनकी सराहना प्लॉट के ट्रीटमेंट के लिए तथा तकनीक कलात्मकता दोनों के लिए होती है। यही कारण है, उन्हें अपनी सिनेमाटोग्राफी के लिए दस बार सर्वोत्तम का खिताब मिला।

मून्ड्राई पिरई की खूब होती है चर्चा

बालु ने कथानक में एक नई शैली से उस समय के सिनेमा को परिचित कराया, इस शैली में फिल्मांकन द्वारा पात्र की अभिव्यक्ति को प्राकृतिक लाइट के साथ मिलाया जाता है। इस कारण दर्शक तत्काल कहानी से जुड़ जाता है। इसका जीता-जागता उदाहरण मून्ड्राई पिरई (हिन्दी में सदमा) तथा उनकी एक अन्य फिल्म वीडू है। उनकी फिल्मांकन की विशेषता को छत्तकारी, मुलुम मलरम, शंकराभरणम् जैसी फिल्मों में भी देखा जा सकता है।

इस स्टाइलिश सिनेमाटोग्राफर ने अपने पीछे इस कला की एक भरी-पूरी विरासत छोड़ी है। सिनेमाटोग्राफी के इसी ज्ञान के चलते उन्होंने जो फिल्में बनाई वे भी विशिष्ट हैं। निर्देशन उन्होंने किया, सफल फिल्मों का किया मगर उनका पहला जुनून फोटोग्राफी ही रहा। उनके फिल्माए सिनेमा को देखते ही पहचाना जा सकता है।

उनके पेशे के अन्य लोग उनको सम्मान देते थे, उनकी प्रशंसा करते थे इसीलिए सत्यजित राय के सिनेमाटोग्राफर सुब्रत मित्रा ने उनकी प्रतिभा को मान्यता देते हुए उन्हें व्यूफाइंडर उपहार में दिया था। कमल हासन उन्हें कला और लोकप्रिय सिनेमा में संतुलनकर्ता कहते हैं।

प्रकृति से प्रेम

बालु उन विरल सिने-व्यक्तित्व में से हैं, जो कहानी को चाक्षुष रूप से कहते हैं। तमिल फिल्मों में पारदर्शी हरियाली विरले ही नजर आती थी, बालु ने सोचा इसे परदे पर आना चाहिए। परदे पर आना चाहिए मगर प्रयोगशाला में प्रोसेसिंग के द्वारा नहीं। आसपास जीवन की जो हरियाली दीखती है, उसे वे परदे पर लेकर आए।

प्रकृतिवाद उनका सिग्नेचर है। इसे आप पत्तों से छन कर आती धूप में देख सकते हैं। उनके यहां यह बाहरी शॉट्स में भी दिखता है और आंतरिक दृश्यों में भी नजर आता है। भीतर यह खिड़की-दरवाजों से झांकता है। कभी कोने में रखे लैंप से झरता है, इस कारण कभी-कभी कमरा रहस्यमय लगता है। वे अभिनेताओं के भारी मेकअप के खिलाफ थे और आप उनके काम में अभिनेताओं को ऐसे देखते हैं, मानो वे पहली बार नजर आ रहे हों।

सिनेमाटोग्राफर के अनुसार, बालु ने पहली बार एफटीआईआई से निकले सिनेमाटोग्राफर को प्रसिद्धि दिलाई। उनको प्राकृतिक प्रकाश के लिए जाना जाता है। बालु चाहे गानों को फिल्मा रहे हों, अथवा नृत्य या फिर मूक संवाद को, वे यह सब दर्शक तक अपने कैमरे से संप्रेषित कर पाने में समर्थ थे। यदि कोई गलती करता था तो इतने कुशल और प्रसिद्ध सिनेमाटोग्राफर को बहुत भयंकर गुस्सा आता था। उनकी अंतिम फिल्म तलैमुरैगल के समय कार्तिक शुभ्रमणियन को उनका एक साक्षात्कार लेने का अवसर मिला। यह साक्षात्कार लेने कार्तिक चेन्नई के पास वडपलनि गए। बालु के वर्कशॉप में कार्तिक के सिनेमाटोग्राफर ने इस साक्षात्कार के दौरान एक गलती कई बार की और बालु का गुस्सा फट पड़ा। पर बाद में उन्होंने उस व्यक्ति को उसकी गलती बताई और उसे ठीक करने केलिए विस्तार से समझाया। ऐसे थे बालु महेंद्र। उनके वर्कशॉप में कई फिल्म स्टूडियो और पोस्ट-प्रोडक्शन की सुविधाएं उपलब्ध हैं। हालांकि वे यथार्थवाद से प्रभावित थे, लेकिन उन्होंने अमेरिकन सिनेमा से भी काफी कुछ ग्रहण किया। वे स्वयं नेस्टर एलमेंड्रोज एवं माइकेल चैपमैन जैसे कैमरामैन से प्रभावित थे और वे स्वयं संतोष शिवन, रवि चंद्रन, नटराजान शुभ्रमणियम तथा के. वी. आनंद जैसे सिनेमाटोग्राफर की प्रेरणा हैं।

3-10 अगस्त तक जिले की सभी पंचायतों एवं वार्डों में शिविर का आयोजन

21 से 50 वर्ष की महिलाओं को प्रतिमाह मिलेगी एक हजार रुपया

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। उपायुक्त कोडरमा के निदेशानुसार जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, शिप्रा सिन्हा एवं सहायक निदेशक, जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग, नीतीश कुमार निशांत के द्वारा संयुक्त रुप से बैठक -सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन जिला समाज कल्याण कार्यालय में किया गया। इस कार्यक्रम में झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के क्रियान्वयन से संबंधित विस्तृत जानकारी सभी सदस्यों को दी गयी। विदित हो कि इस योजना के अन्तर्गत सभी वर्ग की 21 से 50 वर्ष की महिलाओं को प्रति माह 1000 रु० प्रोत्साहन राशि प्रदान किया जाना है। विभागीय दिशानिर्देश के आलोक में झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना को सफल बनाने हेतु 03-10 अगस्त तक जिला के सभी पंचायतों एवं वार्डों में विशेष शिविर का आयोजन किया जाना है। उक्त विशेष शिविर से पहले सभी आँगनबाड़ी सेविका को विभाग द्वारा आवेदन पत्र उपलब्ध कराया जाएगा एवं सेविका द्वारा अपने पोषण क्षेत्र की 21 से 50 वर्ष की योग्य महिलाओं को निःशुल्क आवेदन पत्र भरवाया जाएगा। भरे हुए आवेदन पत्रों को विशेष शिविर के माध्यम से ऑनलाइन किया जाएगा। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, कोडरमा एवं सहायक निदेशक, जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग कोडरमा द्वारा बताया गया कि

आवेदिका द्वारा आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित अभिलेखों की स्वहस्ताक्षरित छायाप्रति संलग्न की जायेगी।

आवेदिका के मतदाता पहचान पत्र आधार कार्ड, Adhr Lifked बैंक खाता का पासबुक। आवेदिका का Sifgle Bfk Accouft होना चाहिए, आवेदिका का रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो, राशन कार्ड, पात्रता संबंधी घोषणा पत्र, मोबाइल नंबर

झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों के लिए पात्रता निम्नवत होगी:

झारखड की निवासी हों, आवेदन के समय महिला 21 वर्ष की आयु पूर्ण हो तथा 50 वर्ष से कम आयु की हो, आवेदिका का आधार लिंक्ड सिंगल बैंक खाता हो। वर्तमान में जिनका बैंक खाता आधार लिंक्ड नहीं है वे भी इस योजना का लाभ दिसम्बर-2024 तक उठा सकते हैं, लेकिन इस अवधि के पश्चात आर्थिक लाभ प्राप्त करने हेतु बैंक खाता का आधार लिंक्ड कराना अनिवार्य होगा।

आवेदिका का मतदाता पहचान पत्र हो, आवेदिका का आधार कार्ड हो, आवेदिका का परिवार झारखण्ड राज्य के अंत्योदय अन्य योजना कार्ड (पीला रंग का राशन कार्ड)/पर्ववित्ता प्राप्त गृहस्थ कार्ड (गुलाबी रंग का राशन कार्ड) / ङ-ङ्ग' राशन कार्ड (सफेद राशन कार्ड)/हरा रंग का पृथक राशन कार्डधारी हो, अपवर्जन मानक, निम्न परिस्थितियों में आवेदिका इस योजना के तहत लाभ पाने की अधिकारिणी नहीं होगी।

जिले में गो तस्करी की रोकथाम को लेकर आवश्यक कार्रवाई का निर्देश

गो सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद की अध्यक्षता में बैठक संपन्न

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। परिसदन सभागार में झारखंड गो सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुआ। बैठक में गोचर, गो संरक्षण, गो तस्करी की रोकथाम, गोशाला समेत कई बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा किया गया। अध्यक्ष महोदय ने बैठक में उपस्थित अनुमंडल पदाधिकारी और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को जिले में गो तस्करी की रोकथाम को लेकर आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने जिला पशुपालन पदाधिकारी को सड़क पर इधर -उधर भटक रहे गो व अन्य पशुओं का रख-रखाव करने की व्यवस्था करने को कहा। साथ ही झुमरी तिलैया स्थित गोशाला का जमीन चिन्हितिकरण करने की बात कही। बैठक के दौरान माननीय अध्यक्ष महोदय ने बताया कि महिलाओं के लिए गोबर प्रसंस्करण का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इससे उनकी आर्थिक समृद्धि के द्वार खुलेंगे, स्वरोजगार मिलेगा। विकास के दौर में गोबर का भी उपयोग संपन्नता के लिए किया जा सकता है। अब गोबर से पाउडर, दीया, धूप बत्ती, घर सजावट के सामान भी तैयार किए जा रहे हैं। आने वाले समय में राज्य के सभी ब्लॉक में 200- 200 महिलाओं को गोबर प्रसंस्करण और इसका प्रशिक्षण देकर सबल बनाया जाएगा। जो लोग गो सेवा की इच्छा रखते हैं पर किसी कारण से ऐसा नहीं कर पा रहे, उनकी सहुलियत के लिए आयोग के स्तर से वेबसाइट भी तैयार किया गया है। दूसरे प्रयास भी हो रहे जिससे लोग क्षमता के अनुसार गायों को गोद लें और सेवा करें। उन्होंने कहा कि गौशाला को आत्मनिर्भर बनाने के लिए हमारी गोमाता हमारा दायित्व योजना चलाई जा रही है और आने वाले समय में गो अभियंरण बनाया जायेगा, जिसे इको फ्रेंडली टूरिज्म के रूप में विकसित किया जायेगा। इस मौके पर झारखंड गो सेवा आयोग के उपाध्यक्ष राजीव गिरी, सचिव डॉ संजय मिश्रा, रजिस्टर डॉ मुकेश मिश्रा, अनुमंडल पदाधिकारी रिया सिंह, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी राम सरीक प्रसाद, जिला कल्याण पदाधिकारी अभिषेक आनंद व अन्य मौजूद रहे।

ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन में पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम को श्रद्धांजलि अर्पित की गई

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के अंतर्गत भारत के पूर्व राष्ट्रपति ए पी जे अब्दुल कलाम की 9 वीं पुण्य तिथि श्रद्धाभाव से मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ मृदुला भगत एवं सभी सहायक प्राध्यापक ने उनके छाया चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। महाविद्यालय की बीएड सत्र 2023-25 की मो. सम्मीउल्ला ने अब्दुल कलाम के जीवन संघर्षों एवं सामाजिक योगदानों पर विस्तृत रूप से अपने विचार साझा की। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मृदुला भगत ने अपने संबोधन में कहा कि अब्दुल कलाम जी हमारे पथप्रदर्शक हैं उनके द्वारा राष्ट्र हित में दिए गए योगदान आज मिल का पत्थर साबित हो रहा है हमें उनके सामाजिक सिद्धान्तों को अनुसरण करने की आवश्यकता है। शैक्षणीक समन्वयक सौरभ शर्मा ने अपने संबोधन में अब्दुल कलाम जी के जीवन उपलब्धियों एवं विविध सफल कार्यशैली से अवगत कराया। आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के समन्वयक डॉ मनीष कुमार पासवान ने अब्दुल कलाम जी के द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में दिए गए योगदान से अवगत कराते हैं उनके द्वारा लिखित पुस्तकों को अध्ययन करने पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के बी. एड. सत्र 2023- 35 के प्रशिक्षु निरंजन कुमार, बैजनाथ महतो, मुकेश दास, अमित कुमार राणा, राहुल कुमार, मो. एस्तियाक अंसारी, मुरली यादव, सनोज कुमार शर्मा, राजकुमार गुप्ता, सूरज कुमार, निशा कुमारी, प्रिया कुमारी, सीमा जोजो, अंगूरी खातून, सोनाली कुमारी सिंह, नूतन कुमारी, पूजा कुमारी, मो. सम्मीउल्लाह, सदाकत अंसारी, इफ्तेकार अंसारी, श्रेया पांडेय, पुष्पा कुमारी, मिनल कुमारी, नेहा कुमारी, पुजा कुमारी, कविता कुमारी, प्रीति यादव, शीतल कुमारी एवं अन्य। महाविद्यालय के सभी सहायक प्राध्यापक स्वर्ण सिंह, अवधेश कुमार यादव, डॉ. पवन कुमार, डॉ. रविकांत तिवारी, वीरेंद्र यादव, डॉ. पुजा कुमारी, खुश्बू कुमारी सिन्हा, संजीत कुमार एवं अनिल दास सहित सभी शिक्षेकेतर कर्मचारी सूचित कुमार, दीपक कुमार पांडेय, चुन्नु कुमार, रोहित कुमार, आलम मुख्तार, सुधीर साव, नागेश सिंह, विवेक कुमार एवं ओंकार कुमार उक्त अवसर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन महविद्यालय सहायक प्राध्यापक सीताराम यादव एवं धन्यवाद ज्ञापन मनीष कुमार सिन्हा ने किया।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने मिसाइल मैन डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि मनाई

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के द्वारा पूर्व राष्ट्रपति और भारत के मिसाइल मैन डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि सुभाष चौक झुमरी तिलैया भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के कार्यालय में मनाई गई। जिसकी अध्यक्षता अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष अरशद खान तथा संचालन जिला मीडिया प्रभारी चंद्रशेखर जोशी ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष अनूप जोशी, प्रदेश कार्य समिति सदस्य रमेश सिंह उपस्थित हुए। कार्यक्रम की शुरूआत पूर्व राष्ट्रपति मिसाइल मैन अब्दुल कलाम आजाद की चित्र पर पुष्पांजलि कर उनकी पुण्यतिथि मनाई गई। जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने कहा कि डॉ. कलाम का जन्म 15 अक्टूबर 1931 को रामेश्वरम में हुआ तथा निधन 27 जुलाई 2015 को हुआ था, और इस दिन को राष्ट्रीय स्तर पर उनकी याद में मनाया जाता है। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम, जिन्होंने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपने अद्वितीय योगदान से भारत को गौरवान्वित किया। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (क्रफ्ह) और रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (ऊफ्ख्ह) में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईं। उनके नेतृत्व में भारत ने अग्नि और पृथ्वी जैसी मिसाइलों का सफलतापूर्वक परीक्षण किया एवं परमाणु परीक्षण किया और देश को परमाणु संपन्न देश में विश्व में अपना स्थान दिलाया इसलिए उन्हें मिसाइल मैन कहा जाता था। भारत को विश्व पटल में पहचान दिलाई, इतिहास रचा और भारत का नाम उंचा किया। रमेश सिंह ने कहा कि डॉ. कलाम की सादगी, शिक्षा के प्रति उनकी अदम्य इच्छा और युवाओं को प्रेरित करने की उनकी क्षमता ने उन्हें हर वर्ग के लोगों के दिलों में एक विशेष स्थान दिलाया। अरशद खान ने कहा कि डॉ. कलाम का जीवन और उनके द्वारा किए गए कार्य आज भी देश के युवाओं को प्रेरित कर रहे हैं। कार्यक्रम में उपस्थित जिला महामंत्री शिवेंद्र नारायण सिन्हा, वसीम खान, मो. इजराईल, सागर खान, मो.मुस्ताक हुसैन, अमरजीत सिंह, हसमत जहीर खान, नौशाद आलम, बबलू सिंह, मोहम्मद रसूख, फैजल रहमान खान, उत्तम शर्मा, वीरेंद्र पांडेय, आलोक सिंह, आदि उपस्थित थे।

कांग्रेसियों ने झारखंड गो सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद को पुष्पगुच्छ देकर किया स्वागत

नव प्रदेश/कोडरमा। झारखंड कांग्रेस के प्रदेश सचिव मनोज सहाय पिंकू और प्रदेश प्रतिनिधि नवनीत ओझा बंटी ने शनिवार को जिले के सर्किट हाउस में झारखंड गो सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद को पुष्प देकर उनका स्वागत किया और जिले मे संचालित गौशाला की परेशानियों से उन्हें अवगत कराया। उन्होने कहा की गौशाला जो यहां सुचारू रूप से संचालित हो रही है लेकिन उन्हें कई कठिनाइयों का सामना भी करना पड़ रहा है जैसे गौशाला का अपना हाइड्रोलिक एंबुलेंस नहीं है जिससे रोड एक्सीडेंट में मृत गोवंश को उठाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है वही गो कास्ट मशीन और हाई मास्क लाइट के अनुमोदन की भी मांग की अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद ने इन मांगों को सुनते हुए उन्हें भरोसा दिलाया की गो सेवा आयोग पूरे झारखंड में अपनी जिम्मेदारियां को बखूबी निभा रहा है और गोवंश से संबंधित सभी समस्याओं के समाधान हेतु तत्पर है इसलिए आयोग जल्द से जल्द इन सभी मांगों को पूरा करने में अपनी भूमिका निभाएगा मौके पर जिला अध्यक्ष भागीरथ पासवान, वरीय कांग्रेस नेता आशीष पांडे, अल्पसंख्यक नगर अध्यक्ष सनोवर वारसी, राम लखन पासवान, प्रदीप सिंह आदि मौजूद थे।

गोड्डा के विभिन्न प्रखंडों में स्कूल रुआर कार्यक्रम आयोजित

नव प्रदेश संवाददाता

गोड्डा। राज्य शिक्षा परियोजना के निदेर्शानुसार जिले के विभिन्न प्रखंडों में विद्यालयों में बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने को लेकर चलाए जा रहे 'स्कूल रुआर कार्यक्रम' के तहत कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत प्रखंडों के तमाम जनप्रतिनिधियों तथा शिक्षा विभाग के अधकारियों एवं शिक्षकों ने भाग लेते हुए इस कार्यक्रम को सफल बनाने तथा बच्चों को स्कूल पहुंचने का संकल्प लिया।

कार्यशाला में 5 से 18 वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चे को स्कूलों से अनामांकित और ड्रॉपआउट बच्चों को विद्यालय वापस लाने और शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने को कहा गया। तमाम उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि जो बच्चे स्कूल नियमित नहीं आ रहे है उनके अभिभावकों से मिले समझाए। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा कि 16 दिन तक स्कूल रुआर-2024 अभियान चलेगा। अभियान में लापरवाही न बरतें। शत-प्रतिशत नामांकन हो।

उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम एवं इम्पेक्ट पूरी तरह से विद्यालय में लागू करने के लिए रखा गया है। इसकी सफलता में विद्यालय में गठित प्रबंधन समिति, माता समिति सरस्वती वाहिनी, बाल संसद, जनप्रतिनिधियों, सरकारी व गैरसरकारी संगठन की सहयोग लेकर स्कूल के बाहर राह रहे बच्चे को चिन्हित कर विद्यालय से जोड़ा जाएगा। साथ ही बाल विवाह पर शिक्षकों की भूमिका की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष से काम की लड़कियों का शादी न हो जिसके लिए शिक्षक जागरूक करे।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि पहले दिन सर्वप्रथम स्कूल पहुंचने वाले बच्चों का तिलक लगाकर स्वागत किया जाएगा। अभियान के दूसरे दिन बच्चों की अगली कक्षा में प्रोन्नति एवं बच्चों के स्कूल में ठहराव की स्थिति की समीक्षा के साथ पोषक क्षेत्रों का भ्रमण कर अनामांकित या ड्रॉपआउट बच्चों के अभिभावकों से मिलकर बच्चे के नामांकन के लिए उन्हें प्रेरित करने का कार्यक्रम होगा। तीसरे दिन अनामांकित बच्चों के अभिभावकों से मीटिंग, स्कूल टैगिंग तथा अनामांकित बच्चों के अभिभावकों से मिलने का कार्यक्रम होगा। चौथे दिन यह दायित्व हाउस कप्तान निभाएंगे। पांचवें दिन प्रोजेक्ट इम्पैक्ट के तहत विद्यालय प्रबंधन समिति के सहयोग से नो कास्ट एवं लो कास्ट गतिविधियों की समीक्षा की जाएगी।

छठे व सांतवें दिन स्कूल में संचालित विभिन्न समितियों के माध्यम से विद्यालय की स्वछता के लिए कई प्रयास किए जाएंगे। आठवें दिन स्कूल में नव नामांकन की समीक्षा तथा स्कूल परिसर को ड्रग फ्री कैंपस बनाने के लिए उपायों एवं क्रियान्वयन पर चर्चा होगी। अभियान के नौवें दिन कक्षा छह से 12 के बीच की कक्षाओं में अध्ययनरत छात्राओं के बीच माहवारी स्वछता को लेकर जागरुकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। इसके साथ बाल विवाह निषेध जैसे विषयों पर भी उन्हें जागरूक किया जाएगा।

दसवें दिन जल प्रदूषण, जल संरक्षण एवं जल प्रबंधन से जुड़े विषयों को लेकर पाठ्येत्तर गतिविधियों का आयोजन होगा। 11वें दिन दिव्यांग छात्रों के लिए पेयजल व शौचालय व्यवस्था आदि की समीक्षा की जाएगी। अगले दिन ग्राम पंचायत समिति के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर स्कूल में बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने पर विचार-विमर्श होगा।

13वें दिन बच्चों के लिए बैगलेस डे का आयोजन होगा। इस दिन बच्चे विभिन्न पर्यावरण संबंधित गतिविधियों में भाग लेंगे। बच्चों के लिए विशेष मध्याह्न भोजन भी बनेगा। इसके अगले दिन अनामांकित व ड्राप आउट बच्चों के नामांकन की समीक्षा करना व नव नामांकित बच्चों के स्वागत की तैयारी के कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जाएगा। 16वें एवं अंतिम दिन नव नामांकित बच्चों का स्कूल में स्वागत किया जाएगा। स्वागत समारोह में स्थानीय जन प्रतिनिधियों, पूर्ववर्ती छात्रों, सरकारी पदाधिकारियों को आमंत्रित किया जाएगा। इस मौके पर विभिन्न प्रखंडों में पदस्थापित शिक्षक, बीआरपी, सीआरपी आदि उपस्थित थे।

एक नजर

झामुमों ने फूंका भाजपा का पुतला

नव प्रदेश/झुमरीतिलैया। स्थानीय झंडा चौक पर झामुमो जिलाध्यक्ष बीरेंद्र पाण्डेय के नेतृत्व में पार्टी ने केंद्रीय समिति के निर्देश के आलोक में भाजपा का पुतला दिन शनिवार को फूंका इस दौरान झामुमो जिलाध्यक्ष श्री पाण्डेय व जिला प्रवक्ता संजय साजन ने कहा कि भाजपा झारखंडियो का अपमान करना बन्द करें। नेताओं ने कहा कि विगत दिनों भाजपा के सांसद द्वारा लोकसभा में झारखण्ड राज्य के अभिन्न अंग संथाल परगना प्रमंडल, बिहार एवं पश्चिम बंगाल के कुछ जिलों के लोगों के प्रति गलत ब्यानबाजी करना बन्द करें। कहा कि भाजपा का उक्त बयान झारखण्ड एवं झारखंडी विरोधी मानसिकता का परिचायक है। पुतला दहन के मौके पर केंद्रीय समिति सदस्य बैजनाथ मेहता, जिला सचिव श्यामदेव यादव, जिला उपाध्यक्ष अशोक कुमार, नगर अध्यक्ष दीपक विश्वकर्मा, रामप्रसाद सिंह, छोटेलाल विश्वकर्मा, उमेश यादव, मोती सिंह, रवि शंकर यादव, उमेश यादव,बीरेंद्र यादव, चन्द्रदेव यादव, बासुदेव यादव, सुरेंद्र यादव, बैजू यादव, संजय साव समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

नेरू पहाड़ी झड़प मामले ने पकड़ा तूल, अभी तक नहीं हुई कर्रवाई

नव प्रदेश/डोमचांच। थाना क्षेत्र के नेरूपहाड़ी मे बिगत दिन हुई दो गुटों मे झड़प मामला तूल पकड़ते जा रहा है। लगातार आए दिन कोई न कोई पीड़ित परिवार से मिलकर जा रहा है। दिन शनिवार को (गोलवाढाब) गेंदवाडीह पहुंचकर दिन शनिवार को भीम आर्मी के अन्य सदस्यों ने भी पीड़ित परिवार से मिलकर घटना के बारे मे जानकारी लिया। और ढाढ़स बंधाया। इस दौरान भीम आर्मी की टीम ने बताया की घटना मे संलिप्त लोगों पर अगर कर्रवाई नहीं होती है तो हमलोग धरना-प्रदर्शन करेंगे। ज्ञात हो की थाना क्षेत्र के निरू पहाडी स्थित अजय राणा बॉडी गैरेज के समीप 21 जुलाई देर शाम को दो गुटों मे झड़प हो गई थी। जिसे लेकर सोनू दास पिता मुंशी दास ने एससी-एसटी थाना एवं डोमचांच थाना मे 8 से 10 लोगों के खिलाफ आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई थी. मौके पर प्रेम कुमार, जीतेन्द्र दास, कृष्णा पासवान, ऋषि कुमार, राजेंद्र दास, शिबू दास, सुनील दास, बालेश्वर दास, सुरेंद्र दास, शंकर दास, सोनू दास, महेंद्र दास, पिंटू सिंह यदि अन्य लोग मौजूद थे।

सम्पोषित +2 उच्च विद्यालय बासोडीह प्रबंधन समिति के बबलू सिंह बने अध्यक्ष व सुनीता देवी बनी उपाध्यक्ष

नव प्रदेश/सतगावां। प्रखंड के राज्य सम्पोषित+2 उच्च विद्यालय बासोडीह में शनिवार को विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। वहीं अध्यक्ष बबलू सिंह व उपाध्यक्ष सुनीता देवी को बनाए गए पर्यवेक्षक शाहिद सलीम संतोष कुमार की उपस्थिति में विधिवत चयन प्रक्रिया से पुनर्गठन संपन्न हुआ मालूम हो कि 3 वर्षों के बाद विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन किया जाता है। मौके पर प्रखंड कल्याण पदाधिकारी कपिल देव यादव, मुखिया अनीता देवी, प्रमुख प्रतिनिधि रामावतार चौधरी, सूरज सिंह यादव, अशोक कुमार, अजीत भगत, शिक्षक अवधेश पांडे आदि उपस्थित थे।

डीएवी पब्लिक स्कूल कोडरमा में पिक्कर टॉक और प्रोजेक्ट प्रदर्शनी

नव प्रदेश/कोडरमा। डीएवी पब्लिक स्कूल कोडरमा में सतत विकास प्रक्रिया के अंतर्गत कक्षा एलकेजी से कक्षा दूसरी के बीच पिक्कर टॉक का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने चित्र को देखकर उसके बारे में विस्तृत रूप से बताया। चित्र का विषय जन्म दिवस, पार्क, रेलवे स्टेशन और प्राकृतिक सुंदरता का वर्णन रखा गया था। जिसमें बच्चों ने उत्साह के साथ बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अवनी सिन्हा, अर्शिया अर्णव चौधरी, दक्ष चौधरी, वाणी गुप्ता शान्वी सिन्हा और पृथा वर्णवाल ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर प्रीतराज, कुमारी रूही रंजन, सिमरन कौर, शिरीन राज और आराध्या रहीं। तृतीय स्थान जयदीप, श्रीहन शांडिल्य और अनाया तहरीन ने प्राप्त किया। कक्षा तीसरी से कक्षा बारहवीं के बीच कला समेकित परियोजना प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें सभी बच्चों ने हिस्सा लिया। बच्चों ने एक से बढ़कर एक प्रोजेक्ट बनाए। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कक्षा तीसरी की श्रेया विश्वकर्मा ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर कक्षा पॉचवी की समाद्रिता रहीं। तृतीय स्थान कक्षा पॉचवी की अनुष्का गुप्ता और आन्या ने प्राप्त किया। इस परियोजना का विषय 'कल्चरल कोलाज मेकिंग' था। निर्णायक की भूमिका संध्या कुमारी और लक्की पाठक ने निभाई। कक्षा छठी से लेकर आठवीं के बीच हुई प्रतियोगिता में कक्षा छठी की नंदिनी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर कक्षा आठवीं के वंश राज रहे। तृतीय स्थान पर कक्षा सातवीं की मानवी राय, कक्षा छठी के निशांत कुमार और कक्षा सातवीं की अनुष्का रहीं। इस प्रोजेक्ट का विषय 'लिटरेसी कैरक्टर पोट्रेट' था। निर्णायक की भूमिका शिल्पी गुप्ता ने निभाई। कक्षा नौवीं से बारहवीं के बीच हुई प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कक्षा नवमी की अरात्रिका सिन्हा ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर कक्षा नवमी की कुमारी श्रेया रहीं। तृतीय स्थान कक्षा नवमी की अमीषा सिंह और आरुष वर्णवाल ने प्राप्त किया। निर्णायक की भूमिका गिरजा शंकर पात्रा ने निभाई। इस प्रोजेक्ट का विषयः एनवायरमेंटल स्कल्पचर इंस्टॉलेशन' रखा गया। विद्यालय के प्राचार्य कृष्ण कुमार सिंह बच्चों की मुक्त कंठ प्रशंसा करते हुए कहा इन बच्चों में अद्भुत प्रतिभा छिपी हुई है। समय-समय पर अवसर पाकर यह बाहर आती है। शिक्षकों द्वारा बच्चों के गुणों में विकास किया जाता है। उनकी प्रतिभा को निखारा जाता है। बच्चों द्वारा इतने सुंदर ढंग से प्रदर्शनी तैयार करना इस बात का प्रमाण है। डीएवी विद्यालय कई दशकों से शिक्षा के क्षेत्र में अपना वर्चस्व बनाए हुए हैं और हर क्षेत्र में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने सभी विजेता विद्यार्थियों को बहुत-बहुत बधाई दी और उनका हौसला बढ़ाया। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी शिक्षकों की सराहना की।

डीएमएफटी की योजनाओं में दो ठेकेदारों ने बरती लापरवाही, लगा आर्थिक दंड

पतरातू व मांडू प्रखंड में चल रही विकास योजनाओं पर मिली थी शिकायत

ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल रामगढ़ द्वारा पतरातू प्रखंड के पटेल नगर बैंक मोड़ से पवन क्रूस हाई स्कूल होते हुए लोहा पुल तक पथ निर्माण एवं मांडू प्रखंड के लइयों दक्षिणी क्षेत्र में दूधी बाँध पर पुल निर्माण योजना में गुणवत्ता की कभी की शिकायत पर समीक्षा करते हुए 10-10 फीसदी राशि 760359 रुपये एवं 2978120 रुपये कुल 39 लाख 49 हजार 639 रुपये का आर्थिक दंड लगाने तथा दंड की राशि भुगतान से कटौती कर या नीलाम पत्र द्वारा वसूल करने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त अन्य शिकायतों के तहत संबंधित एजेंसियों को किए गए स्पष्टीकरण पर चर्चा करते हुए उपायुक्त ने तत्काल रूप से सभी एजेंसियों को स्पष्टीकरण का जवाब देने का निर्देश दिया। साथ ही उपायुक्त ने संतोष जनक जवाब प्राप्त नहीं होने तक किसी भी परियोजना में राशि के भुगतान पर रोक लगाने का निर्देश दिया।

डीपीआर का अक्षरशः पालन करें अधिकारी

बैठक के दौरान उपायुक्त ने सभी संबंधित कार्यपालक अभियंताओं को सरकारी योजनाओं के निर्माण के दौरान डीपीआर का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मौके पर उपायुक्त ने गोला प्रखंड अंतर्गत मगनपुर क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग के बगल में अवस्थित तालाब के सौंदर्यीकरण को लेकर स्थानीय लोगों के साथ समन्वय स्थापित कर विकास कार्य किए जाने को लेकर महत्त्वपूर्ण दिशा निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इन सबके अलावा बैठक के दौरान उपायुक्त ने डीएमएफटी के तहत संचालित अन्य योजनाओं जो पूर्व में पूर्ण हो चुकी है। उनका नियमित संचालन सुनिश्चित करने, निमार्णाधीन योजनाओं को ससमय पूर्ण करने साहित अन्य आवश्यक निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त, जिला स्तरीय वरीय अधिकारियों, अधिकारियों, कार्यपालक अभियंताओ सहित अन्य उपस्थित थे।

नव प्रदेश संवाददाता

रामगढ़। जिले में डीएमएफटी के तहत चल रही विकास योजनाओं में लापरवाही बरतना दो ठेकेदारों को महंगा पड़ गया। डीसी चंदन कुमार ने शनिवार को बैठक के दौरान दोनों संवेदकों पर आर्थिक दंड लगाने का आदेश जारी किया है। डीसी चंदन कुमार की अध्यक्षता में डीएमएफटी की तहत संचालित योजनाओं एवं चल रहे निर्माणकारियों को लेकर बैठक का आयोजन किया गया था। इस दौरान सर्वप्रथम उपायुक्त ने विकास शाखा एवं डीएमएफटी टीम से रामगढ़ जिला अंतर्गत विभिन्न प्रखंडों में डीएमएफटी के माध्यम से ली गई योजनाओं में प्राप्त शिकायतों एवं निर्माण कार्यों में गुणवत्ता की कमी को लेकर संबंधित विभागों से पूछे गए स्पष्टीकरण की जानकारी ली।

उपायुक्त ने भवन प्रमंडल द्वारा उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय दूधमटिया गोला एवं राजकीय मध्य विद्यालय रजरप्पा प्रोजेक्ट में किचन शेड एवं स्टोर रूम निर्माण कार्य में गुणवत्ता की कमी को लेकर अन्य अधिकारियों के साथ समीक्षा के क्रम में संबंधित संवेदक पर कार्रवाई करते हुए 5 फीसदी के कार्य राशि 91470 रुपये एवं 119690 रुपये का आर्थिक दंड निर्देश दिया।

बदमाशों ने टाइकून कंपनी के कर्मियों को दी धमकी, ग्रेडर मशीन और हाइवा में लगा दी आग

नव प्रदेश संवाददाता

हजारीबाग। जिले के केरेडारी थाना क्षेत्र अंतर्गत एनटीपीसी चट्टीबरियातू कोल परियोजना में अपराधियों ने जमकर उत्पात मचाया। ये वारदात उस वक्त हुई जब टाइकून कंपनी ओबी हटाने का कार्य कर रही थी। ये घटना 26 जुलाई की रात 2.15 बजे की है। अपराधियों ने वहां काम कर रहे कर्मियों को पहले जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद कंपनी के वर्क शॉप में मौजूद ग्रेडर मशीन और वोल्वो हाइवा वाहन (एपी 26 टीएफ 6053) को आग लगा दिया। इस घटना में ग्रेडर मशीन पूरी तरह जलकर राख हो गयी जबकि वहां खड़ी वोल्वो हाइवा वाहन को ड्राइवरों ने जलने से बचा लिया।

घटनास्थल से एक पर्चा भी बरामद हुआ है, जिसमें बीकेएस तिवारी ग्रुप ने घटना की जिम्मेवारी ली है। पर्चे में विपिन पांडे नामक शख्स का उल्लेख किया गया है। साथ ही ऋतिक, त्रिवेणी सैनि, बीजीआर कंपनी को संगठन के साथ मिलकर चलने और एनटीपीसी के पांडू और चट्टीबरियातू के जनप्रतिनिधियों से कंपनी की दलाली बंद करने की चेतावनी दी गयी है। ऐसा न करने पर गोली मारने की धमकी दी गयी है। केरेडारी पुलिस उस पर्चे को जब्त कर मामले की छानबीन में जुटी है। पुलिस आसपास के इलाकों में सघन छापेमारी कर रही है।

खूंटी में जिला स्तरीय चयन समिति की बैठक

नव प्रदेश/खूंटी। उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में शनिवार को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, झारखण्ड बालिका आवासीय विद्यालय और नेताजी सुभाषचन्द्र बोस आवासीय विद्यालय, खूंटी में बालक एवं बालिकाओं के नामांकन के संबंध में जिला स्तरीय चयन समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में उपायुक्त ने जिला स्तर पर समेकित सूची का अवलोकन किया। समिति के सभी सदस्यों से सूची के संबंध में विचार-विमर्श किया गया और संबंधित विद्यालयों में नामांकन की सूची का अनुमोदन किया गया। यथाशीघ्र सभी चयनित छात्र-छात्राओं का नामांकन कराने का निर्देश दिया गया। बैठक में सांसद प्रतिनिधि, विधायक प्रतिनिधि, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, सभी प्रखण्ड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी सहित सभी विद्यालयों की वार्डन उपस्थित थी।

विवा इंटरनेशनल स्कूल में स्टूडेंट्स लीगल लिटरेसी क्लब की स्थापना

नव प्रदेश संवाददाता

रामगढ़। जिले के विवा इंटरनेशनल स्कूल में स्टूडेंट्स लीगल लिटरेसी क्लब की शुरूआत की गई है। झालसा के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे के मार्गदर्शन में शनिवार को क्लब की शुरूआत हुई। इस क्लब का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को कानूनी ज्ञान से सशक्त बनाना और उन्हें उनके विधिक अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना है।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश आलोक कुमार दुबे के साथ जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव अनिल कुमार एवं व्यवहार न्यायालय रामगढ़ के रजिस्ट्रार हर्षित तिवारी ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। अनिल कुमार ने अपने संबोधन में कानूनी साक्षरता के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि कानूनी साक्षरता न केवल ज्ञान का साधन है, बल्कि यह समाज में न्याय और समानता की स्थापना के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण है।

पीडीजे ने दी लीगल लिटरेसी क्लब के उद्देश्य की जानकारी

मुख्य अतिथि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश आलोक कुमार दुबे ने बच्चों को समय के सदुपयोग और जीवन में समय प्रबंधन के महत्व के बारे में बतलाया। इस कार्यक्रम के दौरान छात्रों को लीगल लिटरेसी क्लब के उद्देश्य और आगामी गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई। क्लब के सदस्य स्कूल के विभिन्न कक्षाओं से चयनित किए गए हैं, जो नियमित रूप से विधिक साक्षरता शिविर, कार्यशालाएं, और चचाओं का आयोजन करेंगे। इस अवसर पर छात्रों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता, निबंध लेखन और वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में विजेताओं को मुख्य जिला एवं सत्र न्यायाधीश के द्वारा पुरस्कृत किया गया। सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

रामगढ़ में आकर्षक राखी, लड्डू गोपाल के वस्त्र और श्रृंगार की वस्तुओं का लगा मेला

नव प्रदेश संवाददाता

रामगढ़। जिले की अग्रणी सेवाभावी संस्था मारवाड़ी महिला समिति द्वारा स्थानीय जैन भवन के सभागार में दो दिवसीय तीज मेले की शुरूआत की गई है। मेले का शुभारंभ शहर की वरिष्ठ चिकित्सक एवं सिविल सर्जन डॉक्टर महालक्ष्मी प्रसाद ने दीप प्रज्वलित कर किया। उक्त अवसर पर डॉक्टर प्रसाद ने समिति द्वारा किए जा रहे जनकल्याणकारी कार्यों की सराहना की। उन्होंने समिति के कार्यों के लिए समिति को शुभकामनाएं प्रदान करते हुए समिति के उज्जवल भविष्य की कामना की।

समिति की अध्यक्षा निशा जैन ने बताया मेले का उद्देश्य आगामी त्यौहार हरितालिकातीज, रक्षाबंधन तथा जन्माष्टमी आदि त्योहारों के लिए लोगों को एक ही छत के नीचे जरूरत के सभी नवीन एवं आकर्षक सामान उपलब्ध कराना है। इस कारण हमने शहर के तथा संपूर्ण झारखंड की सभी नामी बूटिको को अपने नवीनतम संग्रह के साथ आमंत्रित किया है। इसी का प्रतिफल है कि हमारे मेले में एक से बढ़कर एक वस्तुएं उपलब्ध है।

निशा जैन ने बताया यूं तो प्रति वर्ष हमारे द्वारा लगाए जाने वाले मेले में हमारी बहनें संतुष्टि का एहसास करती है लेकिन इस बार का हमारी बुटीक बहनों का प्रयास उनका मन मोह लेगा। मेले का आयोजन 27 एवं 28 जुलाई दो दिनों तक चलेगा। इस कारण उन्होंने लोगों से दोनों दिन अपनी भागीदारी प्रदान करने की अपील की है। समिति की सचिव रिद्धि जैन ने उद्घाटन समारोह में आए हुए मुख्य अतिथि, शहर के गणमान्य लोग तथा बुटीक बहनों का समिति की तरफ से आभार व्यक्त किया।

मेले को सफल बनाने में समिति की तरफ से अरुणा जैन, प्रिया अग्रवाल, गरिमा अग्रवाल, सुधा गोयल, मंजू मैडम, पुष्पा अग्रवाल, रेनू मित्तल, अनिता बंसल, सिंपल बेरेलिया, नैना मेवाड़, पूनम गर्ग, निकिता गोयल पिंकी गोयल, सरिता जैन, शकुंतला अग्रवाल, उर्मिला साह, सविता अग्रवाल आदि ने अपना बहुमूल्य योगदान दिया।

खूंटी में जिला सड़क सुरक्षा समिति की हुई बैठक

नव प्रदेश/खूंटी। उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में शनिवार को जिला सड़क सुरक्षा समिति की हुई बैठक में सड़क दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने के उपायों की समीक्षा की गई। संबंधित अधिकारियों को सड़क दुर्घटना को नियंत्रित करने की दिशा में आवश्यक पहल करने का निर्देश दिया गया। निर्देशित किया गया कि हिट एंड रन के मामलों में मुआवजा भुगतान कराने की दिशा में आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर कार्रवाई की जानी चाहिए। उपायुक्त ने जिले के सभी चिह्नित ब्लैक स्पॉट के समीप आवश्यकतानुसार रंबल स्ट्रिप और साइनेज लगाने का निर्देश दिया। जिले में घनी आबादी वाले क्षेत्रों में सड़क दुर्घटना को कम करने के उद्देश्य से संबंधित साइनेज लगाया जाना चाहिए। अधिकारियों कोगुड समरिटन का प्रचार-प्रसार करने का निर्देश दिया गया। जिले के चिह्नित किए गये ब्लैक स्पॉट तथा वलनरेबल स्पॉट की समीक्षा के दौरानउपायुक्त ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को किस तरह नियंत्रित किया जाय, इस दिशा में पहल करने की आवश्यकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारी को मुख्य मार्गों पर गति सीमा संबंधित साइनेज लगाने का निर्देश दिया। बैठक में नगर क्षेत्र में हो रहे जाम, यातायात व्यवस्था तथा वाहनों के ठहराव की समस्या पर विचार-विमर्श किया गया। सड़क सुरक्षा से संबंधित अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सड़क दुर्घटनाओं को कम करने कें लिए नियमित रूप से वाहन चेकिंग अभियान चलायें। बैठक में पुलिस अधीक्षकअमन कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारी शामिल थे।

चुनाव से पहले सूची में शामिल करें हर मतदाता का नाम : आयुक्त

नव प्रदेश संवाददाता

रामगढ़। झारखंड विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू हो गई है। मतदाता सूची द्वितीय विशेष संक्षिप्त प्रशिक्षण कार्यक्रम चल रहा है। हजारीबाग की आयुक्त सुमन कैथरीन किस्पोट्टा ने शनिवार को रामगढ़ जिले का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले हर मतदाता का नाम सूची में शामिल होना आवश्यक है। उन्होंने परिसदन सभाकक्ष में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त चंदन कुमार सहित अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की।

बैठक के दौरान आयुक्त ने मतदाता सूची द्वितीय संक्षिप्त प्रशिक्षण कार्यक्रम 2024 के तहत अब तक हुए कार्यों का जायजा लिया। साथ ही उन्होंने अभियान के तहत प्राप्त विभिन्न आवेदनों, प्रपत्रों की समीक्षा करते हुए जल्द से जल्द मामलों को निष्पादित करने का निर्देश दिया। मौके पर आयुक्त ने द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत निर्धारित विशेष शिविर दिवसों पर मतदान केन्द्रों सहित अन्य स्थानों पर आयोजित किए जाने वाले शिविरों को सफलतापूर्वक आयोजित करने तथा प्रत्येक मतदाता का नाम मतदाता सूची में होना सुनिश्चित करने को लेकर कई दिशा-निर्देश अधिकारियों को दिए।

शिविर दिवस के लिए मतदान केंद्रो का लिया जायजा

बैठक के उपरांत आयुक्त ने 22 बड़कागांव एवं 23 रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्र संरक्षण का द्वितीय विशेष संक्षिप्त प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत हुए कार्यों तथा विशेष शिविर दिवस के तहत आयोजित शिविरों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने 22 बड़कागांव अंतर्गत मतदान केंद्र संख्या 430, 431, 433, 434, 435, 436, 437, 441, 442, 443, 438, 439 एवं 23 रामगढ़ अंतर्गत मतदान केंद्र संख्या 1, 2, 191, 192, 236, 237, 238 239, 240, 241, 242 का निरीक्षण कर द्वितीय मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 के तहत 25 जुलाई को हुए मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन का जायजा लिया।

मौके पर आयुक्त ने सभी बीएलओ सहित अन्य कर्मियों को उनके उनके क्षेत्र में प्रत्येक मतदाता का नाम मतदाता सूची में अंकित होना सुनिश्चित करने, लोगों को मतदाता सूची में अपना नाम जांच करने हेतु वोटर हेल्पलाइन एप सहित अन्य ऑनलाइन माध्यमों के प्रति जागरूक करने सहित अन्य आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

28 जुलाई, 3 और 4 अगस्त को लगेंगे शिविर

आयुक्त ने मतदाता सूची द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत निर्धारित विशेष शिविर दिवस 28 जुलाई, 3 अगस्त एवं 4 अगस्त को मतदान केन्द्रों पर उपस्थित रहकर मतदाताओं को मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इस मौके पर उन्होंने द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 के सफल आयोजन को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी रविंद्र कुमार गुप्ता सहित अन्य उपस्थित थे।

एक नजर

पिता ने की बेटी की हत्या, गिरफ्तार

नव प्रदेश/गिरिडीह। जिले के देवरी थाना इलाके के महेशियादीघी गांव में शनिवार की सुबह एक महिला का शव उसके मायके के बाहर में पड़ा देख गांव में कोहराम मच गया। लेकिन कुछ देर में स्थिति स्पष्ट हो गई । बताया गया कि मृतिका 40 वर्षीय मंजू देवी पिछले कई महीनों से पति से अलग हो कर मायके महेशियडीघी में रह रही थी। मृतिका के पिता प्रभुनाथ सिंह ने कई बार बेटी को अपने ससुराल जाने को कह था। जानकारी के अनुसार मृतिका तीन बेटियों की मां थी और ससुराल उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में है। मंजू अपने पति घनश्याम सिंह से पिछले कई महीनों से अलग हो कर रह रही थी। मंजू की हत्या के बाद गांव में चर्चा है कि उसका अफेयर गांव के दो बच्चो के पिता संजय राम के साथ चल रहा था और इसी बात को लेकर पिता प्रभुनाथ सिंह गुस्से में कई बार बेटी को ससुराल जाने को कह चुका था। हालाकि जानकारी के अनुसार संजय राम भी अपहरण के आरोप में फिलहाल जेल में बंद है। आरोप है कि बेटी के द्वारा ससुराल जाने से इनकार किए जाने पर ही उसकी हत्या शुक्रवार की देर रात उसके पिता प्रभुनाथ सिंह ने तेज धारदार हथियार से कर दी थी। दूसरे दिन शनिवार की सुबह जब देवरी थाना प्रभारी सोनू कुमार पहुंचे, तो आरोपी पिता ने अपराध कबूला और कहा कि अपनी बेटी की हत्या कटारी से की है। इस दौरान देवरी थाना पुलिस ने आरोपित पिता को गिरफ्तार कर लिया है। जिस हथियार से हत्या को अंजाम दिया गया वह काटारी भी बरामद कर लिया है।

हजारीबाग फुटबॉल टूर्नामेंट चार अगस्त को

हजारीबाग। सदर विधानसभा क्षेत्र में ग्रामीण खेल प्रतिभा को बढावा देने के उद्देश्य तथा युवाओं की मांग पर भाजपा की महिला नेता शेफाली गुप्ता के सौजन्य से 04 अगस्त को खेलो विधानसभा क्षेत्र हजारीबाग फुटबॉल टूनार्मेंट-2024 का आयोजन होगा। कर्जन ग्राउंड में टूनार्मेंट का उद्घाटन होगा, जिसमें बतौर मुख्य अतिथि भाजपा झारखंड प्रदेश के कई वरीय नेता तथा हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल शामिल होंगे। यह टुनार्मेंट सदर विधानसभा क्षेत्र के पांच स्थानों सदर प्रखण्ड, कटकमदाग प्रखण्ड, कटकमसांडी प्रखण्ड, दारू प्रखण्ड एवं कर्जन ग्राउंड में आयोजित होगा। इसकी शुरूआत हजारीबाग कर्जन ग्राउंड से होगी। सदर विधानसभा क्षेत्र के सभी पंचायत की टीमें इसमें हिस्सा लेंगी।

श्रीगुरुनानक पब्लिक स्कूल में एक पेड़ मां के नाम अभियान शुरू

नव प्रदेश/रामगढ़। शहर के श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल में शनिवार को एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरूआत की गई। इस अभियान में विद्यालय के सभी वर्गों के छात्रों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर स्वागत गान, कविता वचन तथा पर्यावरण को कैसे हरा भरा रखा जाए, प्रकृति को कैसे प्रदूषण मुक्त बनाएं तथा इसे किस प्रकार से सुरक्षित रखा जाए विषय पर भाषण दिया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत बच्चों के बीच 2500 पौधों का वितरण किया जाएगा। यह कार्यक्रम एक सप्ताह तक चलेगा और विद्यालय के हर एक विद्यार्थी को पौधा दिया जाएगा। आज 150 पौधे भी बांटे गए। विद्यालय के हितधारकों के समन्वय से आगामी सप्ताह वृक्षारोपण सप्ताह के रूप में मनाया जाएगा। एसजीएनपीएस के बच्चे अपनी प्यारी मां के साथ मिलकर पौधे लगाएंगे और उनके साथ सेल्फी खींचकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करेंगे और इसे सुरक्षित रखेंगे भी। इस सप्ताह के दौरान बच्चे जैव विविधता के प्रति अपने अटूट समर्पण का प्रदर्शन करेंगे। स्कूल के शिक्षक बच्चों और उनके अभिभावकों के साथ मिलकर अधिक से अधिक पेड़ लगाने की प्रतिबद्धता जताएंगे। इस कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के बच्चों को पौधरोपण के महत्व और हमारे पर्यावरण पर इसके सकारात्मक प्रभावों के बारे में जागरूक किया जाएगा। एसजीएनपीएस के बच्चे स्कूल स्टाफ के साथ मिलकर लगाए गए पेड़ों की निगरानी करेंगे। इस अवसर पर स्कूल प्रबंधक और स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्य सरदार हरपाल सिंह अरोरा, सरदार परमिंदर सिंह जस्सल, सरदार कुलजीत सिंह कालरा, सरदार मनमोहन सिंह लांबा, सरदार परमजीत सिंह चमन, सरदार हरदीप सिंह, सरदार पुष्पिंदर सिंह छाबड़ा, सरदार कुलजीत सिंह छाबड़ा, सरदार इंद्रपाल सिंह सैनी, सरदार विवेक विक्रमजीत सिंह कोहली एवं मीडिया प्रभारी सरदार करमजीत सिंह जगी भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

गिरिडीह में महिला के गले से चेन की छिनैती

नव प्रदेश/गिरिडीह। नगर थाना क्षेत्र में गिरिडीह कोर्ट के समीप शनिवार को दो बाईक सवार उच्चकों ने एक महिला के गले से सोने की चेन झपट कर फरार हो गए। घटना दोपहर बाद की है। गिरिडीह नगर थाना पुलिस सदर अस्पताल के समीप पहुंच कर भुक्तभोगी महिला से पूछताछ करने के साथ आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को भी खंगालने मे जूटी है।

खूंटी में जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक

नव प्रदेश/खूंटी। उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में शनिवार को जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक आयोजित हुई। बैठक गत एक माह के दौरान खनिज पदार्थों के अवैद्य खनन और परिवहन की रोकथाम की दिशा में संबंधित अधिकारियों द्वारा की गई कार्रवाई की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्देशित किया कि खनिजों के अवैद्य खनन स्थलों को चिह्नित कर जिला खनन टास्क फोर्स टीम आपस में समन्वय बनाकर अवैद्य खनन एवं परिवहन के मार्गों पर विशेष निगरानी रखें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यकतानुसार चेक पोस्ट बनाने का निदेश दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि तोरपा, कर्रा एवं जरियागढ़ थाना क्षेत्र में विशेष छापामारी अभियान चलाया जाना चाहिए। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दियाा कि बालू घाट वाली पंचायत के गांवों में नियमित तौर पर विशेष ग्रामसभा का आयोजन कर ग्रामीणों को अवैध बालू उत्खनन के प्रति जागरुक किया जाना चाहिए। मोटर यान निरीक्षक को निर्देश दिया गया कि अवैध परिवहन करने के आरोप में थाने में जब्त वाहनों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। समीक्षा बैठक में एसपी अमन कुमार,, जिला खनन पदाधिकारी राम नरेश सिंह, जिला परिवहन पदाधिकारी, खान निरीक्षक, मोटर यान निरीक्षक सहित अंचलाधिकारी और थाना प्रभारी उपस्थित थे।

सावन में न खाएं मांस-मछली, साग व दही

बिहार और उत्तर प्रदेश के सर्वाधिक लोकप्रिय जनकवियों में घाघ भी हैं। मुगल सम्राट अकबर के समकालीन घाघ अनुभवी किसान थे, जिन्होंने प्रकृति-चक्र का सूक्ष्म निरीक्षण किया और कालांतर में एक व्यावहारिक कृषि वैज्ञानिक बने। घाघ ने अपने अनुभवों को दोहों और कहावतों में ढालकर उन्हें जन-जन तक पहुंचा दिया। सदियों पहले जब टीवी या रेडियो नहीं हुआ करते थे और न सरकार का मौसम विभाग, तब किसान-कवि घाघ की कहावतें ही खेतिहर समाज का पथप्रदर्शन किया करती थी। उन्होंने एक वैद्य की भांति लोगों को भोजन के बार में भी पथ प्रदर्शन किया है :

चैते गुड़ बैसाखे तेल, जेठे पन्थ असाढ़े बेल।
सावन साग न भादो दही, क्वार करेला न कातिक मही।
अगहन जीरा पूसे धना, माघे मिश्री फागुन चना।
ई बारह जो देय बचाय, वहि घर बैद कबौं न जाये।

यहां हम आपको सावन महीने में मांसाहार, साग व दही क्यों नहीं खाना चाहिए, उसका धार्मिक व वैज्ञानिक कारण बता रहे हैं। इसे महाकवि घाघ ने पहले ही कह दिया था।

सावन में क्यों नहीं खाना चाहिए मांस और मछली, जानिए धार्मिक और वैज्ञानिक आधार

सावन का महीना हिंदू कैलेंडर में सबसे पवित्र महीना माना जाता है। सावन के महीने में हिंदू धर्म के लोग मांस मछली और अंडा नहीं खाते हैं।. सावन के महीने में नॉन वेज नहीं खाने का धार्मिक और वैज्ञानिक आधार भी हैं। सावन के महीने में ज्यादातर हिंदू मांस मछली का सेवन एक महीने के लिए बंद कर देते हैं। कई लोग अक्सर ये सवाल पूछते हैं कि आखिर क्यों सावन के महीने में मांस मछली नहीं खाना चाहिए। दरअसल सावन के महीने में मांस मछली नहीं खाने का धार्मिक और वैज्ञानिक कारण है। दोनों ठोस कारण हमें सावन में मांस मछली से परहेज रखने की बत बताते हैं। सावन को लेकर धर्म की अपनी व्याख्या है। सावन के इस मास को लेकर वैज्ञानिकों की अपनी अलग राय है।धार्मिक और वैज्ञानिक दोनों ये बताते हैं कि इस महीने मांस मछली से दूर रहना चाहिए। सावन का महीना बड़ा पवित्र महीना होता है। सावन के महीने में तामसी भोजन यानि की मांस, मछली और अंडा जैसे खाद्य पदार्थों से दूर रहना चाहिए। सावन मास में सात्विक भोजना करना चाहिए। सात्विक भोजन से हमारा मन शांत रहता है। तामसी भोजन से हमारा मन आवेग में रहता है। भक्ति भाव के लिए मन का शांत होना जरुरी होता है। जब हमारा मन शांत होगा तब हम धर्म कर्म में ध्यान लगाएंगे। तामसी भोजन करने से हमें गुस्सा ज्यादा आएगा। तामसी भोजन हमारे मन को स्थिर नहीं रहने देता है।

धार्मिक मान्यता

धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान भोलेनाथ मां पार्वती का ये महीने सबसे प्रिय महीना होता है। पूरे श्रावण मास में मां पार्वती और शिव जी दोनों ध्यान में रहते हैं। स्कंद पुराण के मुताबिक सावन के महीने में मांस मछली खाने से शिवजी नाराज होते हैं। मांस मछली खाने वालों से शिवजी दूरी बढ़ा लेते हैं। स्कंद पुराण के मुताबिक सावन भक्ति भजन का महीना होता है। भक्ति और भजन के महीने में हमें तामसी भोजन से परहेज रखना चाहिए। लहसुन और प्याज को गरिष्ठ भोजन में गिना जाता है लिहाजा इसका भी परहेज करना चाहिए।

मांस मछली नहीं खाने का वैज्ञानिक कारण

सावन के महीने में मांसाहारी भोजन नहीं करना चाहिए इसके वैज्ञानिक आधार भी हैं। सावन के महीने में सूर्य की रोशनी धरती पर कम पड़ती है। धरती पर सूर्य की रोशनी कम पड़ने के चलते लोगों की पाचन प्रक्रिया कमजोर होती है। इस महीने में जलवायु परिवर्तन सबसे ज्यादा होता है।लगभग 1 महीने पहले शुरू हुई बारिश के बाद सभी ताल तलैयों में पानी भर जाता है। चारों और गंदा पानी भर जाता है। मछली उस गंदे पानी में रहकर गंदगी का सेवन करती हैं, जिससे उसके अंदर रोग और गंदगी भर जाती है। सावन के महीने में अगर मांस मछली खाते हैं तो गंदगी हमारे पेट में भी चली जाती है। गंदगी के चलते हमारा पाचन तंत्र कमजोर हो जाता है। पेचिश और पेट खराब होने की समस्या बढ़ जाती है। गंदगी के चलते कई गंभीर बीमारी पैदा करने वाले विषाणु भी हमारे शरीर में तामसी भोजन के जरिए पहुंच जाते हैं। इन तमाम कारणों के चलते सावन के महीने में मांस मछली खाने से डॉक्टर भी मना करते हैं।

एक और जरुरी कारण: सावन के महीने में हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता सबसे निचले स्तर पर होती है। इसकी वजह मौसम में होने वाला परिवर्तन और जलवायु परिवर्तन दोनों होता है। गर्मी और बारिश दोनों इस मौसम में होते हैं। बारिश होने पर मौसम ठंडा होता है जबकि एक-दो दिन बारिश नहीं होने से मौसम गर्म हो जाता है। ऐसी स्थिति में हमारा इम्यून सिस्टम बहुत कमजोर होता है। ऐसे में ज्यादा गरिष्ठ भोजन पाचन प्रक्रिया को बिगाड़ देता है।

सावन में नहीं खाना चाहिए कढ़ी और दही, जानें धार्मिक और वैज्ञानिक कारण

भगवान शिव का प्रिय मास सावन शुरू हो चुका है। सावन मास में कुछ चीजों के सेवन को लेकर सख्त मनाही है। धर्म शास्त्रों में सावन मास में दही से संबंधित चीजें जैसे कढ़ी रायता आदि चीजों का सेवन करना वर्जित बताया है। सावन मास में इन चीजों का सेवन करना कई बीमारियों को दावत देता है। आइए जानते हैं आखिर सावन मास में कढ़ी और दही खाना क्यों नहीं चाहिए...

धार्मिक मान्यता

आयुर्वेद के अनुसार, सावन मास में दूध या दही से बनी किसी भी चीज का सेवन नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से कई तरह की बीमारियों का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही कच्चे दूध का सेवन करने से भी बचना चाहिए। धार्मिक मान्यताओं में बताया गया है कि सावन मास में भगवान शिव को कच्चा दूध अर्पित किया जाता है इसलिए इस मास में कच्चा दूध व इससे संबंधित चीजों का सेवन करना वर्जित है। कढ़ी बनाने के लिए दही का इस्तेमाल किया जाता है इसलिए सावन मास में कढ़ी या दूध, दही से संबंधित चीजों का खाना वर्जित बताया गया है।

वैज्ञानिक कारण

सावन मास में कढ़ी, दूध, दही से संबंधित चीजों के खाने से स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इन चीजों का सेवन करने से पाचन तंत्र पर इसका बुरा असर पड़ता है। सावन मास में बारिश भी अधिक होती है, जिसकी वजह से अनचाही जगहों पर घास उगने लगती है और कई तरह के कीड़े मकोड़े उन पर रहते हैं। ऐसे में गाय भैंस घास चरने लगती हैं, जिसका प्रभाव उनके दूध पर पड़ने लगता है। यह दूध सेहत के लिए बिल्कुल भी फायदेमंद नहीं होता है। इसलिए इस मौसम में दूध दही से संबंधित चीजों का सेवन करने की मनाही है या फिर जितना कम हो सके उतना कम इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है।

सावन मास में न करें कढ़ी का सेवन

सावन मास में दूध दही और उनसे बनने वाली चीजें जैसे कढ़ी, रायता आदि का सेवन करना वर्जित बताया है। इसका नकारात्मक प्रभाव स्वास्थ्य पर पड़ता है। कढ़ी के सेवन से पाचन तंत्र पर इसका बुरा प्रभाव पड़ता है, क्योंकि दही में एसिड वात के होने से कई तरह की परेशानियां बनी रहती हैं। आयुर्वेद के अनुसार, सावन मास में पाचन क्रिया धीमी रहती है, ऐसे में कढ़ी व दही का पाचन करने में परेशानी हो सकती है। साथ ही वात की भी समस्या बनी रहती है।

चातुर्मास में इन चीजों का सेवन न करें

चातुर्मास के चार महीनों का समय होता है और इस बार अधिकमास या मलमास की वजह से चातुर्मास पांच महीनों का होने वाला है। चातुर्मास में सावन, भाद्रपद, आश्विन और कार्तिक मास होते हैं। इसलिए **सावन मास में हरी पत्तेदार सब्जियां, बैंगन, मूली कटहल, मांस मछली, दूध, दही का खाना वर्जित** बताया गया है। चातुर्मास के दूसरे महीने भाद्रपद में दही व छाछ नहीं खाया जाता। चातुर्मास के तीसरे महीने आश्विन (क्वार) में दूध, करेला खाना वर्जित बताया गया है। चातुर्मास के चौथे महीने कार्तिक में लहसुन, अरहर और उड़द दाल, प्याज, बैंगन, दही, जीरा का सेवन करना वर्जित बताया गया है।

पंचांग, राशिफल, शब्द पहेली, सूडोकू

आज का राशिफल : रविवार, 28 जुलाई, 2024

मेष : सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-8

वृष : आय के अच्छे योग बनेंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन : प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-6-7-8

कर्क : कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आत्मचिंतन करें। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। योग्यताएं सम्मान दिलायेगी। शुभांक-3-6-9

सिंह : दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का मलाल व अवसाद रहेगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-8

कन्या : व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-2-6-7

तुला : लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। आगे-आगे गौरख जागे वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा परिणाम सुखद रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक : कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेगी। शुभांक-5-8-9

धनु : अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। मन उदास रहेगा। कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-9

मकर : सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-1-2-3

कुंभ : विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-2-6-9

मीन : कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गवाएं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-7-8

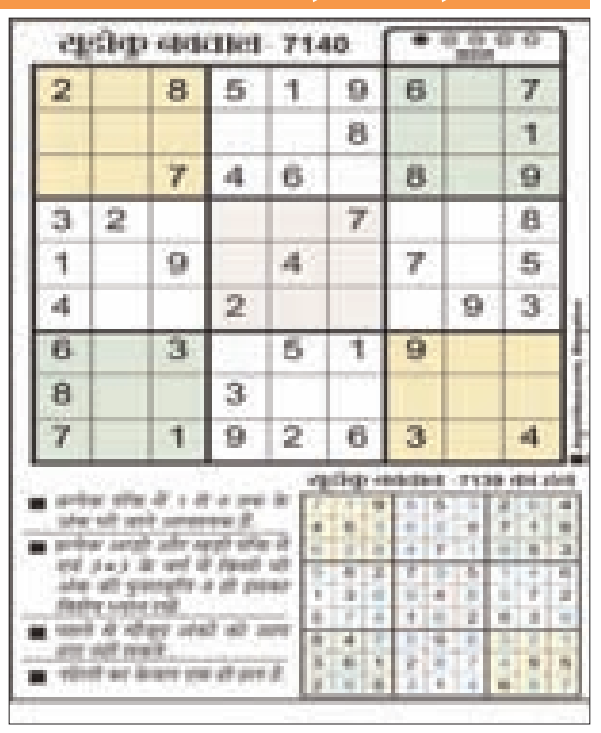

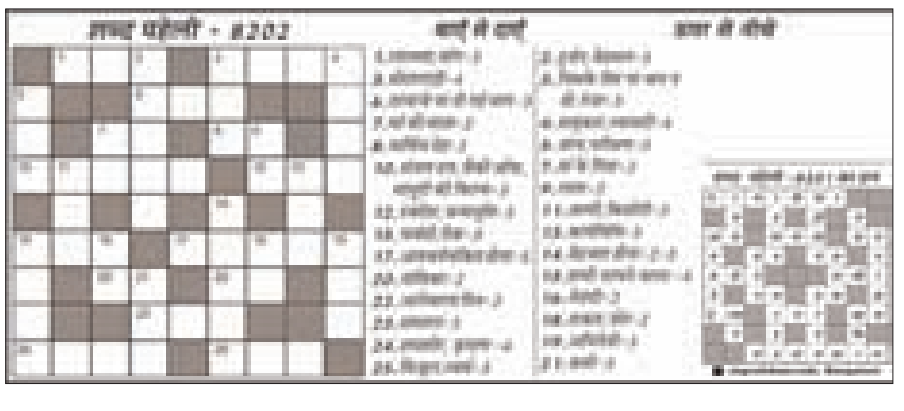

भगवान शिव को समर्पित है सावन

सावन का महीना पूर्णतया भगवान शिव को समर्पित होता है। विष्णु पुराण में वर्णित है कि आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि से जगत के पालनहार भगवान विष्णु क्षीर सागर में विश्राम करने चले जाते हैं। वहीं, कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को जागृत होते हैं। इस दौरान सृष्टि का संचालन देवों के देव महादेव करते हैं। इसके लिए सावन माह में भगवान शिव की विशेष पूजा की जाती है। साथ ही सोलह सोमवार का व्रत भी सावन महीने से शुरू किया जाता है।

सावन महीने में भगवान शिव की पूजा करने से साधक की हर एक मनोकामना पूरी होती है। साथ ही मृत्यु लोक में सभी प्रकार के भौतिक एवं सांसारिक सुखों की प्राप्ति होती है। इस महीने में शास्त्र द्वारा निर्धारित नियमों का पालन किया जाता है। इन नियमों का पालन करने से देवों के देव महादेव प्रसन्न होते हैं। उनकी कृपा साधक पर बरसती है। लेकिन क्या आपको पता है कि शास्त्रों में सावन के दौरान क्यों दही और साग न खाने की सलाह दी गई है? आइए, इसके बारे में सबकुछ जानते हैं-

भगवान शिव को क्यों प्रिय है सावन

चिरकाल में भगवान शिव ने माता सती के सतीत्व होने के बाद विवाह न करने का प्रण लिया था। तत्कालीन समय में तारकासुर ने ब्रह्मा जी की कठिन तपस्या की। कठिन तपस्या से प्रसन्न होकर तारकासुर को मनोवांछित वरदान प्रदान किया। इस वरदान के तहत तारकासुर को केवल और केवल भगवान शिव के पुत्र ही परास्त कर सकते थे। ब्रह्मा जी से वरदान पाकर तारकासुर बोहद शक्तिशाली हो गया। अपने बल से स्वर्ग लोक पर अधिपत्य स्थापित कर लिया। उस समय देवताओं ने कामदेव को भगवान शिव को मनाने का दायित्व दिया। हालांकि, इस कार्य में कामदेव सफल नहीं हो सके। इस समय भगवान शिव की प्रतिक्रिया से मां पार्वती अप्रसन्न हो गई। मां पार्वती को ऐसा प्रतीत हुआ कि शिवजी ने उनका तिरस्कार किया है। इसका वर्णन कालिदास द्वारा रचित कुमारसंभवम् ग्रंथ में है। उस समय मां पार्वती ने भगवान शिव से विवाह करने का प्रण लिया। कालांतर में मां पार्वती ने कठिन तपस्या कर भगवान शिव को प्रसन्न किया था। उस समय भगवान शिव ने मां पार्वती से विवाह करने का वचन दिया।

ऐसा कहा जाता है कि मां पार्वती द्वारा सोलह सोमवार व्रत करने से भगवान शिव प्रसन्न हुए थे। वहीं, माता सती के सतीत्व होने के बाद भगवान शिव ने क्रोधित होकर भद्रकाली और वीरभद्र को राजा दक्ष के निवास स्थल कनखल भेजा था। जहां, वीरभद्र ने राजा दक्ष का वध कर दिया था। तब देवताओं ने भगवान शिव की प्रार्थना की। इससे प्रसन्न होकर भगवान शिव ने राजा दक्ष को अभय वरदान दिया। उस समय राजा दक्ष ने भगवान शिव से क्षमा याचना की और कनखल में निवास करने की याचना की। राजा दक्ष की याचना पर भगवान शिव ने उन्हें यह वरदान दिया कि सावन महीने में वे कनखल में ही वास करेंगे। कालांतर से भगवान शिव सावन के महीने में कनखल आते हैं।

काशी हिंदू विश्वविद्यालय के ज्योतिष विभागाध्यक्ष प्रो. गिरिजाशंकर शास्त्री का कहना है कि इस समय दक्षिणायन काल होने से अग्नि की मंदता के कारण समस्त जीव-जंतु पेड़-पौधे, वनस्पतियां सोमतत्व से जीवन को प्राप्त करते हैं। इस दौरान पेड़-पौधे एवं लताएं बढ़ते क्रम (विकास क्रम) में रहते हैं। वहीं, लताओं से बरसाती कीट-पतंगे पराग या रस प्राप्त करते हैं। इससे पत्ते दूषित होते हैं। वहीं, इन पत्तों का सेवन दूध प्रदान करने वाले पशु ग्रहण करते हैं। इसके चलते सावन महीने में साग और पशुओं द्वारा प्रदत दूध या दही के सेवन से स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। इसके अलावा, दही के सेवन से सर्दी-खांसी और जुकाम का भी खतरा बढ़ जाता है। इस समय में तापमान में भी असंतुलन रहता है। अतः सावन महीने में साग या दही का सेवन करने की मनाही होती है।

धार्मिक महत्व

भगवान शिव को पूजा के समय बेलपत्र, भांग के पत्ते, पान के पत्ते समेत कई प्रकार के पत्ते अर्पित किए जाते हैं। वहीं, दूध और दही से अभिषेक किया जाता है। इन चीजों के अर्पण से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं। उनकी कृपा साधक पर बरसती है। धर्म पंडितों का कहना है कि भगवान शिव को प्रकृति से बेहद प्यार है। अतः सावन में साग और दही का सेवन नहीं करना चाहिए।

■ न्यूज गैलरी

जियो का धमाका ऑफर... नए AirFiber पर 1000 रुपये का इंस्टॉलेशन फ्री

नई दिल्ली। रिलायंस जियो (Reliance Jio) 15 अगस्त तक एयरफाइबर का कनेक्शन लेने पर 1,000 रुपये का इंस्टॉलेशन चार्ज नहीं लेगी. कंपनी से जुड़े सूत्रों ने कहा कि इससे शुरुआती स्तर के प्लान पर 30 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी. बता दें कि जियो अपने नए एयरफाइबर कनेक्शन (New AirFiber Connections) पर 30 प्रतिशत की छूट दे रहा है.अब जियो फ्रीडम ऑफर (Jio Freedom Offer) के तहत आपको इंस्टॉलेशन चार्ज नहीं देना होगा. इस फ्रीडम ऑफर के तहत नए यूज़र्स को 1000 रुपये का इंस्टॉलेशन चार्ज (JioAirFiber installation charge) माफ किया जा रहा है. यानी आपको नए एयरफाइबर कनेक्शन के लिए स्टैंडर्ड 3 महीने का प्लान 1000 रुपये इंस्टॉलेशन चार्ज हटाने के बाद सिर्फ 2121 रुपये में मिलेगा.ऑफर के बिना यह प्लान 3121 रुपये का आता है. बता दें कि ये ऑफर 15 अगस्त, 2024 तक उपलब्ध है. जियो एयरफाइबर कनेक्शन लेने वाले ग्राहकों को कम से कम तीन महीने के लिए भुगतान करना होगा. जियो ने जून, 2024 कर तिमाही में पूरे भारत में 11 लाख से अधिक नए एयरफाइबर कनेक्शन जोड़े थे.

सी विजयकुमार बने सबसे अधिक वेतन लेने वाले भारतीय सीईओ

नई दिल्ली। एचसीएल टेक के सीईओ सी विजयकुमार सबसे अधिक वेतन पाने वाले भारतीय सीईओ बन गए हैं। कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार विजयकुमार को लगभग 1.96 मिलियन डॉलर (16.39 करोड़ रुपये) का बेसिक वेतन, 1.14 मिलियन डॉलर (9.53 करोड़ रुपये) का प्रदर्शन-लाइन बोनस, वहीं दीर्घकालिक प्रोत्साहन (एलटीआई) नकद घटक मद में लगभग 2.36 मिलियन डॉलर (19.74 करोड़ रुपये) का भुगतान किया गया था। एचसीएल टेक के सीईओ सी विजयकुमार सबसे अधिक वेतन पाने वाले भारतीय सीईओ बन गए हैं। 22 जुलाई को जारी कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2024 के लिए विजयकुमार का पारिश्रमिक लगभग 84.16 करोड़ रुपये रहा।

श्रीकृष्ण जी की धरती पर 'सोना बनी जमीन'

■ **60 लाख वाला प्लॉट बिका 30 करोड़ में**

नई दिल्ली। भगवान श्रीकृष्ण की धरती वृंदावन में आजकल जमीन के भाव आसमान छूट रहे हैं. इसकी बानगी मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण के विभिन्न आवासीय योजनाओं के तहत प्लॉटों की ऑनलाइन नीलामी में देखने को मिला. इस नीलामी में वृंदावन के रुक्मणी विहार स्थित 300 वर्ग गज के एक प्लॉट की बोली 30.15 करोड़ रुपये लगी. इस प्लाट का बेस प्राइज केवल 60 लाख रुपये ही था.

इतनी ऊंची बोली देखकर एमवीडीए के अधिकारियों का भी सिर चकरा गया. अधिकारियों को इस तरह बेतहाशा बोली लगाने के पीछे साजिश की बू आ रही है. मना जा रहा है कि नीलामी को फेल करने के लिए कुछ लोगों ने जानबूझकर अनाप-शनाप रेट भरे हैं.

इस प्लाट के अलावा रुक्मणी विहार के 83 नंबर वाले 288 वर्ग मीटर के प्लॉट पर भी बोलीदाता टूटकर पड़े.

58.32 लाख रुपये वाले इस प्लाट की कीमत 19 करोड़ 11 लाख रुपये रुपए तक पहुंचा दी गई. एमवीडीए ने प्लाटों की बेतहाशा लगाई गई कीमत पर कहा है कि जिन लोगों ने प्लाट्स के लिए सबसे अधिक बोली लगाई है, अगर वो प्लाट नहीं लेते हैं तो नीलामी के लिए जमा कराई गई जमानत राशि जब्त कर ली जाएगी.

36 भूखंडों की हो रही है नीलामी

मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण के विभिन्न आवासीय योजनाओं के तीन दर्जन प्लाट की ऑनलाइन प्रक्रिया गुरुवार से प्रारंभ हुई. पहले दिन 8 प्लाट का ई ऑक्शन हुआ. सभी प्लाट के लिए 889 आवेदक मैदान में है. सूत्रों का कहना आज के 8 प्लाट के बारे में कुछ दिन बाद स्पष्ट हो जायेगा. इनकी ई नीलामी शायद पुनः करानी पड़ेगी।

आ रही है साजिश की बू

प्रॉपर्टी जानकारों का कहना है कि 300 वर्ग गज के प्लाट के लिए 30 करोड़ रुपये की बोली लगाना अपने आप में हैरानीजनक है. इन प्लाटों को न बिकने देने और ऑनलाइन नीलामी प्रक्रिया को फेल करने के लिए लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया. कुछ लोगों ने अपने जमानत धनराशि की परवाह न करते हुए बेहिसाब रेट भरे हैं.

क्या होगा अगर नहीं लेंगे प्लाट

मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण के विशेष कार्य अधिकारी प्रसून द्विवेदी ने बताया कि बोली लगाने वाले आवेदक अगर निर्धारित अवधि में तय कीमत नहीं देंगे तो उनकी जमानत धनराशि जब्त कर ली जाएगी. जरूरत पड़ने पर बोली लगाकर छोड़े गए प्लाटों की नीलामी दोबारा की जाएगी।

लिवप्योर के एयर कूलर सेगमेंट में 6 गुणा और मॉडर्न ट्रेड में 197 प्रतिशत की बढ़ोतरी

■ **वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही में 50 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की थी**

नई दिल्ली, (वार्ता)। लिवप्योर ने अपने पहली तिमाही में सभी व्यावसायिक वर्गों में 45 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही में कंपनी ने 50 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की थी।

कंपनी ने जारी बयान में कहा कि पहली तिमाही में विभिन्न बिक्री चैनलों और उत्पाद कैटेगरी में प्रभावशाली बढ़ोतरी दर्शाते हैं।

मॉडर्न ट्रेड की आय में 197 प्रतिशत की शानदार वृद्धि हुई है जबकि जनरल ट्रेड की बिक्री 92 प्रतिशत बढ़ी है। ई-कॉमर्स ने भी 36 प्रतिशत की वृद्धि की है जो लिवप्योर की मजबूत ऑनलाइन उपस्थिति का संकेत है। कंपनी की विविधीकरण रणनीति अत्यधिक सफल साबित हुई है। कूलर सेगमेंट में 6 गुणा की बढ़ोतरी हुई है। लिवप्योर के मुख्य प्रोडक्ट लाइन वाटर प्यूरीफायर ने 21 प्रतिशत की वृद्धि की है।

ओरिएंटेड सेगमेंट्स ने भी बेहतर प्रदर्शन किया

लिवप्योर के सर्विस ओरिएंटेड सेगमेंट्स ने भी उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। कंपनी के सर्विस राजस्व में 33 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कंपनी के प्रबंध निदेशक राकेश कौल ने कहा, हमारे पहली तिमाही के नतीजे लिवप्योर की नए-नए आविष्कार करने और ग्राहक संतुष्टि को लेकर हमारी प्रतिबद्धता से पूरी तरह से मेल खाते हैं। हमारे एयर कूलर सेगमेंट में और डब्ल्यूएएएस ग्राहकों में शानदार बढ़ोतरी हमारे उत्पाद विविधीकरण और सदस्यता-आधारित मॉडल की सफलता को उजागर करते हैं। ये संख्याएं हमारी सफलता को दर्शाती हैं और आने वाली तिमाहियों में निरंतर ग्रोथ के लिए मंच तैयार करती हैं।

नवाचार करना लाभदायक साबित हुआ

हमने नवाचार करना और उपभोक्ता आवश्यकताओं के अनुसार खुद को ढालना जारी रखा है। हमें विश्वास है कि लिवप्योर इस विकास की इस दर को बनाए रखेगा, जिससे होम अप्लायंस और वाटर प्यूरीफिकेशन मार्केट लीडर के रूप में हमारी स्थिति और मजबूत होगी। इस तिमाही के परिणाम सिर्फ शुरुआत हैं। हमें लगता है कि यह लिवप्योर और हमारे ग्राहकों के लिए एक बड़ा बदलाव लाने वाला वर्ष होगा।

बंधन बैंक का कुल कारोबार 22 प्रतिशत बढ़कर हुआ 2.59 लाख करोड़ रुपए

नई दिल्ली।नवप्रदेश। बंधन बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही के लिए अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की। बैंक का कुल कारोबार 22 प्रतिशत बढ़कर 2.59 लाख करोड़ रुपए पर पहुँच गया। कुल जमा में अब बैंक की खुदरा हिस्सेदारी लगभग 69 प्रतिशत है। पिछली तिमाही में देखी गई उत्साहजनक बढ़त वितरण, व्यावसायिक दक्षता और अनुकूल परिचालन वातावरण में इसके विस्तार से प्रेरित है।

बैंक अब भारत में 6,300 बैंकिंग आउटलेट के माध्यम से 3.44 करोड़ से अधिक ग्राहकों को सेवाएँ प्रदान करता है। बंधन बैंक में कार्यरत कर्मचारियों की कुल संख्या अब लगभग 77,500 है। वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही के दौरान बैंक की जमाराशि में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 23 प्रतिशत की बढ़त हुई। कुल जमाराशि अब 1.33 लाख करोड़ रुपए हो गई है, जबकि कुल एडवांस 1.26 लाख करोड़ रुपए हैं। चालू खाता और बचत खाता (सीएएसए) अनुपात समग्र जमाराशि के 33.4 प्रतिशत है। बैंक की स्थिरता का सूचक पूँजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) 15.7 प्रतिशत है, जो विनियामक आवश्यकता से अधिक है।

TATA की एयरलाइन देगी ऐसी सुविधा जो भारत में आज तक किसी ने नहीं दी

■ **यात्रियों की होगी मौज**

नई दिल्ली। फ्लाइट के दौरान कुछ घंटों तक आप दुनिया से कट जाते हैं. दरअसल, फ्लाइट में मोबाइल और इंटरनेट सर्विस आपका साथ छोड़ देते हैं और आप फ्लाइट मोड में चले जाते हैं. हालांकि अब आप फ्लाइट में इंटरनेट का इस्तेमाल कर सकते हैं. इसके अलावा कुछ मिनट आप फ्री में इंटरनेट का इस्तेमाल कर सकते हैं.

दरअसल, टाटा ग्रुप की विमानन कंपनी विस्तारा की फ्लाइट में यात्रियों को 20 मिनट की कॉम्प्लिमेंटरी वाई-फाई इंटरनेट कनेक्टिविटी मिलेगी. कंपनी के मुताबिक, विस्तारा के यात्री बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर विमानों और एयरबस,321नियो विमानों द्वारा संचालित इंटरनेशनल फ्लाइट्स में इस सुविधा का फायदा उठा सकते हैं.

इन-फ्लाइट वाई-फाई सर्विसेज की सुविधा टाटा संस और एसआईए के स्वामित्व वाली विस्तारा एयरलाइन्स ने कहा, 20 मिनट की फ्री वाई-फाई सुविधा सभी केबिनों में यात्रियों को जुड़े रहने में सक्षम बनाएगी और यह उन लोगों के लिए भी आदर्श है जो भारतीय क्रेडिट/डेबिट कार्ड का इस्तेमाल करके एक्सटेंडेड वाई-फाई प्लान खरीदना चाहते हैं. कंपनी ने बताया कि कस्टमर्स को ईमेल के जरिए वन-टाइम पासवर्ड मिलेगा और एक्टिव सेशन के दौरान एक्सटेंडेड इन-फ्लाइट वाई-फाई सर्विसेज की खरीद की सुविधा मिलेगी.

यह सर्विस देने वाली पहली भारतीय एयरलाइन: विस्तारा के चीफ कमर्शियल ऑफिसर दीपक राजावत ने कहा, सभी केबिनों में इंटरनेशनल फ्लाइट्स में कॉम्प्लिमेंटरी वाई-फाई की पेशकश करने वाली पहली भारतीय एयरलाइन बनने की खुशी है. हमें विश्वास है कि ग्राहक इस वैल्यू एडिशन की सराहना करेंगे, जिसका मकसद उनकी विस्तारा सफर को ज्यादा सुविधाजनक, प्रोडक्टिव और सीमलेस बनाना है।

बीएसपी ने दैनिक उत्पादन का बनाया नया रिकॉर्ड

दुर्ग/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में स्थित भिलाई स्टील प्लांट (बीएसपी) के स्टील मेल्टिंग शॉप-3 ने दैनिक उत्पादन का नया रिकॉर्ड बनाया है। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के मॉडेक्स इकाई स्टील मेल्टिंग शॉप-3 (एसएमएस-3) ने दैनिक उत्पादन का एक और नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए 24 जुलाई 2024 को 38 हीट (6222 टन) ब्लूम कास्टिंग का उत्पादन रिकॉर्ड दर्ज किया। गत 22 दिसम्बर 2022 को दर्ज 36 हीट (5989 टन) ब्लूम कास्टिंग के पिछले सर्वश्रेष्ठ उत्पादन रिकॉर्ड को पार कर अब तक का सर्वश्रेष्ठ उत्पादन रिकॉर्ड बनाने में कामयाबी हासिल की है। एसएमएस-3 द्वारा उत्पादित कास्ट ब्लूम्स का उपयोग संयंत्र के यूनिवर्सल रेल मिल में वांछित ग्रेड और लंबाई की रेल्स की रोलिंग में किया जाता है। सेल-बीएसपी के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता तथा कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) श्री अंजनी कुमार ने स्टील मेल्टिंग शॉप-3 और संबंधित विभागों के सदस्यों को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई प्रेषित की है।

एक बार मेहनत और विजिटिंग कार्ड से 6 महीने में 10 लाख की कमाई

■ **हर महीने डिमांड नहीं होती इसलिए वेंडर एग्रीमेंट नहीं कर सकते**

बिजनेस डेस्क/नवप्रदेश। यह एक जीरो इन्वेस्टमेंट हाई प्रॉफिट बिजनेस आइडिया है। भारत के कई शहरों में सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है लेकिन, जितने लोग इस बिजनेस को कर रहे हैं, वह भी अब तक सभी ग्राहकों के पास पहुंच नहीं पाए हैं। प्रतिस्पर्धा का प्रश्न ही नहीं है। अभी जो भी शुरू करेगा उसे सिर्फ सफलता ही मिलेगी।

एक बात तो आप भी मानेंगे कि भारत के हर शहर में अच्छे अस्पताल नहीं होते लेकिन हर शहर में अच्छे स्कूल जरूर होते हैं। बड़ी बिल्डिंग, कई सारी फैसिलिटी, पढ़ाई के साथ एक्टिविटीज और काफी कुछ ऐसा होता है जो सिर्फ बच्चों को ही नहीं बल्कि पेरेंट्स को भी आकर्षित कर लेता है। इन स्कूलों में स्टूडेंट के लिए आईडेंटिटी कार्ड, लेमिनेशन वाले आईडी कार्ड, पीवीसी वाली आईडी कार्ड, बटन बैच, मैग्नेट बैच, स्पोर्ट्स इवेंट्स, हेड गर्ल, हेड बॉय, क्लास मॉनिटर आदि के लिए shashe, सिल्क और शाइनिंग वाले कपड़े पर बैनर और बैकड्राप, lanyard, प्रिंटेड t shirt, प्रिंटेड कैप इत्यादि बहुत सारे प्रोडक्ट्स होते हैं

जिनकी जरूरत पड़ती है।

साल में केवल एक बार संपर्क की जरूरत

हर महीने डिमांड नहीं होती इसलिए वेंडर एग्रीमेंट नहीं कर सकते। साल में एक बार जरूरत पड़ती है। इसके लिए या तो स्कूल संचालक को पूरे बाजार का चक्कर लगाना पड़ता है या फिर किसी कर्मचारी को भेजना पड़ता है। कर्मचारी एक तरफ अपने कर्तव्य से अनुपस्थित हो जाता है और दूसरी तरफ इस प्रकार की खरीदारी में कमीशन भी कमा लेता है। स्कूल संचालकों का मानना है कि यदि कमीशन ही देना है तो फिर किसी और को देंगे। कर्मचारियों को उसके काम से डिस्टर्ब क्यों करें। यही स्थिति आपके लिए बिज़नेस अपॉर्चुनिटी है।

फर्म के लोकल ट्रेड रजिस्ट्रेशन की जरूरत

आपको सिर्फ अपनी फर्म का लोकल ट्रेड रजिस्ट्रेशन करवाना है। अपने विजिटिंग कार्ड प्रिंट करवाने हैं और सारे स्कूल संचालकों से मिलने के लिए निकल पड़िए। पहले राउंड के बाद ही आपको रिस्पांस मिलना शुरू हो जाएगा। आपको सिर्फ ऑर्डर कलेक्ट करना है और ऑर्डर के अकॉर्डिंग प्रोडक्ट तैयार करवा कर स्कूल में डिलीवरी करनी है।

इस काम के बीच में आपको काफी अच्छा प्रॉफिट मार्जिन मिल जाएगा। जब काम जम जाए और आपके पैनल में स्कूलों की संख्या 100 से ज्यादा हो जाए तो फिर कुछ मशीन खरीद लेना और अपने स्टाफ से काम करवाना। इससे आपका प्रॉफिट और ज्यादा बढ़ जाएगा।

संस्थाओं को लें पैनल में

कॉलेज स्टूडेंट अथवा प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले उम्मीदवारों के लिए यह वाकई में एक अच्छा विकल्प है। यह बिजनेस ना तो साल भर चलता है और ना ही इसमें दिनभर काम करने की जरूरत है।

आप जितने स्कूल संभाल सकते हैं, उनको अपने पैनल में ले लीजिए। इसके बाद भी ऑर्डर बढ़ते चले जाते हैं तो, आप केवल ऑर्डर कलेक्ट करने का कम कीजिए। प्रोडक्ट बनवा कर डिलीवरी करने के लिए स्टाफ नियुक्त कर सकते हैं।

मॉडल कौशल ऋण योजना एक सुधार और उदारीकरण है, जैसा कि जनता चाहती थी: जयंत चौधरी

नई दिल्ली (ए)। जयंत चौधरी, राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार), कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) और राज्य मंत्री, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने संशोधित मॉडल कौशल ऋण योजना का उद्घाटन किया, जिसका उद्देश्य युवाओं के लिए कौशल पाठ्यक्रमों, खासतौर पर ऊँचे शुल्क वाले आधुनिक पाठ्यक्रमों को सुलभ बनाना है, ताकि वे बिना आर्थिक बोझ के इन पाठ्यक्रमों का लाभ उठा सकें। यह योजना भारत के युवाओं को भविष्य के लिए तैयार कर उन्हें सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

योजना का उद्देश्य मेधावी छात्रों के लिए आधुनिक कौशल पाठ्यक्रमों को सुलभ बनाना है, जो आर्थिक बाधाओं के चलते इन पाठ्यक्रमों का लाभ नहीं उठा पाते। इस तरह उम्मीदवारों के लिए उद्योग जगत के अनुकूल भावी कौशल प्राप्त करना आसान हो जाएगा। कौशल ऋण बाज़ार में एनबीएफसी एवं माइक्रो फाइनैंस संस्थानों की भूमिका को देखते हुए, एमएसडीई ने वित्त मत्रांलय के अनुमोदन से, इस योजना में उल्लेखनीय संशोधन किए हैं। अब एनबीएफसी, माइक्रो फाइनैंस संस्थान और छोटे फाइनैंस बैंक भी ऋण दे सकेंगे, जो दिए गए ऋण की 75 फीसदी राशि तक डिफॉल्ट पर गारंटी द्वारा समर्थित होंगे। इसके अलावा क्रेडिट गारंटी कवर के लिए व्यक्तिगत ऋण का अधिकतम टिकट साइज़ बढ़ाकर रु 7.50 लाख कर दिया गया है, जबकि पहले इसकी सीमा रु 1.50 लाख थी।

टैक्स | किसी भी देश की व्यवस्था और सुचारू संचालन व सुरक्षा के लिए आय का साधन होना जरूरी है

UAE, बहरीन के अलावा दुनिया के कई देशों में जनता नहीं देती Income Tax

■ **चेक करें टैक्स-फ्री देशों की लिस्ट**

नई दिल्ली। टैक्स किसी भी देश के संचालन के लिए बहुत जरूरी माना जाता है। कहा जाता है कि देश की इकोनॉमी में जनता द्वारा दिए जाने वाले टैक्स की अहम भूमिका होती है। लेकिन, दुनिया के कई देश ऐसे भी जहां जनता से कोई इनकम टैक्स नहीं लिया जाता है। इस लिस्ट में यूएई, सऊदी अरब जैसे कई देशों के नाम शामिल हैं।

UAE

डायरेक्ट टैक्स फ्री इकोनॉमी की लिस्ट में सबसे पहला नंबर संयुक्त अरब अमीरात आता है। यहां जनता से कोई व्यक्तिगत टैक्स नहीं लिया जाता है। इस देश में इकोनॉमी के संचालन के लिए सरकार अप्रत्यक्ष करों जैसे वैट (वैल्यू एडेड टैक्स) और कई चार्ज लेती है।

वैसे तो यूएई ऑयल और टूरिज्म सेक्टर में भी काफी मजबूत है, जिसकी वजह से यहां की जनता को इनकम टैक्स में राहत मिली है।

बहरीन

बहरीन के निवासी भी सरकार को टैक्स नहीं देती है। यहां भी सरकार डायरेक्ट टैक्स की जगह अप्रत्यक्ष करों और अन्य शुल्कों पर निर्भर है। कहा जाता है कि इस तरीके से देश की इकोनॉमी में भी रफ्तार आती है और यह बिजनेस-स्टार्टअप्स के लिए भी काफी अच्छा अवसर पैदा करता है।

कुवैत

टैक्स-फ्री देशों (Tax Free Countries) की लिस्ट में कुवैत का नाम शामिल है। कुवैत पूरी तरह से ऑयल से होने वाली इनकम पर बेस्ड इकोनॉमी है। यहाँ जनता से कोई व्यक्तिगत टैक्स नहीं लिया जाता है। चूंकि, कुवैत की इनकम का बड़ा हिस्सा तेल निर्यात से आता है। इस वजह से यहां सरकार जनता से डायरेक्ट टैक्स नहीं लेती है। टैक्स-फ्री देश होने के बावजूद कुवैत की इकोनॉमी काफी मजबूत है।

सऊदी अरब

सऊदी अरब की जनता भी एक रुपये का डायरेक्ट टैक्स नहीं देती है। सऊदी अरब की सरकार ने डायरेक्ट टैक्स सिस्टम को खत्म कर दिया है। यहां अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था लागू है जो इकोनॉमी को बूस्ट करने में मदद करता है। दुनिया की समृद्ध अर्थव्यवस्थाओं की लिस्ट में सऊदी अरब का नाम शामिल है।

द बहमास

वेस्टर्न हेमिस्फीयर में मौजूद द बहमास भी टैक्स फ्री देश है। द बहमास को टूरिज्म के लिए हेवन यानी जन्नत कहा जाता है। चूंकि यहां टूरिज्म सेक्टर काफी मजबूत है, इस वजह से यहां कि सरकार जनता से कोई टैक्स नहीं लेती है।

ब्रुनेई

दुनिया के साउथ ईस्ट एशिया मौजूद ब्रुनेई इस्लामिक किंगडम के लोग भी इनकम टैक्स नहीं देते हैं। इस देश की कमाई का मुख्य सोर्स तेल का भंडार है।

केमैन आइलैंड्स

उत्तर अमेरिका महाद्वीप में कैरेबियन क्षेत्र केमैन आइलैंड्स है। यह टूरिज्म के लिए काफी आकर्षक जगहों में से एक है। इस देश में भी लोगों को कोई इनकम टैक्स नहीं देना होता है।

ओमान

खाड़ी देशों की लिस्ट में बहरीन और कुवैत के अलावा ओमान का नाम भी शामिल है। ओमान के नागरिक को कोई इनकम टैक्स नहीं देना होता है। ओमान में ऑयल और गैस सेक्टर का काफी मजबूत है, जिसकी वजह से यहां के नागरिक को यह राहत मिली है।

मोनाको

मोनाको काफी छोटा देश है। यह यूरोप में स्थित है। मोनाको में भी नागरिकों से कोई इनकम टैक्स नहीं वसूला जाता है।

ज्वैलरी बिजनेस में उतरे बिड़ला, टाटा की तनिष्क को आने लगा पसीना!

■ **दिल्ली, जयपुर और इंदौर में खोले स्टोर**

नई दिल्ली (ए)। कुमार मंगलम बिड़ला की अगुवाई वाला आदित्य बिड़ला ग्रुप अब ज्वैलरी बिजनेस में बड़ा दांव खेलने की तैयारी में है. दरअसल, ग्रुप ने शुक्रवार को अपने ज्वैलरी ब्रांड इंद्रिय लॉन्च किया. बिड़ला ग्रुप ने 'इंद्रिय' की शुरुआत के साथ ही 6.7 लाख करोड़ रुपये के भारतीय ज्वैलरी मार्केट में कदम रखा.

ग्रुप ने एक बयान में कहा कि उसने ज्वैलरी बिजनेस का रिटेल नेटवर्क स्थापित करने के लिए 5,000 करोड़ रुपये निर्धारित किए हैं. इसके साथ ही ग्रुप ने अगले 5 साल में ज्वैलरी सेक्टर के टॉप-3 रिटेलर्स में शामिल होने का लक्ष्य रखा है.

अगले 6 महीनों में 11 स्टोर खोले जाएंगे: इंद्रिय ब्रांड के 4 स्टोर तीन शहरों- दिल्ली, इंदौर और जयपुर में खोले जाएंगे. ग्रुप की योजना 6 महीने के भीतर 10 से ज्यादा शहरों में इसका विस्तार करने की है.

टाटा ग्रुप के Tanishq से होगा मुकाबला: बयान के मुताबिक, ग्रुप अपने मजबूत ब्रांड इक्विटी और बाजार की गहरी जानकारी का लाभ उठाते हुए अपने कंज्यूमर पोर्टफोलियो को मजबूत कर रहा है. ब्रांडेड ज्वैलरी सेगमेंट में 'इंद्रिय' के साथ कदम रखने के बाद आदित्य बिड़ला ग्रुप बाजार के अगुवा ब्रांड टाटा ग्रुप के तनिष्क के साथ मुकाबला करेगा.

न्यूज गैलरी

केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास पर

रायपुर/नवप्रदेश। केंद्रीय राज्य मंत्री, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय श्रीमती सावित्री ठाकुर 27 एवं 28 जुलाई को दो दिवसीय छत्तीसगढ़ के प्रवास पर रहेंगी। प्राप्त दौरा कार्यक्रम के अनुसार केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती ठाकुर 27 जुलाई को शाम 6.30 बजे रायपुर एयरपोर्ट पहुंचेगी। उसके बाद 6.45 बजे सर्किट हाउस रायपुर पहुंचेगी। रात्रि 7.30 बजे सड़क मार्ग से रायपुर से अंबिकापुर के लिए प्रस्थान करेंगी। रात्रि 11.55 बजे सर्किट हाउस अंबिकापुर पहुंचेंगी। 28 जुलाई को सुबह 9.30 बजे मंत्री श्रीमती ठाकुर द्वारा आंगनबाड़ी और सखी वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण किया जायेगा। इसके बाद सुबह 11 बजे से पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के ÷मन की बात÷ कार्यक्रम में शामिल होंगी। दोपहर 12.15 बजे प्रेस कांफ्रेंस लेंगी। दोपहर 12.30 बजे से छत्तीसगढ़ शासन से महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री एवं अधिकारियों के साथ बैठक लेंगी। बैठक के बाद दोपहर 2 बजे सर्किट हाउस अंबिकापुर से रायपुर के लिए रवाना होंगी। रात्रि 7.30 बजे रायपुर पहुंचकर 9.30 बजे वायु मार्ग से दिल्ली के रवाना होंगी।

घर से नगदी सहित सामान चोरी

रायपुर/नवप्रदेश। मठपुरैना टिकरापारा स्थित मकान से नकदी 20 हजार सहित हजारों रुपए का सामान अज्ञात चोर ने पार कर दी। प्रार्थी की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। प्रार्थी भूपेन्द्र उपाध्याय 24 वर्ष पानी टंकी के पास मठपुरैना का रहने वाला है। बताया जाता है कि अज्ञात चोर ने प्रार्थी के कमरे में प्रवेश कर नकदी 20 हजार सहित लेपटाप, 2 नग मोबाइल फोन पार कर दिया। चोरी गए जुमला कीमती करीब 40 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

लोक परीक्षा अनुचित साधन निवारण अधिनियम पर आयोजित हुई कार्यशाला

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग, नवा रायपुर अटल नगर में शुक्रवार को लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) अधिनियम, 2024 (द पब्लिक एक्जामिनेशन, प्रीवेंशन ऑफ अनफेयर मींस, एक्ट 2024) पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में केन्द्र सरकार द्वारा पारित नये कानून के प्रावधानों के संदर्भ में आयोग के पैनल अधिवक्ता डॉ. सुदीप अग्रवाल, अधिवक्ता उच्च न्यायालय द्वारा उक्त कानून के संबंध में व्याख्यान दिया गया। विदित हो कि उक्त कानून 21 जून 2024 से भारत सरकार द्वारा लागू किया गया है, जिसके तारतम्य में उत्तरप्रदेश तथा बिहार सरकार द्वारा भी इस कानून को राज्य की परीक्षाओं में लागू करने का अध्यादेश पारित किया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य में इस कानून को लागू करने के लिए लोक सेवा आयोग द्वारा शासन को पत्र प्रेषित किया गया है।

कार्यशाला में आयोग के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. प्रवीण

सप्ताह भर से लगातार बारिश, अब जन और धन की होने लगी हानि

- बालोद, बेमेतरा, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, राजनांदगांव, मोहला मानपुर-अंबागढ़ चौकी और कांकेर जिले में भारी से अति भारी बारिश की संभावना

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में लगातार हो रही बारिश से नदी-नालों का जलस्तर काफी बढ़ गया और जनजीवन पूरीतरह अस्त-व्यस्त हो गया है। गत एक सप्ताह से हो रही बारिश की वजह से जन और धन की हानि होने लगी है। यही नहीं बारिश की वजह से राज्य के बेमेतरा जिले में तीन दिन के लिए स्कूलों में अवकाश के आदेश जिलाधिकारी ने दिए हैं। कांकेर जिले के कई गांव टापू में तब्दील हो गए हैं। कोयलीबेड़ा की मेंढकी नदी उफान पर है ऐसे में ग्रामीण साप्ताहिक बाजार भी नहीं जा पा रहे हैं। इसके साथ ही बीजापुर जिले के भोपालपटनम ब्लॉक के कई इलाकों में फिर से बाढ़ के हालात बन गए हैं। नेशनल हाइवे-163 तारलागुड़ा और नेशनल हाइवे-63 पर बने पुलों के ऊपर से पानी बह रहा है। लिहाजा, महाराष्ट्र का सड़क संपर्क छत्तीसगढ़ से टूट गया है। बालोद, बेमेतरा, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, राजनांदगांव, मोहला मानपुर-अंबागढ़ चौकी और कांकेर जिले में भारी से अति भारी बारिश होने की संभावना है।

बस्तर संभाग में 13 दिनों से मूसलाधार

इस बीच बस्तर संभाग में पिछले 13 दिनों से हो रही मुसलाधार बारिश से सामान्य जन-जीवन अस्तव्यस्त है, बाढ़ में डूबने से एक ग्रामीण की मौत हो गई जबकि तीन सौ से अधिक परिवार बेघर हो गए। इंद्रावती, शबरी, संकनी-डंकनी तथा स्थानीय नदी-नाले उफान पर हैं। दक्षिण बस्तर का संपर्क संभाग मुख्यालय से टूट चुका है।

छत्तीसगढ़ से सुकमा जिले में तेलंगाना का महाराष्ट्र से सड़क संपर्क कटा

चिंतावागु नदी खतरे के निशान पर

लगातार बारिश की वजह से चिंतावागु नदी भी उफान पर है। इसी नदी में गुरुवार को एक ग्रामीण की डूबने से मौत हो गई। मद्देड़ थाना के अनुसार अंगमपल्ली के आश्रित गांव रायगुडा निवासी रमेश कुरसम (42) रायगुडा से बर्तन के सहारे चिंतावागु नदी को पार कर अंतिम संस्कार कार्यक्रम के लिए पेगड़ापल्ली जा रहा था तभी उसका संतुलन बिगड़ गया और नदी में डूबने से उसकी मौत हो गई। बीजापुर-गीदम मार्ग पर जांगला नदी पर बाढ़ आने की वजह से आवागमन बंद है। किरंदुल में भारी वर्षा के कारण लोग अपने घर पर नहीं रह पा रहे हैं और न ही बाहर कहीं ठहर पा रहे हैं। स्थिति गंभीर होते जा रही है।

बीजापुर में 1310 मिमी. रिकार्ड बारिश

अधिकारिक जानकारी के अनुसार बीजापुर जिले में अब तक तेरह सौ दस मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड किया गया है, वहीं आंध्रप्रदेश से छत्तीसगढ़ का संपर्क टूट चुका है। गोदावरी नदी में बाढ़ के कारण हैदराबाद, सिरोंचा, वरंगल में आवागमन बंद है। लगातार बारिश होने की स्थिति में इंद्रावती का जल स्तर और ज्यादा बढ़ने कि संभवना है, क्योंकि महारष्ट्र में गोदावरी का जल स्तर भी बढ़ रहा है। छत्तीसगढ़ के अंतिम छोर पर बसे भोपालपटनम से लगे सोमनपल्ली नाले के पास बाढ़ का पानी रोड पार आ चुका है। सोमनपल्ली नाले मे तेजी से पानी बढ़ रहा है जिससे इस मार्ग पर रास्ता पूरी तरह से बंद होकर छत्तीसगढ़ से महाराष्ट्र का सड़क संपर्क कट गया है।

50 गांव का मुख्यालय से संपर्क टूटा

नारायणपुर जिले में सोनपुर इलाके में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। डोंडीबेड़ा के एक दम्पति की नौ माह की बेटी के इलाज के लिए उफनती नदी को पार कर सोनपुर स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचे, पुल के उपर पानी बहने से अबूझमाड़ के 50 से अधिक गांव मुख्यालय से कट गए हैं। अबूझमाड़ के कई इलाके टापू में तब्दील हो गए हैं। सुकमा जिले में भारी वर्षा से तेलंगाना का महाराष्ट्र से संपर्क टूट चुका है, वहीं सुकमा जगदलपुर मार्ग पर बाढ की स्थिति बनी हुई है। भारी वर्षा से गोदावरी, शबरी का जलस्तर बढ़ा हुआ है जिला प्रशासन निचले बस्ती के इलाके में मकान खाली कराने का मुनादी करा दिए हैं। कांकेर जिले में भी भारी वर्षा की स्थिति है।

प्रदेश में चालू मानसून में 509.2 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक गत एक जून से अब तक राज्य में 509.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में एक जून से शनिवार यानी 27 जुलाई सवेरे तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1237.1 मिमी और सरगुजा जिले में सबसे कम 196.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सूरजपुर जिले में 318.3 मिमी, बलरामपुर में 450.9 मिमी, जशपुर में 334.0 मिमी, कोरिया में 334.8 मिमी, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 359.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी।

विष्णु के सुशासन में समस्या का हो रहा निराकरण

- गौरव और निकिता का बना आय प्रमाण पत्र, किशोर को राशन कार्ड से मिलेगा नि:शुल्क चावल
- मोबाइल मेडिकल यूनिट व हेल्थ चेकअप कैंप की सुविधाएं हर नागरिकों को

रायपुर/नवप्रदेश। नगरीय निकायों में आज से जनसमस्या निवारण पखवाड़ा शिविर का वार्डों में लगने शुरू हो गए है। शिविर में नागरिक पहुंचकर अपनी समस्याओं को दर्ज करा रहे है और उसका समाधान भी त्वरित दिलाया जा रहा है। नागरिकों में शिविर को लेकर उत्साह है। टिकरापारा के शिविर में इंजीनियरिंग छात्र गौरव यादव और 12 वीं की छात्रा निकिता यादव ने आय प्रमाण पत्र बनाने के लिए पटवारी को आवेदन किया। तत्काल पटवारी ने आय प्रमाण पत्र बनाकर उन्हें सौंप दिया। त्वरित कार्य होने से छात्रों और परिजनों ने प्रसन्नता व्यक्त की। इसी तरह टिकरापारा के श्री किशोर सिन्हा ने राशन कार्ड बनने के बाद चावल नहीं मिलने की समस्या दर्ज कराई। खाद्य विभाग की टीम ने मौके पर ही उनकी

समस्या का हल निकाला और उनके दस्तावेजों को अपडेट किया गया। श्री किशोर के राशन कार्ड की त्रुटि को सही कर दिया गया। उन्हें जल्द ही राशन दुकान से नि:शुल्क चावल मिलेगा। निराकरण होने से वे और उनका परिवार काफी खुश है।

सिविल लाइंस के अंबेडकर भवन में भी शिविर लगाए गए है। इस शिविर में लोग अपनी छोटी-मोटी समस्याओं को लेकर पहुंचे। अपनी समस्याओं को दर्ज कराया है। समस्या निवारण शिविर में हेल्थ कैंप का लाभ दिया गया। इसमें रेविका मसीह, सिया राम घृतलहरे समेत अनेकों को हेल्थ चेकअप का लाभ मिला। इसी तरह आधार कार्ड, पेंशन संबंधी समस्याओं को दर्ज कराई गई।

जोन क्रमांक 2 में जनसमस्या निवारण शिविर में नागरिकों का उत्साह दिखाई दिया। शिविर में पहुंचकर लोगों ने अपनी समस्याओं को दर्ज कराई। मौदहापारा निवासी श्रीमती शहनाज बेगम ने राशन कार्ड का नवीनीकरण कराया है। नवीनीकरण के बाद अब उन्हें नि:शुल्क चावल भी मिलेगा। इसी तरह अन्य समस्याओं को लेकर भी वहां लोग पहुंचे।नल कलेक्शन, राशन कार्ड, राष्ट्रीय परिवार सहायता, वृद्धावस्था पेंशन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, भवन निर्माण अनुज्ञप्तियां, अनापत्ति प्रमाण पत्र, नामांतरण, स्वरोजगार के प्रकरण तथा कई विविध छोटे-छोटे कार्य होते हैं, जिनका निराकरण शीघ्र अपेक्षित होता है। इनके साथ ही जलापूर्ति में लीकेज, नलों में पानी न आना, नालियों व गलियों की सफाई, सार्वजनिक नलों के प्लेटफार्म से पानी बहना, कचरे की सफाई व परिवहन, टूटी-फूटी नालियों की मरम्मत, सड़कों के गड्ढे पाटना, स्ट्रीट लाइट्स का बंद रहना जैसी समस्याएं भी होती हैं। वार्डवार शिविरों का उद्देश्य इन समस्याओं के निराकरण के साथ ही नागरिकों को जरूरी जन सुविधाएं उपलब्ध कराना भी है।

विष्णुदेव साय की सरकार रिमोट कंट्रोल सरकार : भूपेश बघेल

रायपुर/नवप्रदेश। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा 6 महीने में भाजपा के सरकार विफल साबित हुई है विष्णुदेव साय की सरकार रिमोट कंट्रोल सरकार है। सुशासन की बात तो छोड़िए सरकार है भी या नहीं यह भी पता नहीं चल रहा है पता चल भी रहा है तो रिमोट से चल रहा है। विष्णु देव साय सरकार के लिए बलौदा बाजार की घटना काला धब्बा है।

7 महीने में ही रेत माफिया, भू-माफिया, गांजा तस्कर, मानव तस्कर सबका बोलबाला पूरे प्रदेश में दिखाई दे रहा है। स्थिति यह है राजधानी रायपुर में चार बार गोली चली, भिलाई में गोली चली, रायगढ़ के लोग दूसरे प्रदेश में गोली चला रहे हैं इस प्रकार से प्रोटेक्शन मनी पर गोली चल रही हैं व्यापारियों के घर में घुसकर धमकी दे रहे हैं।

मलेरिया उल्टी दस्त से मौत

लगातार हो रहा है दवाइयां प्रदेश में नहीं है दवाई का अभाव है यहां स्थिति यह है टीवी का दवाई नहीं मिल रहा है। फर्जी नक्सली बताकर आदिवासियों को गिरफ्तार करने का मामला है, एनकाउंटर करने का मामला है, आदिवासियों को चना राशन नहीं पहुचा पा रहे है, महतारी वंदन महिलाओं को नहीं मिल पा रहा है ये विष्णुदेव साय का सुशासन है। सरकार पूरी तरह से विफल है। सदन से सड़क तक हमने जनता के मुद्दे को उठाया है।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा हमारे समय में जब यूनिफाइड कमांड की बैठक हुई थी तब मैने बैठक में कहा था।यदि आप यह भरमार बंदूकों की जप्ती दिखाएंगे तो मैं उस समय भी बोला था मैं मालखाने में जाकर भरमार बंदूक की गिनती करूंगा । इसलिए 5 साल भरमार बंदूकों की जब्ती में भारी गिरावट आई है।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के क्षेत्र में अनुकरणीय पहल...

रायपुर/नवप्रदेश। एस.आर .यू द्वारा विभिन्न ज्वलंत विषयों पर प्रारंभिक अध्ययन कर शोध किये जा रहे हैं ।इसी श्रंखला में भौतिक शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ऋषि जायसवाल के मार्गदर्शन में उनके शोधार्थी प्रिंस जैन द्वारा ÷एस्टीमेशन ऑफ़ काइनेटिक पैरामीटर्स एंड स्पेक्ट्रोस्कोपिक एनालिसिस ऑफ़ डिस्प्रोसियम एक्टिवेटिड कैल्शियम सिलिकेट फॉस्फर" का शोध किया गया । इस शोध का प्रकाशन अंतराष्ट्रीय स्तर के जर्नल " जर्नल ऑफ़ एप्लाइड स्पेक्ट्रोस्कोपी" में हुआ। यह जर्नल एस.सी.आई लिस्टड है । इस शोध में देश के विभिन्न शैक्षिणिक संस्था के डॉ. विकास दुबे, कंचन तिवारी, एम तनुज कुमार एवं डॉ.एमसी राव का भी सहयोग रहा है।

इस शोध में "डिस्प्रोसियम एक्टिवेटिड कैल्शियम सिलिकेट फॉस्फर "विकसित किया गया जिसके उपयोग से एल.ई.डी बल्ब की प्रकाशन क्षमता में वृद्धि होगी तथा कम वोल्टेज वाले एल.ई.डी बल्ब से अधिक प्रकाश प्राप्त होगा। यूनिवर्सिटी द्वारा इस शोध से आम व्यक्ति को लाभ मिल सकता है एवं एल.ई.डी बल्ब का उपयोग कम खर्च में कर सकते है।

युनिवेर्सिटी के प्रति कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम, कुलपति प्रो. एस. के सिंह, कुलसचिव डॉ.सौरभ शर्मा ने सह-प्राध्यापक डॉ. ऋषि जायसवाल के मार्गदर्शन में शोधार्थी प्रिंस जैन द्वारा किये गए शोध से युनिवेर्सिटी को गौरवान्वित करने की बधाई दी।

इतिहास के पन्नों में 28 जुलाई: जेम्स हर्शेल न होते तो कौन कहता लगाओ अंगूठा

देश-दुनिया के इतिहास में 28 जुलाई की तारीख तमाम अहम वजह से दर्ज है। यह तारीख दुनिया के ऐसे उन लोगों के लिए खास है, जो हस्ताक्षर करना नहीं जानते। इसके अलावा यह तारीख सर विलियम जेम्स हर्शेल के लिए भी खासा है। वह इसलिए कि 28 जुलाई 1858 को जन्मे हर्शेल ने ही पहली बार यह सिद्ध किया कि हर व्यक्ति के हाथों की उंगलियों की लकीरें अलग-अलग होती हैं। सर विलियम जेम्स हर्शेल ने सबसे पहले हस्ताक्षर की बजाय उंगलियों की छाप को पहचान का बेहतर माध्यम करार दिया। उनका कहना था कि हाथ से लिखे शब्दों की नकल तो कोई भी कर सकता है, लेकिन हर इनसान की उंगलियों की छाप एक-दूसरे से अलग होती है और उसकी नकल कोई नहीं कर सकता। यही वजह है कि आज इसे (फिंगर प्रिंट) पहचान के सबसे सशक्त माध्यम के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र

1586: इंग्लैंड से लौटने पर सर थामस हेरिओट ने यूरोप को आलू के बारे में बताया।

1741: कैप्टन बेरिंग ने माउंट सैंट एलियास अलास्का की खोज की।

1742: प्रशिया और आस्ट्रिया के शांति समझौते पर हस्ताक्षर।

1821: पेरू ने स्पेन से स्वतंत्रता की घोषणा की।

1858: सर विलियम जेम्स हर्शेल का जन्म, जिन्होंने फिंगर प्रिंट को पहचान का बेहतर जरिया बताया।

1866: अमेरिका में मापने की मीट्रिक प्रणाली को वैधानिक मान्यता मिली।

1914: प्रथम विश्व युद्ध की शुरुआत।

1914: एसएस कामागाता मारू को वेंकुवर से निकाला गया और भारत रवाना कर दिया गया।

1976: चीन में रिक्टर पैमाने पर 8.3 की तीव्रता का भूकंप। लाखों लोगों की मौत।

1979: चौधरी चरण सिंह देश के

पांचवें प्रधानमंत्री बने।

1995: वियतनाम आसियान का सदस्य बना।

2001: पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री मोहम्मद सिद्दकी खान कंजू की हत्या।

2004:इराक के बाकूबा शहर में एक पुलिस भर्ती केंद्र में विस्फोट। 68 लोगों की मृत्यु।

2005: सौरमंडल के दसवें ग्रह की खोज का दावा।

2007: पाकिस्तान सरकार ने विवादास्पद लाल मस्जिद को अनिश्चितकाल तक बंद करने की घोषणा की।

जन्म

1165: प्रसिद्ध सूफी कवि, साधक और विचारक इबने अरबी।

1909: आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कासू ब्रह्मानंद रेड्डी।

1925: हेपेटाइटिस का टीका खोजने वाले बारुक ब्लमर्ग।

1957: हिन्दी के कवि, लेखक, रूसी और अन्य विदेशी भाषा के साहित्य अनुवादक अनिल जनविजय।

निधन

1972: नक्सलवादी आंदोलन के प्रणेता चारू मजूमदार

2007: सिक्किम के प्रथम मुख्यमंत्री काजी लेन्दुप दोरजी।

2016: भारत की सामाजिक कार्यकर्ता और लेखिका महाश्वेता देवी।

2021: भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी नंदू नाटेकर, जिन्होंने पहली बार भारत के नाम इंटरनेशनल खिताब किया।

महत्वपूर्ण दिवस

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस।

विश्व हेपेटाइटिस दिवस।

छत्तीसगढ़ के दो जिलों को जल्द मिलेगी खेलों इंडिया सेंटर की स्वीकृति: केन्द्रीय मंत्री डॉ. मांडविया

रायपुर। केन्द्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि छत्तीसगढ़ के दो जिलों में जल्द ही खेलों इंडिया सेंटर की स्वीकृति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा खेलों इंडिया सेंटरों में अधोसंरचना निर्माण के लिए भरपूर मदद दी जाएगी। केन्द्रीय खेल मंत्री आज शनिवार को न्यू सर्किट हाउस में खेल एवं श्रम विभाग की विभागीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर कृषि मंत्री रामविचार नेताम, विधायक किरण देव सिंह, सुशांत शुक्ला भी उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि, छत्तीसगढ़ के 31 जिलों में खेलों इंडिया सेंटर का संचालन किया जा रहा है। दो जिलों में खेलों इंडिया सेंटर की स्वीकृति मिलने के बाद राज्य के सभी जिलों में खेलों इंडिया सेंटर प्रारंभ हो जाएंगे। इससे राज्य के खेल प्रतिभाओं को निखरने का अवसर मिलेगा। इन सेंटरों में 1181 खिलाड़ियों को विभिन्न खेलों में प्रशिक्षण दिया जा रहा हैं। केन्द्रीय खेल मंत्री ने कहा कि राज्य में खेल एवं खिलाड़ियों के संवर्धन और विकास के लिए राज्य में उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग किया जाए। राज्य में स्थापित उद्योगों से खेलों के लिए सीएसआर मद से राशि उपलब्ध कराने के प्रयास किया जाए। खेलों इंडिया के तहत राज्य में स्थापित सभी सेंटरों में खेलों के लिए आवश्यक सभी संसाधन और सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

श्रम विभाग की समीक्षा करते हुए केन्द्रीय मंत्री श्री मांडविया ने कहा कि राज्य के श्रमिकों के कल्याण

के लिए चलाई जा रही केन्द्रीय एवं राज्य योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ दिलाए जाएं। औद्योगिक संस्थानों में श्रमिकों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए औषधालयों में आवश्यक उपकरण और विशेषज्ञों के साथ-साथ आवश्यक दवाईयों का भण्डारण पर्याप्त रूप से हो। उन्होंने कहा कि औद्योगिक संस्थानों में श्रमिकों को उनके कौशल के आधार पर रोजगार उपलब्ध कराएं। श्रमिकों के लिए आवश्यक चिकित्सा व्यवस्था के साथ-साथ सिकलसेल के परीक्षण एवं उपचार की भी व्यवस्था की जाए।

वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम विभाग मंत्री लखन लाल देवांगन और खेल मंत्री टंक राम वर्मा ने राज्य में खेलों के विकास के लिए स्कूल स्तर से ही बच्चों को सुविधाएं और प्रशिक्षण की व्यवस्था पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि खेल मैदान में आवश्यक संसाधन एवं सुविधाओं के साथ-साथ खिलाड़ियों के प्रशिक्षण की व्यवस्था की जा रही है।

श्रम विभाग की सचिव श्रीमती अलरमेलमंगई डी. ने अवगत कराया कि राज्य के श्रमिकों का पंजीयन कर श्रम विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के तहत लाभान्वित किया जा रहा है। राज्य के प्रवासी श्रमिकों के लिए विभिन्न राज्यों में प्रवासी संसाधन केन्द्र अर्थात मोर चिन्हारी भवन का निर्माण किया जा रहा है। इससे प्रवासी श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर सहयोग मिल सकेगा। इस अवसर पर खेल विभाग के सचिव हिमशिखर गुप्ता, संयुक्त सचिव तारन प्रकाश सिन्हा,,खेल संचालक श्रीमती तनुजा सलाम सहित संबंधित विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

बर्फानी के दर्शन के लिये 1771 तीर्थयात्रियों का नया जत्था रवाना

जम्मू (ए)। दक्षिणी कश्मीर में हिमालय में स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा के दर्शन करने के लिये करीब 1771 तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था 'बम बम भोले' की गूंज के साथ शनिवार को यहां भगवती नगर यात्री निवास आधार शिविर से रवाना हुआ। जानकारी के अनुसार करीब 1771 तीर्थयात्री 63 वाहनों के बेड़े में पहलगाम और बालटाल दोनों मार्गों के लिए रवाना हुये। इनमें से 772 तीर्थयात्री बालटाल के लिए और 999 तीर्थयात्री पहलगाम के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच आधार शिविर से रवाना हुये। श्रद्धालुओं के 'बम बम भोले' मंत्र के तेज उच्चारणों से वातावरण आनंदमय हो गया। उल्लेखनीय है कि पिछले साल 4.5 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने बाबा बर्फानी के स्वनिर्मित शिवलिंग के दर्शन दर्शन किये थे।इस साल वार्षिक अमरनाथ यात्रा 29 जून को शुरू हुई थी और यह 52 दिनों तक चलेगी। श्री अमरनाथ यात्रा 19 अगस्त को समाप्त होगी।

राज्यों ने अग्निवीरों के लिए क्या-क्या ऐलान किए

कहीं पुलिस भर्ती में 10% आरक्षण, कहीं उम्र सीमा में 3 साल की छूट

नई दिल्ली/ए.। अग्निपथ भर्ती योजना को लेकर अब राजस्थान सरकार ने बड़ी छूट की घोषणा की है। राजस्थान में रिटायर्ड अग्निवीरों को स्टेट पुलिस सहित अन्य सरकारी नौकरियों में आरक्षण मिलेगा। इससे पहले उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, गुजरात सहित कई राज्य अग्निवीरों के लिए आरक्षण का ऐलान कर चुके हैं। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जेल और वन रक्षकों और स्टेट पुलिस की भर्ती में अग्निवीरों के लिए आरक्षण की घोषणा की है। इससे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी कहा था कि अग्निवीर जब अपनी सेवा के बाद वापस आएंगे तो उन्हें यूपी सरकार पुलिस सेवा में, क्क्रष्ट में प्राथमिकता के आधार पर समायोजन की सुविधा दी जाएगी। उनके लिए उत्तर प्रदेश पुलिस में एक निश्चित आरक्षण की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

मध्य प्रदेश ने भी किया आरक्षण का ऐलानः कारगिल विजय दिवस के मौके पर सीएम मोहन यादव ने भी अग्निवीर जवानों को पुलिस और राज्य सशस्त्र बलों में आरक्षण देने की घोषणा की थी। मोहन यादव ने कहा, 'आज कारगिल दिवस के अवसर पर

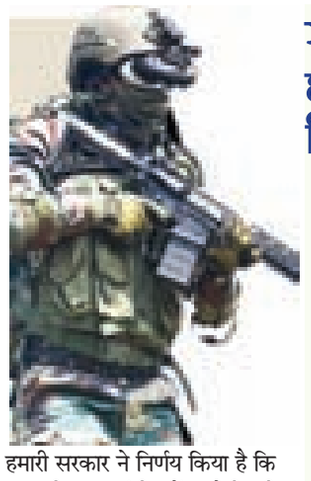

हमारी सरकार ने निर्णय किया है कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इच्छानुसार अग्निवीर जवानों को पुलिस एवं सशस्त्र बलों की भर्ती में आरक्षण दिया जाएगा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने अग्निवीरों के लिए 10 फीसदी कोटा और पांच साल की आयु में छूट की घोषणा की है।

उत्तराखंड के सीएम ने भी की घोषणाः हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पूर्व अग्निवीरों के लिए केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में 10 फीसदी पद आरक्षित करने का फैसला किया था। केंद्र सरकार ने केंद्रीय सशस्त्र बल और असम राइफल्स में 10 फीसदी पूर्व अग्निवीरों को आरक्षण देने की घोषणा की है। इसके तहत पूर्व अग्निवीरों को कांस्टेबल और राइफलमैन के पद पर आयु सीमा और फिजिकल टेस्ट में छूट मिलेगी। उत्तराखंड की धामी सरकार ने भी अग्निपथ योजना के तहत रिटायर होने वाले युवाओं को राज्य सरकार की नौकरियों में आरक्षण दिए जाने का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इसके लिए रोडमैप तैयार करने के लिए कहा है।

गुजरात और छत्तीसगढ़ में भी मिलेगी छूट

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने भी अपने ट्वीट में लिखा कि 'गुजरात सरकार अग्निवीरों को आम्र्ड पुलिस और स्क्रक्क की भर्ती में प्राधान्यता देगी। वहीं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार अग्निवीरों को विशेष आरक्षण देगी। सेना में सेवा देने के बाद ये जवान राज्य सरकार के विभिन्न बलों में भर्ती हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि इसके लिए जल्द ही आरक्षण की तय गाइडलाइन जारी की जाएगी।

अबतक 5 करोड़ से ज्यादा आईटीआर दाखिल, ई-फाइलिंग दिक्कतों पर इंफोसिस को निर्देश जारी

नई दिल्ली। आयकर विभाग को 26 जुलाई, 2024 तक आकंलन वर्ष 2024-25 के लिए 5 करोड़ से अधिक इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) प्राप्त हो चुके हैं। ये आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष में दाखिल किए गए आईटीआर से 8 फीसदी ज्यदा है। विभाग के मुताबिक ई-फाइलिंग पोर्टल पर आ रही दिक्कतों के लिए इंफोसिस को निर्देश जारी किए गए हैं। हालांकि, आईटीआर दाखिल करने की निधार्रित तिथि बढ़ाने के बारे में विभाग ने कोई जानकारी नहीं दी है। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने 'एक्स' पोस्ट पर शनिवार को जारी एक बयान में बताया कि ई-फाइलिंग पोर्टल पर 26 जुलाई, 2024 तक आकंलन वर्ष 2024-25 के लिए 5 करोड़ से अधिक आईटीआर पहले ही प्राप्त हो चुके हैं। यह पिछले वित्त वर्ष में दाखिल किए गए इनकम टैक्स रिटर्न से 8 फीसदी अधिक है। आयकर विभाग ने कहा कि 26 जुलाई को ही 28 लाख से अधिक आईटीआर प्राप्त हुए हैं। विभाग ने ई-फाइलिंग पोर्टल पर आयकरदाताओं को रिटर्न फाइल करने में आ रही दिक्कतों को लेकर जारी बयान में कहा कि इंफोसिस ई-फाइलिंग पोर्टल के संचालन के लिए इनकम टैक्स डिपार्टमेंट का प्रौद्योगिकी भागीदार है। उन्हें निर्बाध सेवाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग ने बताया कि इंफोसिस ने ई-फाइलिंग पीक अवधि के दौरान निर्बाध सेवाएं सुनिश्चित की हैं। उल्लेखनीय है कि आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2024 है। पिछले कुछ दिनों से मीडिया में ई-फाइलिंग साइट पर आ रही दिक्कतों की खबरें मीडिया में चल रही हैं कि आयकर रिटर्न दाखिल करने की आखिरी तारीख बढ़ाया जा सकता है। लेकिन, आयकर विभाग ने ऐसा कोई संकेत नहीं दी है। ऐसे में आपने अभी तक आईटीआर रिटर्न दाखिल नहीं किया है, तो जल्दी करें, नहीं तो आपको तय तिथि के बाद आयकर रिटर्न दाखिल करने पर पेनाल्टी देनी पड़ सकती है।

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में खाई में गिरी कार, एक ही परिवार के आठ लोगों की मौत

अनंतनाग। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में सिंथन-कोकरनाग मार्ग पर शनिवार को एक तेज रफ्तार मारुति स्विफ्ट कार सड़क से फिसलकर खाई में पत्थरों पर जा गिरी। इस हादसे में एक ही परिवार के आठ लोगों की मौत हो गई।

कोकरनाग के उप-विभागीय मजिस्ट्रेट (एसडीएम) सुहेल अहमद ने बताया कि यह दुर्घटना डक्सुम नाका से 20 किलोमीटर दूर आरशान हट के पास हुई। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी इम्तियाज अहमद पत्नी, एक अन्य रिश्तेदार महिला और पांच बच्चों के

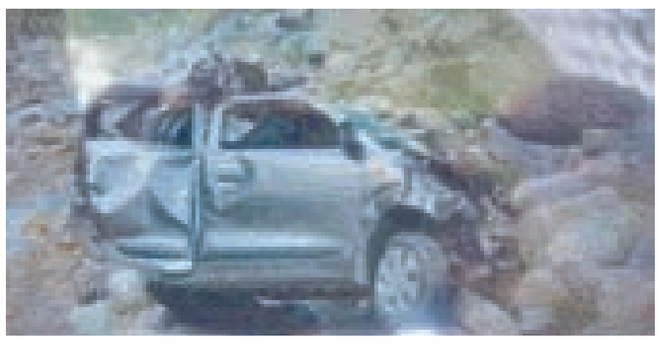

साथ कार से किश्तवाड़ से माडवा किश्तवाड़ में अपने घर वापस आ रहे थे, जहां उनकी तैनाती थी। उसी दौरान रास्ते में यह हादसा हो गया। पुलिस ने बताया कि मरने वालों में पांच बच्चे, दो महिलाएं और एक पुरुष हैं। इनमें इम्तियाज राथर (45) निवासी किश्तवाड़, अफरोजा बेगम (40) पत्नी इम्तियाज अहमद राथर निवासी किश्तवाड़, रेशमा (40) पत्नी माजिद अहमद, अरीबा इम्तियाज (12) पुत्री इम्तियाज अहमद, अनिया जान (10) पुत्री इम्तियाज अहमद, अबान इम्तियाज (6) पुत्री इम्तियाज, मुसैब माजिद (16) पुत्र माजिद अहमद, मुशैल माजिद (8) पुत्र माजिद अहमद के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम एसडीएच कोकेरनाग में किया जा रहा है।

संसद की प्राथमिक भूमिका संविधान और लोकतंत्र की रक्षा करना है : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को इस बात पर जोर दिया कि संसद की प्राथमिक भूमिका संविधान और लोकतंत्र की रक्षा करना है। उन्होंने कहा कि संसद से अधिक गंभीर लोकतंत्र का संरक्षक कोई नहीं हो सकता। धनखड़ ने आज संसद भवन में राज्यसभा के नवनिर्वाचित एवं मनोनीत सदस्यों के लिए आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यदि लोकतंत्र पर कोई संकट आता है, यदि लोकतांत्रिक मूल्यों पर हमला होता है तो आपकी भूमिका निर्णायक होती है। उन्होंने कहा कि संसद में चर्चा के लिए कोई भी विषय वर्जित नहीं है, बशर्ते उचित प्रक्रिया का पालन किया जाए। उन्होंने कहा कि सदन की प्रक्रिया के नियमों में निर्धारित उचित प्रक्रिया का पालन किए जाने पर किसी भी विषय, किसी भी व्यक्ति, यहां तक कि अध्यक्ष के आचरण पर भी चर्चा की जा सकती है। संसद की स्वायत्तता और अधिकार पर जोर देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि संसद अपनी प्रक्रिया और कार्यवाही के लिए सर्वोच्च है। सदन में, संसद में कोई भी कार्यवाही समीक्षा से परे है, चाहे वह कार्यपालिका हो या कोई अन्य प्राधिकारी। उन्होंने कहा, ÷संसद के अंदर जो कुछ भी होता है, उसमें अध्यक्ष के अलावा किसी को भी हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। यह कार्यपालिका या किसी अन्य संस्था का नहीं हो सकता।

केन्द्र सरकार ने तमिलनाडु के हितों की उपेक्षा की : एमके स्टालिन

नई दिल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने शनिवार सुबह एक्स पर कहा है कि वे नीति आयोग की बैठक में इसलिए हिस्सा नहीं ले रहे हैं, क्योंकि केन्द्र सरकार ने राज्य के हितों की अनदेखी और राज्य के लोगों की उपेक्षा की है। उन्होंने कहा है कि संसद में पेश किया केन्द्रीय बजट भारतीय जनता पार्टी को वोट नहीं देने वाले राज्यों के प्रति प्रतिशोध की कार्रवाई की तरह है। इंडी गठबंधन को वोट देने वालों से बदला लेने के लिए बजट तैयार किया है।उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में ऐसा नहीं होता कि जो आपको वोट दे उसी का काम किया जाना चाहिए। राज्य में सभी का काम एक समान होता है यही सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन केन्द्र सरकार ने बजट में सिर्फ बिहार और आंध्र प्रदेश को बहुत कुछ दिया है क्योंकि उनके सहारे सरकार चल रही है। इसी तरह भाजपा शासित प्रदेशों को भी बजट में अच्छा हिस्सा मिला है, लेकिन तमिलनाडु में दो प्राकृतिक आपदाओं के बावजूद मांग से काफी कम बजट आवंटित किया गया है। इसलिए डीएमके सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेगी। उधर, द्रमुक के सांसद और नेता बजट में तमिलनाडु की अनदेखी करने के विरोध में राज्य में धरना प्रदर्शन कर रहे हैं।

उज्जैनः बाबा महाकाल की सवारी में सोमवार को 350 जवानों का विशेष पुलिस बैंड देगा प्रस्तुति

भोपाल/उज्जैन। मध्यप्रदेश की सभी पुलिस इकाइयों में 6 माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षित पुलिस ब्रास बैंड के 350 सदस्यों द्वारा श्रावण माह के उत्साह, उमंग और आकर्षण के क्रम में 29 जुलाई को उज्जैन में निकलने वाली बाबा महाकाल की सवारी में मधुर धुनों की प्रस्तुति दी जाएगी। इसके साथ ही पुलिस बैंड द्वारा शिप्रा तट पर पूजन के समय दत्त अखाड़ा घाट पर भी विशेष प्रस्तुति दी जाएगी । इस अवसर सभी पुलिस बैंड के सदस्यों द्वारा धार्मिक धुनों की प्रस्तुति दी जाएगी।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने पुलिस बैंड की महत्ता पर बल देते हुए हर जिले में पुलिस बैंड की स्थापना और इसके लिए इच्छुक पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण देकर उन्हें बैंड में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करने के

निर्देश दिए थे। उनके निर्देश पर प्रदेश की पुलिस इकाइयों में पुलिस कर्मचारियों को बैंड वादन व विभिन्न वाद्ययंत्रों का सघन प्रशिक्षण दिया गया।

पुलिस बैंड मप्र पुलिस के गौरवशाली इतिहास का महत्वपूर्ण पहलू

मध्यप्रदेश पुलिस के गौरवशाली इतिहास का एक महत्वपूर्ण पहलू मध्यप्रदेश पुलिस बैण्ड रहा है। मध्य प्रदेश पुलिस बैंड की स्थापना वर्ष 1988 में 7वीं वाहिनी, विशेष सशस्त्र बल, भोपाल में की गई थी। इसके उपरांत प्रथम वाहिनी इंदौर, 2री वाहिनी विसबल ग्वालियर, 6वीं वाहिनी विसबल जबलपुर और जेएनपीए सागर में पुलिस बैंड की शाखाओं को खोला गया था। वर्तमान में भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर एवं उज्जैन की विसबल इकाइयों में ब्रास बैंड तथा रीवा इकाई में पाइप बैण्ड स्थापित है। 6 माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के पश्चात अब प्रदेश के सभी जिलों में पुलिस बैंड की स्थापना की गई है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री डॉ.यादव द्वारा सभी जिलों में स्थापित पुलिस बैंड में विधिवत रूप से भर्तियां किए जाने की भी घोषणा की है।

15 अगस्त के लिए पुलिस बैंड तैयार

प्रत्येक जिले में पुलिस बैंड की स्थापना के परिप्रेक्ष्य में प्रथम वाहिनी विसबल, इंदौर, 6वीं वाहिनी विसबल जबलपुर एवं 7वीं वाहिनी विसबल भोपाल के 321 जवानों को प्रशिक्षण दिया गया तथा 19 कर्मचारियों को एसटीसी बैंगलुरू भेजा गया था। इस प्रकार कुल 340 कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण उपरांत मध्यप्रदेश में आगामी 15 अगस्त 2024 के राष्ट्रीय पर्व के लिए समस्त जिलों में पुलिस बैण्ड दल स्थापित किया गया।

स्वर-मेघ कार्यक्रम में पुलिस बैंड ने दी थी मनमोहक प्रस्तुति

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के मुख्यआतिथ्य में 18 जुलाई 2024 को भोपाल के मोतीलाल नेहरू पुलिस स्टेडियम में पुलिस के बैंड अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा %स्वर-मेघ% कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में ब्रास बैण्ड कॉन्सर्ट और पुलिस बैंड डिस्प्ले की प्रस्तुति दी गई। पुलिस ब्रास बैंड के सदस्यों ने कार्यक्रम में फैनफेयर, क्विक मार्च, स्लो मार्च, स्टैंडिंग डिस्प्ले, ड्रम बीटिंग, विभिन्न फिल्मी गीतों और देशभक्ति से ओतप्रोत मधुर धुनों की प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया था।

न्यूज गैलरी

बेमेतरा जिले में कुएं में जहरीली गैस की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में नवागढ़ थाना क्षेत्र के कुआं गांव में शनिवार को एक दर्दनाक हादसे में कुएं में जहरीली गैस की चपेट में आने से एक साथ तीन लोगों की मौत हो गई। नवागढ़ के तहसीलदार विनोद बंजारे ने बताया कि मोटर पंप निकालने आत्माराम साहू (उम्र 55 साल) कुआं के अंदर नीचे उतरा। कुछ देर बाद वह बेहोश हो कर कुआं में ही गिर गया। आत्माराम साहू को बचाने के लिए गांव के 2 अन्य लोग रामकुमार ध्रुव 45 वर्ष और राकेश साहू 25 वर्ष भी रस्सी के सहारे नीचे उतरे। यह दोनों भी जहरीली गैस की जद में आ गए। तीनों लोगों की कुएं के अंदर ही मौत हो गई । इसके बाद स्थानीय ग्रामीणों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी।अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्योति सिंह नवागढ़ थाना की पुलिस टीम और नवागढ़ तहसीलदार विनोद बंजारे सहित पुलिस की टीम सूचना मिलते ही घटना स्थल पहुंची। पुलिस तीनों के शव बरामद कर आगे की कार्रवाई कर रही है।तहसीलदार ने परिजनों से बात कर उन्हें सांत्वना दी है।

राहुल गांधी ने मोची को भेजा सिलाई मशीन

सुल्तानपुर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सुलतानपुर में एक मोची से किए वादे को पूरा कर दिया है। उन्होंने इसके लिए चौबीस घंटे से भी कम का समय लिया। शुक्रवार को राहुल मोची चेतराम से मिले थे और उसका हाल जाना था। उसने मदद की अपील किया था, जिस पर शनिवार को राहुल गांधी की ओर से उसे एक सिलाई मशीन मुहैया कराई गई है। जिसको पाते ही उसका चेहरा खिल उठा है। सुल्तानपुर से शुक्रवार को राहुल गांधी का काफ़िला लखनऊ जाते समय करीब 13 किमी दूर कूरेभार के विधायक नगर चौराहे पर पहुंचा तो उन्होंने मोची की दुकान देखते ही गाड़ी रुकवाया और उतर कर सीधे चेत राम मोची के पास पहुंच गये। राहुल को चेतराम ने जब अपने बीच देखा तो उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। चेत राम की गुमटी पर वे 20 मिनट रुके। बातचीत किया, सेल्फी ली और एक चप्पल सिला। चेत राम ने उन्हें कोल्ड ड्रिंक मंगा कर दिया तो राहुल ने उसे बांटकर पिया। फिर वापस अपने गंत्वय के लिए रवाना हो गए। चेत राम मोची ने बताया कि जिस जूते को हम सिल रहे थे राहुल ने उसे छूकर देखा पूछा कैसे बनाते हैं। उन्होंने ये भी जाना कि घर का भरण पोषण कैसे चलता है। उसने मदद की अपील की थी। आज जब जूता सिलने के लिए उसके पास मशीन पहुंची तो उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। वहीं चेत राम ने अपनी ओर से राहुल को दो जोड़ी जूते भेजे हैं। वहीं राहुल द्वारा चेत राम की मदद पर कांग्रेस के नपा उम्मीदवार रहे अधिवक्ता वरुण मिश्रा ने कहा कि राहुल ने मशीन देकर पूरे देश और समाज में संदेश देने का काम किया है कि वे गरीबों मजलूमों के साथ खड़े हैं। जिस तरह से उन्होंने सवेदनशीलता दिखाई है।

नेपाल में विमान दुर्घटना में मारे गए 18 में से 17 शव परिजनों को सौंपा गया

काठमांडू। काठमांडू के त्रिभुवन अन्तरराष्ट्रीय विमानस्थल पर बीते बुधवार को हुए विमान दुर्घटना में मारे गए 18 यात्रियों में से अबतक 17 शवों को उनके परिवार वालों को आज सौंप दिया गया है। विमान हादसे में मारे गए एक मात्र विदेशी नागरिक के शव को अभी परिवार वालों का इंतजार है। सौर्य एयरलाइंस के विमान हादसे में मारे गए शवों का पोस्टमार्टम पूरा होने के बाद आज उनके परिवार वालों को सौंप दिया गया। बुधवार को दोपहर 11 बजे सौर्य एयरलाइंस के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद उस दिन शाम तक सभी शवों को इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आईओएमएस) में लाया गया जहां गुरुवार से लेकर शनिवार दोपहर तक पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी की गई।

स्वत्वाधिकारी यशवंत धोटे के लिए प्रकाशक, मुद्रक मधुकर सिंह, मां तपेश्वरी मीडिया एंड पब्लिकेशन प्रा0 लिमिटेड, सिंहमोड़ कल्याणपुर हटिया, अपोजिट एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग, द्वारा रांची से प्रकाशित कर, तपो प्रिंटर, गुटूआ मौजा, प्लॉट न.-1124/1125, कटहल मोड़, थाना-नगड़ी, दयाल पेट्रोल पंप के बगल में, रांची (झारखंड) से मुद्रित, (न्याय क्षेत्र रांची) संपादक-सचिन कुमार सिंह, स्थानीय संपादक-उपेन्द्र नाथ पाण्डेय* (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार*) , फोन नं-0651-2910972, ईमेल - navpradeshranchi@gmail.com (RNI No. JHAHIN/2016/68458)